जबलपुर

शुक्रवार 10 जुलाई 2026

- आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-10
- वर्ष : 21, अंक : 69
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 31
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

8 आतंक व बातचीत साथ नहीं चल सकते

मैट्रो
14 टाइगर रिजर्व में अब तक दो .....

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन
10 जुलाई 2026
कूपन नं. 7

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

विधायक चंद्रवंशी ने क्षेत्र की16 सड़कों का निर्माण पूरा न होने पर ऐसा कहा था

विधायक ने कहा- तो, चप्पल-जूते त्याग दूंगा... सीएम बोले- जरूरत नहीं पड़ेगी, 17 सड़कें देने की घोषणा

डॉ. यादव ने कहा

- शब्दों का ध्यान रखें यह काम कांग्रेसियों के लिए रहने दें
- सरकार अच्छे और सच्चे काम के लिए हमेशा आपके साथ

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

शाजापुर जिले के काला पीपल में गुरुवार को रोड शो और विकास कार्यों का भूमिपजून-लोकार्पण करने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित मंच पर बैठे सभी नेता तब चौंक गए जब भाजपा विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने ऐलान कर दिया कि यदि

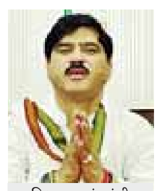

विधायक चंद्रवंशी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबोधित करते हुए

उनके क्षेत्र की 16 सड़कों का निर्माण पूरा न हुआ तो वे जूते-चप्पल पहनना त्याग देंगे। डॉ. यादव ने मंच से ही विधायक को जवाब देते हुए कहा कि 16 नहीं, 17 सड़कें देंगे। हमारे जूते-चप्पल कांटों से बचाने और दौड़ लगाने के लिए हैं। विधायक जी को जूते-चप्पल छोड़ने की जरूरत नहीं है। अपनी बात और शब्दों का ध्यान रखना चाहिए। यह काम कांग्रेसियों के लिए रहने दो। सरकार अच्छे और सच्चे काम के लिए आपके साथ है।

सड़कों के साथ विधायक ने रखी ये मांग

काला पीपल के किसान सम्मेलन में विधायक चंद्रवंशी ने जनता को संबोधित करते हुए मांग पत्र पढ़कर सुनाया। उन्होंने 48 सड़कों के उन्नयन, 16 नई सड़कों की स्वीकृति, नए राजस्व भवन और अरनियाकला में आर्ट एंड साइंस खोलने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि 16 सड़कें स्वीकृत नहीं हुईं या उनका निर्माण पूरा नहीं हुआ तो मैं जूते-चप्पल नहीं पहनूंगा।

मुख्यमंत्री ने मंजूर कर लीं सभी मांगें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मांगों से संबंधित कागज मैंने ले लिया है। नाम नहीं पढ़ूंगा, लेकिन आपको बुलाकर सभी मांगें मंजूर कर रहा हूं।

खबर संक्षेप

राजेंद्र भारती मामले में फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। दतिया उपचुनाव के बीच पूर्व विधायक राजेंद्र भारती से जुड़े बैंक एफडी घोटाला मामले में गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। अदालत ने सरकार और अन्य पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब शुक्रवार को दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट से भी फैसले की उम्मीद है। 2 अप्रैल को 3 साल की सजा मिलने के बाद विधानसभा सचिवालय ने भारती की सदस्यता रद्द कर दी थी।

उज्जैन: पुजारियों के लिए हो बिना जेब का ड्रेस कोड

उज्जैन। अयोध्या राम मंदिर के बाद मप्र के नलखेड़ा स्थित बगलामुखी मंदिर में दान चोरी का मामला सामने आने पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने कड़ा रुख अपनाया है। परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज व महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने बड़े मंदिरों की व्यवस्था सुधारने के लिए पुजारियों और कर्मचारियों हेतु बिना जेब वाले कुर्ते का ड्रेस कोड और मेटल डिटेक्टर लगाने का सुझाव दिया है। पुरी ने हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर का उदाहरण दिया।

क्या टाइपिंग मिस्टेक के आधार पर मिल सकती है जमानत?

इंदौर/दिल्ली। चर्चित राजा रघुवंशी हनीमून मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम कानूनी सवाल पर सुनवाई की। अदालत इस बात पर विचार कर रही है कि क्या गिरफ्तारी मेमो में केवल एक टाइपिंग की गलती (टाइपो) होने से गिरफ्तारी अवैध मानी जा सकती है और आरोपी को जमानत मिल सकती है? जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले को बड़ी बेंच को भेजने का संकेत दे चुकी है।

मेलबर्न में 30 हजार लोगों से बोले पीएम मोदी

भारत में सपने का जन्म होता फिर बड़ा सपना जन्म ले लेता है...

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम डील पर मुहर, यूरेनियम देने वाले वह पांचवां देश होगा

दोनों देश बनाएंगे क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर कोकोस द्वीप से गगनयान मिशन को भी मदद

वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए भारत ने ऑस्ट्रेलिया के अलावा अर्जेंटीना और जाम्बिया जैसे खनिज-समृद्ध देशों के साथ ऐसे रणनीतिक समझौते किए

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को यूरेनियम डील पर मुहर लग गई है। इससे पहले भारत 4 देशों से यूरेनियम खरीद रहा था अब ऑस्ट्रेलिया 5 वां देश होगा। यूरेनियम परमाणु ऊर्जा और बम दोनों के लिए जरूरी है। मेलबर्न में पीएम नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, स्पेस और महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) समेत कई क्षेत्र में समझौतों की घोषणा की। मोदी ने कहा- भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर भी विकसित करेंगे। कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल बनाया जाएगा, जिससे भारत के गगनयान मिशन को मदद मिलेगी।

क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर ऐसे विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र या इंटीग्रेटेड नेटवर्क होते हैं, जिन्हें महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट, और रेयर अर्थ एलिमेंट्स) की खोज, खनन, शोधन (रिफाइनिंग) और मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्राथमिकता दी जाती है

पीएम मोदी और पीएम अल्बनीज

पीएम ने नारा दिया 'ग्रो मोर, अचीव मोर' उधर से आवाज आई मोदी...मोदी.

हमारे लिए नागरिक सर्वोपरि

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे 12 साल में तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं और क्रिकेट की भाषा के लिहाज से यह उनकी हैट्रिक है। अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंथनी अल्बानीज की मौजूदगी में पीएम मोदी ने 'ग्रो मोर, अचीव मोर' का नारा दिया।

आतंकी ठिकानों पर धमाके गूंज पूरी दुनिया में

पीएम मोदी ने चंद्रयान-3 की सफलता, गगनयान मिशन और अंतरिक्ष स्टेशन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने चंद्रयान-3 के माध्यम से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग कर विश्व इतिहास रच दिया, जो कोई अन्य देश नहीं कर पाया लेकिन भारत इससे संतुष्ट नहीं रहा। अब भारत गगनयान मिशन के तहत अपना पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान भेजने की तैयारी कर रहा है। साथ ही, भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया जो भी करते हैं, उससे दोनों देशों को लाभ होता है।

रिश्तों को क्रिकेट से जोड़ा : *पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता क्रिकेट जैसा है। हमारी मुलाकातें क्रिकेट की तरह होती हैं। एजेंडे में वनडे जैसा फोकस है, फैसले टी-20 की तरह तेजी से होते हैं और हमारी साझेदारी टेस्ट मैच की तरह लंबी और मजबूत है।*

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में वारदात

किशोरी से गैंगरेप, दुष्कर्म के दौरान बनाया वीडियो 'वायरल' कर दिया

एक विधि विरूद्ध बालक हिरासत में दूसरे की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में 16 साल 7 महीने की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी पीड़िता के परिजनों को उस समय लगी जब सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो वायरल हुआ। बेटी से पूछताछ के बाद परिजन उसे लेकर कटारा हिल्स थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दो लड़कों पर सामूहिक दुष्कर्म, आईटी एक्ट और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

किशोरी से पूछताछ जारी

किशोरी की काउंसलिंग कराई गई। उससे घटना के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन वह यह नहीं बता सकी कि किस दिन उसके साथ वारदात हुई है। उसका कहना है कि चार-पांच दिन पहले उसके साथ गलत काम किया गया है। पुलिस को अनुमान है कि छुट्टी के दिन किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। बाकि दिनों स्कूल लगता है और स्कूल के आसपास चहल-पहल रहती हैं।

हाईकोर्ट में पेश किया हलफनामा

महिला जज को धमकी, दो आरोपियों को किया अरेस्ट

14 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

सिवनी मालवा की महिला न्यायाधीश तबस्सुम खान को ऑनलाइन धमकी देने के मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने हाई कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट पेश की है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) द्वारा प्रस्तुत व्यक्तिगत हलफनामे में बताया गया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गौरतलब है कि महिला जज ने गोवंश तस्करी और मॉब लिंचिंग के एक मामले में 14 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें इंटरनेट पर धमकियां मिलने लगीं। हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने इसे न्यायिक स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई थी। सुनवाई के दौरान सरकार ने कोर्ट को बताया कि महिला न्यायाधीश को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करा दी गई है। इसके साथ ही दतिया, कटनी और बैतूल में भी न्यायाधीशों के साथ हुई सुरक्षा चूक की घटनाओं पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें दतिया मामले के आरोपियों के खिलाफ चालान पेश होने की बात कही गई है।

उमरिया में भीषण सड़क हादसा

ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार परिवार के 5 लोगों की गई जान

हाईवे पर बिना इंडिकेटर खड़े वाहन से हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरिया

नेशनल हाइवे-43 पर कोतवाली थाना क्षेत्र के भरौला सिद्धबाबा धाम के पास तड़के सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अनूपपुर के राजेंद्रग्राम (लील्हाटोला) का मार्को परिवार अपनी बेटी को हॉस्टल छोड़ने चित्रकूट जा रहा था। इसी दौरान उनकी तेज रफ्तार अर्टिगा कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से जा घुसी। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए ।

इंदौर हाईवे पर यात्री बस में भीषण आग

ड्राइवर की सूझबूझ से बचे सभी 26 मुसाफिर, टला बड़ा हादसा

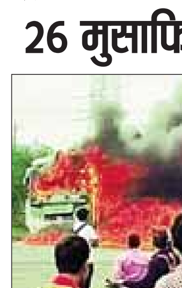

टायर फटने के बाद उठी चिंगारी के बाद भड़की आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

रीवा से इंदौर आ रही अंबे ट्रेवल्स की एक यात्री बस गुरुवार को इंदौर बायपास पर भीषण आग का शिकार हो गई। हालांकि, चालक की त्वरित सूझबूझ और राहगीरों की मदद से बस में सवार सभी 26 यात्रियों और उनके सामान को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि बस रीवा से रवाना होकर सतना और अन्य शहरों से यात्रियों को लेकर इंदौर आ रही थी।

कांग्रेस बोली-यह बदले की कार्रवाई

पीसीसी चीफ जीतू के भाई नाना पटवारी हिरासत में

दो कथित ड्रग्स पैडलरों की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सामने आया नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को इंदौर पुलिस ने हिरासत में लिया है, जिसके बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। राजेंद्र नगर पुलिस द्वारा पकड़े गए दो ड्रग पैडलरों ने पूछताछ में नाना पटवारी से अपने संबंधों का खुलासा किया था, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। हालांकि, नाना पटवारी पर पूर्व से भी हत्या के प्रयास और धोखाधड़ी से जमीन कब्जाने जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं।

ई-20 पेट्रोल को लेकर गडकरी ने किया दावा

माइलेज पर मामूली असर.. इंजन पर नहीं इंजन खराब तो उसके पीछे मिलावटी ईंधन

इथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल से कम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल से कम होती है। इसलिए जैसे-जैसे पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ती है, वैसे-वैसे गाड़ी का औसत माइलेज थोड़ा कम हो सकता है। लेकिन ज्यादातर मामलों में इसका असर बहुत कम होगा। सोशल मीडिया पर ई20 पेट्रोल से वाहनों के खराब होने की जो बातें सामने आ रही हैं, उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। यह एक सुनियोजित दुष्प्रचार है।

नितिन गडकरी

परीक्षण के बाद लागू हुआ

पुणे स्थित ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) और वाहन बनाने वाली कंपनियों ने कई तरह के परीक्षण किए थे। सभी जरूरी मंजूरी मिलने के बाद ही इसे लागू किया गया। पुराने वाहनों के कुछ छोटे पुर्जों पर थोड़ा असर पड़ सकता है। इसे देखते हुए वाहन कंपनियों को निर्देश दिया गया है ।

लो प्रेशर एरिया अब आगे बढ़ गया है, जिससे बारिश में कमी आएगी

अरब सागर की सक्रियता के कारण मध्य और पश्चिमी हिस्सों में अच्छी बारिश, बंगाल की खाड़ी शांत रही इसलिए पूर्वी मप्र अभी तक 'सूखा'

प्रदेश में औसत से 10 फीसदी अधिक बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अरब सागर की सक्रियता के कारण मध्य और पश्चिमी हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। बंगाल की खाड़ी शांत रही इसलिए पूर्वी मप्र अभी तक 'सूखा'है। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बारिश के आंकड़े लगातार बेहतर बने हुए हैं, जबकि पूर्वी हिस्से में बारिश कम हुई है। यह आंकड़े मानसून से पहले से ही गड़बड़ाए हैं, जो अब तक नॉर्मल नहीं हो सके हैं। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार इस महीने यह अंतर कुछ हद तक बना रह सकता है। हालांकि, जुलाई में पूर्वी हिस्से में बारिश ने काफी कवर किया है।

बंद हुए त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के कपाट, श्रद्धालु सुरक्षित निकाले गए

नासिक। महाराष्ट्र में जारी मूसलाधार बारिश और मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। सुरक्षा के लिहाज से 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर और प्रसिद्ध सप्तश्रृंगी माता मंदिर के कपाट अगले आदेश तक श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। त्र्यंबकेश्वर-नासिक क्षेत्र में बादल फटने जैसी स्थिति और करीब 300 मिमी तक बारिश की आशंका को देखते हुए ।

कई शहरों में बारिश बनी आफत जनजीवन को किया अस्त व्यस्त

32 मंजिला बिल्डिंग के पास अचानक फटी जमीन, गड्ढे में समा गई कार स्कूटी, बिजली का पोल भी गिरा, पेड़ भी गिरे, जलजमाव ने रोका ट्रैफिक

एजेंसी ⏭ गाजियाबाद

यहां के वसुंधरा सेक्टर-13 में लगातार हो रही बारिश के बीच गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निर्माणाधीन 32 मंजिला बहुमंजिला इमारत के पास की मुख्य सड़क अचानक ताश के पत्तों की तरह धंस गई। सड़क पर पार्क की गई एक कार और स्कूटी देखते ही देखते करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में समा गईं। बिजली का पोल भी लगभग 10 फीट तक जमीन के अंदर धंस गया। हादसे के वक्त वाहनों में कोई मौजूद नहीं था। पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 8 बजे की है। धंसने वाले वाहनों में एक कार उनकी थी, जबकि स्कूटी किराएदार अजय अग्रवाल की थी। लगातार बारिश रिसावहुआ, जिससे मिट्टी धंस गई।

2 घंटे की मशक्कत के बाद निकाले गए वाहन

हादसे के बाद निर्माण स्थल पर हड़कंप मच गया। बिल्डर के मौजूद न होने पर वहां काम कर रहे मजदूरों और कर्मचारियों ने क्रेन बुलाई। करीब दो घंटे की भारी मशक्कत के बाद कार, स्कूटी और बिजली के खंभे को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से इलाके की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रखी गई।

दीवार गिरी, कॉलोनियां जलमग्न

क्रॉसिंग में पंचशील वेलिंगटन की बाहरी दीवार गिर गई है। शालीमार गार्डन में एक जिम के ऊपर छज्जे का प्लास्टर भरभराकर गिर गया, इसमें कोई जनहानि नहीं हुई।करण गेट चौकी के पास एक सड़क धंस गई है। लोनी क्षेत्र के इंद्रापुरी स्थित अंकुर विहार एसीपी कार्यालय के बाहर सड़क पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता मिला। राजेंद्र नगर क्षेत्र में घरों में जलभराव होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत आपूर्ति बाधित है। नंदग्राम स्थित राजकीय पुस्तकालय में भी पानी भर गया है। लाल कुआं पर भी जलभराव है।मसूरी एमजी रोड पर कॉलोनियों में जलभराव हो गया है।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम का बेड़ा गर्क

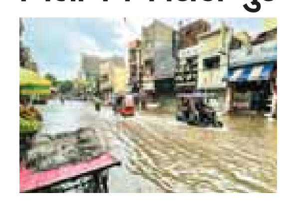

दिल्ली से सटी मिलेनियम सिटी गुरुग्राम का भी बरसात में हाल बेहाल है। गुरुग्राम के सेक्टर-70 की सड़क तालाब बन चुकी है, गाड़ियां आधी डूब कर सड़क से निकल रही हैं। 2 फीट से ज्यादा पानी सड़क पर जमा हुआ है। बेसमेंट में भी लबालब पानी है।

उत्तराखंड में भी बाढ़ का दिखा असर

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश का असर पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक देखने को मिल रहा है। कई राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन के कारण बंद हैं।हरिद्वार और रुड़की में जलभराव से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।चमोली में फरासू स्लाइड जोन में रॉक फॉल के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बंद है। उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग नालूपानी, धरासू घाट और नगुण के पास भूस्खलन से कई जगह बाधित है।

महाराष्ट्र बाढ़ में अब तक 63 की मौत

महाराष्ट्र के वसई विरार और नालासोपारा में पिछले 5 दिनों से बारिश के चलते सोसायटी और रास्तों पर जलभराव हो गया है। महाराष्ट्र में 1 जून से अब तक बारिश से हुई दुर्घटनाओं में 63 लोगों की मौत हो चुकी है। दीवार गिरने से 25 लोगों की, आकाशीय बिजली गिरने से 23 लोगों की और पेड़ गिरने से 6 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ के पानी में बहने से 3 लोगों की जान गई। हादसों में अब तक 78 लोग घायल हुए हैं।

खबर संक्षेप

नमाज के बाद गिरा जामा मस्जिद का गुंबद

मथुरा। यहांबुधवार की शाम चौक बाजार स्थित जामा मस्जिद की मुख्य गुम्बद का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। तेज धमाके के साथ गुंबद का हिस्सा गिरने से सब्जी मंडी व सर्राफा बाजार में खलबली मच गई।धमाका इतनी तेज हुआ कि आसपास गुजर रहे वाहन तक थम गए। मंगलवार की रात से ही कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हो रही थी। नमाज हो चुकी थी।

केंद्रीय मंत्री संजय के बेटे को जमानत मिली

हैदराबाद। तेलंगाना हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे भागीरथ को सशर्त जमानत दे दी। उसे पोक्सो मामले में गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने 6 जुलाई को भागीरथ की जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने एक-एक लाख रुपए की 2 जमानत राशि जमा करने और जांच में सहयोग करने जैसी शर्तें रखीं।

टीएमसी को बड़ा झटका पूर्व सांसद भाजपा में

नई दिल्ली। टीएमसी को गुरुवार को बड़ा झटका लगा है। टीएमसी के 3 पूर्व राज्यसभा सांसदों ने भाजपा का दामन थाम लिया है। भाजपा में शामिल होने वालों में सुष्मिता देव, प्रकाश चिक बराइक और सुखेंदु शेखर रॉय शामिल हैं। तीनों नेताओं ने कोलकाता में बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली।

एक परिवार के 2 की मौत और 2 गंभीर

पटियाला। पंजाब के पटियाला में वित्तीय विवाद में जहर खाने से एक परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग अस्पताल में जिंदगी के लिए जूझ रहे हैं। मृतकों की पहचान निजी बैंक के कर्मचारी विकास बटिश और उनकी बेटी खुशी बटिश के रूप में हुई है। विकास की पत्नी तमन्ना व बेटे कनव बटिश का इलाज किया जा रहा है।

रॉड से पीटा, गर्दन मरोड़कर बच्चे की हत्या

बेंगलुरु। यहां येलाहंका के पास एक रेजिडेंशियल स्कूल के फिजिकल एजुकेशन टीचर पर आरोप है कि उसने 12 साल के बच्चे की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना बागलूर के कदयारप्पनाहल्ली गांव में स्टर्लिंग इंग्लिश रेजिडेंशियल स्कूल में हुई। पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा में टीचर पर केस दर्ज किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती, उठाए सवाल और चेतावनी दी

अधिकारियों की मिलीभगत पर जताई नाराजगी

नगर निकायों को लगाई कड़ी फटकार अवैध कब्जों पर बताएं क्या कार्रवाई की

अदालत ने नगर निकायों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जमीन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट अवमानना की कार्रवाई करेगा। कोर्ट ने अवैध कब्जों के मामलों में सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत पर भी कड़ी नाराजगी जताई। इसके साथ ही अदालत ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी भी दी है और कार्रवाई करने को कहा है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली- लखनऊ में हुए हालिया अग्निकांड की घटनाओं को लेकर कड़ा रख अपनाते हुए नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में अवैध कब्जों को लेकर भी नाराजगी जताई और पूछा कि अवैध कब्जों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? अदालत ने नगर निकायों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जमीन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट अवमानना की कार्रवाई करेगा। कोर्ट ने अवैध कब्जों के मामलों में सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत पर भी कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने घटना के बाद अधिकारियों द्वारा इज्जत बचाने के लिए की जाने वाली कार्रवाइयों की भी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि घटनाओं के बाद सिर्फ बिल्डरों को ही गिरफ्तार किया जा रहा है, जबकि घटना वाले क्षेत्र के प्रभारी अधिकारियों को छोड़ दिया जा रहा है। कोर्ट ने रिपोर्ट तलब करते हुए मामले की सुनवाई अगली तारीख तक स्थगित कर दी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस काम में कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए और कमेटी को एक सच्ची रिपोर्ट सौंपनी चाहिए। बेंच ने कहा कि हम यह साफ करते हैं कि कमेटी की ओर से सच्ची रिपोर्ट देने में कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। अगर हमें इस पर शक हुआ तो रिपोर्ट की सच्चाई जानने के लिए इस कोर्ट से एक स्पेशल टीम भेजी जा सकती है।

जमीन पर नहीं दिखी कार्रवाई तो दर्ज होगा अवमानना मामला

सुप्रीम कोर्ट

नगर निकायों को दिया अल्टीमेटम

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ ने अवैध कब्जों से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान मालवीय नगर की घटना, लखनऊ में लगी आग और साकेत में इमारत गिरने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हमें उम्मीद थी कि अधिकारी कुछ कार्रवाई करेंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अदालत ने ये भी पूछा कि मालवीय नगर की घटना के बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई?

मालवीय नगर में लगी थी आग

दिल्ली के मालवीय नगर में बीती 3 जून को एक होटल में भीषण आग लग गई थी, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं लखनऊ में बीती 22 जून को एक व्यवसायिक परिसर में लगी आग में झुलसकर 15 लोगों की मौत हो गई थी।अदालत ने दिल्ली नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे नगर निकाय के आचरण से चिंतित हैं।

विशेषज्ञ समिति गठित करने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने लाजपत नगर, साकेत और सरोजनी नगर जैसे इलाकों का सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया है और एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का आदेश दिया है। इस विशेषज्ञ समिति में आईआईटी दिल्ली के सिविल विभाग के दो वरिष्ठ प्रोफेसर, आईआईटी के दो ड्राफ्ट्समैन और अधिकारी कोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारी शामिल रहेंगे।

20 मई के आदेश के बाद क्या कार्रवाई की?

अदालत ने बीती 20 मई को सुरक्षा अधिकारियों को सुरक्षा मानदंड पर निर्देश जारी करने का आदेश दिया था। साथ ही अदालत ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर भी संज्ञान लिया, जिनमें बताया गया कि गुरुग्राम की 93 प्रतिशत इमारतें अग्नि सुरक्षा ऑडिट में फेल रही हैं। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अधिकारियों को 20 मई को निर्देश दिए गए थे कि क्या करना है?

4 तक कार्रवाई नहीं तो अफसर नपेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में गैर-कानूनी और असुरक्षित इमारतों और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, पटना और तमिलनाडु के नगर निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उन जर्जर इमारतों को गिराने या खाली कराने के लिए की गई कार्रवाई की स्टेट्स रिपोर्ट मांगी है, जिनसे आपदा का खतरा हो सकता है। साकेत और मालवीय नगर में इमारत गिरने की घटना व अलीगंज में आग की घटनाओं का संज्ञान लिया।

जिम्मेदारों पर होगा एक्शन

कोर्ट ने यह चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नगर निगम और विकास प्राधिकरण के कमिश्नर, सीईओ और दूसरे जिम्मेदार अधिकारी अगली तारीख तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट रिकार्ड पर नहीं रखते या कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं करते तो, उनके खिलाफ संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

महाराष्ट्र की राजनीति में मचा बवाल

शिंदे-शरद पवार की मुलाकात राउत बोले-भरोसा कम हो रहा

पवार ने शिंदे से सौजन्य भेंट की

शरद ने बुधवार को मुंबई में विधान भवन कॉम्प्लेक्स में शिंदे के ऑफिस में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की। पवार लंबे समय से पेंडिंग महाराष्ट्र-कर्नाटक बॉर्डर विवाद पर राज्य सरकार द्वारा बनाई गई हाई-पावर्ड कमेटी के मेंबर के तौर पर एक मीटिंग में शामिल होने के लिए विधानसभा परिसर में थे। पवार ने शिंदे से उनके चैंबर में कर्टजी विजिट की। राउत ने कहा कि शरद पवार एक सीनियर और इज्जतदार नेता हैं। एक सीनियर लीडर की क्रेडिबिलिटी तब कम होती है जब वह एक ऐसे गद्दार की छत के नीचे जाकर ऐसी मीटिंग्स करता है, जिसने हमारी सरकार गिरा दी। पवार का शिंदे के ऑफिस जाना देशद्रोहियों की बड़ाई करने जैसा है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार के विधान भवन परिसर में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात पर बवाल मच गया है। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने इस पर शरद पर सवाल खड़े किए हैं।

राउत ने कहा कि उनकी पार्टी शिंदे के ऑफिस में पवार की मीटिंग से परेशान और दुखी है और ऐसी हरकतों से उनके जैसे सीनियर लीडर पर भरोसा कम होता है। उन्होंने कहा कि यह मीटिंग गद्दारों की बड़ाई करने जैसा था। शरद की पार्टी ने राउत पर कड़े शब्दों में पलटवार करते हुए उन पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया और उन्हें याद दिलाया कि पवार की उनसे और शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे से हुई मीटिंग्स को पहले पॉलिटिकल स्टेट्समैनशिप कहा गया था। एक मीटिंग से क्यों घबरा रहे हैं?

भ्रष्टाचार फैलाने के पीछे शिंदे

उन्होंने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार की दीमकों के फैलने के पीछे शिंदे का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्या पूरी विधानसभा मौजूद नहीं थी (कि पवार को शिंदे के केबिन में मीटिंग करनी पड़ी)? वाईबी चव्हाण प्रतिष्ठान राष्ट्रवादी भवन भी पास में ही था। राउत ने कहा कि यह एक वफादार पार्टी वर्कर की राय है। हम इतने टॉलरेंट नहीं हैं कि गद्दारों के ऑफिस में मीटिंग करने दें। हमारा दिल इतना बड़ा नहीं है और हम ऐसा भी नहीं करेंगे।

ममता को कोर्ट से राहत

पार्टी के तीनों खातों से पैसा निकाल सकेगी 'टीएमसी'

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 2बड़े घटनाक्रम सामने आए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पूर्व सीएम ममता बेनर्जी की गुट वाली टीएमसी को पार्टी के फ्रीज किए गए 3बैंक खातों के संचालन के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त कर दिया, वहीं पूर्व मंत्री अरूप विश्वास पर कथित अंडे फेंकने की घटना पर कहा,आरोपियों की सार्वजनिक बेइज्जती है।

खातों का सीमित इस्तेमाल हो सकेगा

जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर तक विशेष अधिकारी नियुक्त किया। उनकी निगरानी में ही बैंक खातों का सीमित इस्तेमाल कर सकेगी। कोर्ट ने साफ कर दिया कि खातों से सिर्फ पार्टी के रोजमर्रा के संचालन और कानूनी मामलों से जुड़े खर्च ही किए जा सकेंगे। स्पेशल ऑफिसर किसी भी अन्य बड़े या छोटे खर्च की अनुमति नहीं देंगे।

झांसा देकर 16 करोड़ की ठगी

पुलिस ने फर्जी कंपनी के तीन निदेशक समेत 6 को दबोचा

एजेंसी ⏭ हावड़ा

महज 25 महीने में निवेश की राशि दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में हावड़ा सिटी पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) की टीम ने एक फर्जी निवेश कंपनी के3 निदेशकों सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

'51 कदम पीछे मत देखना'... बुजुर्ग महिला से 3.05 लाख के जेवर पार

नागपुर। धार्मिक आस्था का फायदा उठाकर ठगी करने वाले गिरोह एक बार फिर सक्रिय हैं। इमामवाड़ा थाना क्षेत्र में 2अज्ञात युवकों ने 81 वर्षीय बुजुर्ग महिला मेडिकल रोड निवासी सुजाता भगवानलाल अग्रवाल को धार्मिक बातों में उलझाकर करीब 3.05 लाख के सोने के जेवरात और मोबाइल ठग लिए। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए।

महाराष्ट्र में भी लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

फडणवीस ने रिटायर्ड जज देसाई के नेतृत्व में बनाई 7 सदस्यीय कमेटी

6 महीने में रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद

एजेंसी ⏭ मुंबई

महाराष्ट्र में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। राज्य की फड़नवीस सरकार ने इसको लेकर गुरुवार को 7 सदस्यों वाली एक कमेटी के गठन करने ऐलान किया है। कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना देसाई करेंगी।विधानसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आरसी चव्हाण और एसजी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं।

शीतकालीन सत्र में करेंगे पेश

फडणवीस कहा कि समिति से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश करने का प्रयास करेंगे। संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का हवाला देते हुए फडण वीस ने कहा कि तदनुसार एक समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए एक ढांचा तैयार करने हेतु न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।महाराष्ट्र से पहले, असम और गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता के लिए कानून का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया था।

पंजाब कांग्रेस में बगावत खत्म होने के संकेत

बैकफुट पर चन्नी, नेतृत्व के आदेश पर काम करेंगे

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में बगावत पर हाईकमान के कड़े रुख के बाद अब नाराज नेताओं का गुट बैकफुट पर आ गया है। पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी ने कहा कि कांग्रेस को एकजुट करके चलना हमारा मकसद है। पार्टी हाईकमान जो रणनीति बनाएगा हम मिलकर साथ चलेंगे। चन्नी ने चंडीगढ़ में अपने समर्थकों के साथ बैठक की। इससे पहले प्रियंका गांधी ने चन्नी से फोन पर बात की थी। भूपेश बघेल पूर्व मंत्री ब्रह्म महेंद्र को मनाने पहुंचे। बघेल का दावा है कि सभी नाराज नेता जल्द एकजुट हो जाएंगे।

समर्थकों के साथ की बैठक, प्रियंका ने चन्नी से की बात

इस वक्त हम कोई प्रयोग नहीं कर सकते: चन्नी गुट

चन्नी गुट के समर्थक विधायक परगट सिंह ने कहा कि हम पंजाब में इस वक्त एक्सपेरिमेंट नहीं कर सकते। उनका निशाना हाल ही में हाईकमान द्वारा नियुक्त किए गए 3 नए कांग्रेस के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्षों पर था। हमारे बीच मतभेद हो सकता है लेकिन हम सभी कांग्रेसियों का मकसद पंजाब में आप और भाजपा द्वारा बनाई जा रही रणनीति को ध्वस्त करना है। उन्होंने कहा लोकतंत्र में किसी मुद्दे पर मतभेद होना कोई गलत बात नहीं है। हरेक बात का अपना मूल्य होता है।

भाजपा ने साधा निशाना- यहां खेल चल रहा

बगावत पर भाजपा नेता व राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा कि भूपेश बघेल का बयान कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी तानाशाही, वंशवादी राजनीति और चापलूसी वाली कार्यप्रणाली को साफ तौर पर दिखाता है। गांधी-नेहरू परिवार पिछले सात दशकों से पंजाब के साथ 'गुड्डा-गुड्डी' का खेल खेल रहा है।

हुड्डा-सुरजेवाला के बीच जबरदस्त बयानबाजी

हरियाणा कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी अब दिखाई देने लगी है। प्रदेश प्रभारी संजय दत्त की मौजूदगी में बैठक के दौरान पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला के मध्य बयानबाजी ने अंदरूनी मतभेदों को सामने ला दिया है।

सरकार का बड़ा फैसला

अब ईवी कमर्शियल वाहनों को मिलेगी 7 साल की परमिट छूट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसे सुनकर कमर्शियल और ट्रांसपोर्ट गाड़ी चलाने वालों की खुशी का ठिकाना नहीं है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक नया नोटिस जारी किया है, जिसमें अब कुछ खास तरह के कमर्शियल वाहनों को 7 साल तक के लिए कमर्शियल परमिट लेने की अब झंझट नहीं रहेगा। सरकार का यह फैसला देश में साफ-सुथरे फ्यूल यानी ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है।

इन 4 तरह के कमर्शियल वाहनों मिलेगा फायदा

अब सभी बैटरी से चलने वाले वाहनों को 7 साल तक किसी भी तरह का परमिट लेने की जरूरत नहीं होगी। एथेनॉल, मेथेनॉल और भविष्य के फ्यूल से चलने वाले कमर्शियल पैसेंजर और माल ढोने वाले वाहनों को शामिल किया है।

from
GALGOTIAS
to
CAMBRIDGE

Pursuant to the MoU between

GALGOTIAS UNIVERSITY
×
GIRTON COLLEGE
UNIVERSITY OF CAMBRIDGE

16 STUDENTS FROM GALGOTIAS UNIVERSITY

Embark on a

Fully Sponsored Global Journey

attending prestigious

Entrepreneurship and Artificial Intelligence (AI) Program

At

Girton College, University of Cambridge

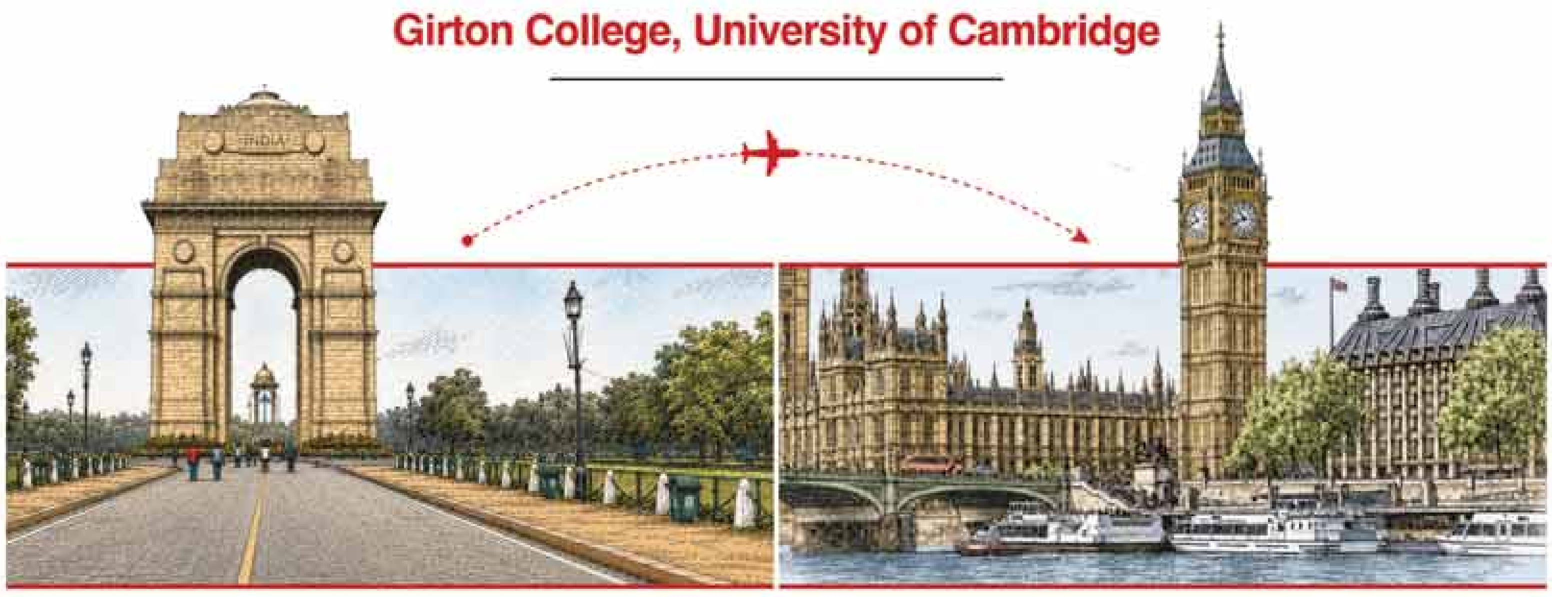

A Global Milestone. A Lifetime of Possibilities.

Nitya Upadhyay — B.Tech IT, 3rd Year
Krishna Garg — B.TECH CSE, 3rd Year
Aditya — B.TECH (CSE -AI&ML), 3rd Year
Pushkar Singh — EE, 2nd Year
Abhishek Kumar — B.Tech in CSE with specialization in AI&ML, 3rd Year
Archit Kumar — B.TECH (CSE), 3rd Year
Aman Singh — B.Tech in CSE (Data Science) iOS Development Centre, 3rd Year
Swastick Bisht — B.Sc. (Hons. With Research) Microbiology, 3rd Year
Saksham Saxena — B.Tech CSE with AI&ML, 4th Year
Ansh Sharma — B.Tech CSE AI&ML, iOS Development Centre | 3rd Year
Yashika Sharma — B.Tech CSE AI&ML, 3rd Year
Tanishqa Giri — BBA in Financial Investment Analysis, 3rd Year
Vayu Nandan Tripathi — B.Tech CSE AI&ML, 2nd Year
Gaurang Pant — B.TECH CSE, 3rd Year
Kavya Singh — BBA in Financial Investment Analysis, 3rd Year
Keshav Madan — Btech cse + cyber security, 3rd Year

A proud step towards advancing **India–UK** collaboration through education, innovation, industry and young talent.

For Admissions Scan to Apply

RANKED

#16 AMONGST TOP PRIVATE UNIVERSITIES IN INDIA

Ranked 3rd amongst Private Universities in Uttar Pradesh

Ranked 46th amongst Top Private and Government Universities in India

Scan to Explore the World of Galgotias

GLOBALLY RANKED FOR 3 CONSECUTIVE YEARS

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** | **97173 00343** | **0120-4370000**

NAAC GRADE A+ Accredited University | **Web:** www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

GALGOTIAS UNIVERSITY

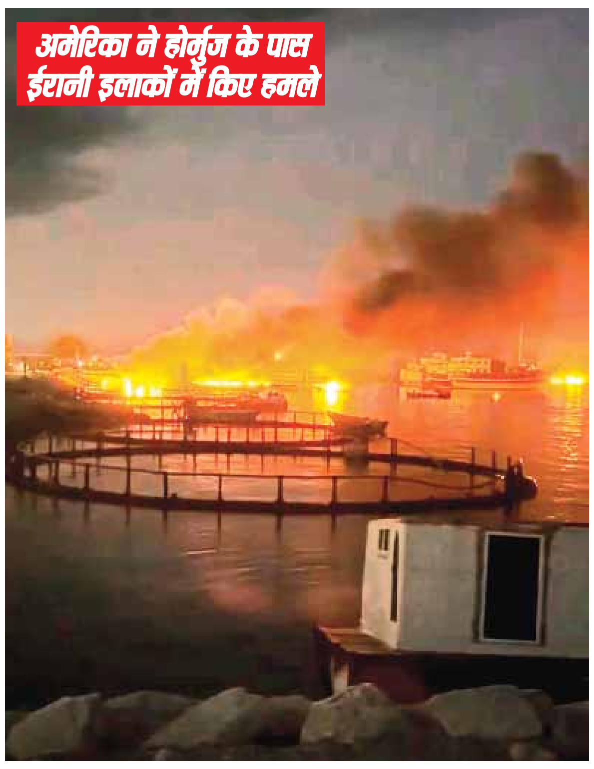

अमेरिका का ईरान के कुहेस्तक बंदरगाह पर हमला

ईरानी सेना के मुताबिक हमलों में कुवैत के पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर के अर्ली वॉर्निंग सैटेलाइट एंटीना और बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया

ईरान के परमाणु ठिकानों के पास अमेरिका का हमला, तेहरान ने खाड़ी देशों को बनाया निशाना

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव/तेहरान

ईरान ने अमेरिका पर बुशहर परमाणु बिजली फैसिलिटी के पास हवाई हमला करने का आरोप लगाया है। यह हमला गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। ईरान के होर्मोजगान प्रांत के कुहेस्तक में अमेरिकी हमले के बाद बंदरगाह क्षेत्र से धुआं उठता दिखाई दिया।

यह बंदरगाह होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित है। जवाब में ईरान ने कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिका के सैनिक अड्डों पर ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी सेना के मुताबिक, हमलों में कुवैत के पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर के अर्ली वॉर्निंग सैटेलाइट एंटीना और बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया।

अमेरिका ने 2 दिन में 170 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया है कि पिछले दो दिनों में उसकी सेना ने ईरान के 170 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। सेंटकॉम के मुताबिक, हमलों में एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन और मिसाइल भंडार, सैन्य स्पीड बोट और होर्मुज स्ट्रेट के पास तटीय इलाकों में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

आग और धुआं उठता नजर आया
बुशहर में किया हवाई हमला

बुशहर पर अमेरिकी हमला

अमेरिका ने ईरान के एकमात्र बुशहर परमाणु बिजली फैसिलिटी के पास हवाई हमला किए। फिलहाल धमाकों के कारण या किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बुशहर के गवर्नर मोहम्मद मोजफ्फरी ने कहा कि बुधवार सुबह अमेरिका ने बुशहर शहर पर फिर हमला किया, लेकिन परमाणु बिजली संयंत्र और खार्ग द्वीप को निशाना बनाए जाने की खबर गलत है।

ईरान बोला- पुलों पर हमला युद्ध अपराध

ईरान ने अमेरिका पर दो पुलों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए इसे खुला युद्ध अपराध बताया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में मशहद जाने वाले रेलवे मार्ग पर बने दो पुलों को निशाना बनाया। पिछले 48 घंटों में अमेरिका ने अपराधी हमले किए हैं। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और पिछले महीने हुए सीजफायर समझौते का भी उल्लंघन किया है।

ईरान के सिरिक में 3 की मौत

ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने ईरान के सिरिक शहर में हमला किया। इस हमले में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं।

जॉर्डन ने मिसाइलें मार गिराने का दावा किया

जॉर्डन सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद अल मोमानी ने कहा कि ईरान ने गुरुवार को उनकी तरफ मिसाइलें दागी जिसे सेना ने हवा में ही मार गिराया। साथ ही पूरे देश में चेतावनी देने वाले सायरन बजाए गए। फिलहाल किसी नुकसान या हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

कुवैत में ईरानी हमले में एक घायल

कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को ईरान के हमलों में एक व्यक्ति घायल हुआ है। मंत्रालय ने दावा किया कि हमलों के दौरान कुवैत की सेना ने 3 बैलिस्टिक मिसाइल, 1 क्रूज मिसाइल और 10 ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।

खबर संक्षेप

नागपुर में तीसरी ब्रिक्स परिवहन की बैठक

नागपुर। भारत की अध्यक्षता में नागपुर में ब्रिक्स 2026 तहत तीसरी ब्रिक्स परिवहन वर्किंग ग्रुप की बैठक हुई। केंद्रीय परिवहन सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों ने सर्कुलैरिटी, मोबिलिटी, शहरी बुनियादी ढांचा और सस्टेनेबल डेवलपमेंट जैसे मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। ट्रांसपोर्ट सेक्टर में बेहतरीन तौर-तरीकों और ट्रांसपोर्ट से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत की गई। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 11 को ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

भारत और म्यांमार सुरक्षा सहयोग बढ़ाएंगे

नई दिल्ली। भारत और म्यांमा के बीच दो दिन की बैठक नई दिल्ली में संपन्न हुई। इस 23वीं राष्ट्रीय स्तर की बैठक में दोनों पक्षों ने सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। गृह मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों ने आतंकवाद, उग्रवाद, मादक पदार्थों, हथियारों, वन्यजीव और मानव तस्करी, साइबर अपराध तथा संगठित अपराधों सहित अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने खुफिया जानकारी साझा करने और साझा सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के पर भी सहमति व्यक्त की।

भारतीय इंजीनियर ने की पत्नी की हत्या

नई दिल्ली। अमेरिका में रह रहे एक 30 वर्षीय भारतीय इंजीनियर को यूएस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंजीनियर पर नौ माह पहले अपनी पत्नी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि भारतीय इंजीनियर अविनाश नारने ने अपनी पत्नी रंजीता सब्बीनेनी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने पत्नी के शव की फोटो भारत में रह रही अपनी प्रेमिका को भी भेजी थी। पुलिस जांच के बाद हत्या का मामला साफ हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय बैठक में कई अहम समझौते

रक्षा और सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा पत्र जारी सप्लाई चेन सहित कई क्षेत्रों में नई साझेदारी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझा प्रयासों को नई दिशा देगा। दोनों देश जहाज निर्माण, जहाजों की मरम्मत और उनके रखरखाव के क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे

एजेंसी ▸▸ मेलबर्न

पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देते हुए नागरिक परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स), साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन जैसे अहम क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया।

■ समन्वय को मजबूत बनाएंगे दोनों

दोनों नेताओं ने दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने का संकल्प दोहराया। बैठक के बाद दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा जारी की।

इसके अलावा ऊर्जा सहयोग पर संयुक्त बयान तथा साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रोडमैप भी जारी किया गया। इन समझौतों का उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय को मजबूत बनाना है।

फूड प्रोसेसिंग और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश की अपील की

पीएम नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज

ऑस्ट्रेलियाई निवेशक भारत में 50 करोड़ डॉलर निवेश करेंगे

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम में पीएम मोदी

पीएम मोदी ने इंडिया-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख सीईओ, बिजनेस लीडर्स, ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख निवेशक और अग्रणी विश्वविद्यालयों को कुलपति शामिल हुए। सीईओ फोरम के साथ ही पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने इकोनॉमिक रोडमैप बिजनेस इवेंट को भी संयुक्त रूप से संबोधित किया। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े पेंशन फंड ऑस्ट्रेलियनसुपर ने घोषणा की कि वे भारत के राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष में 50 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश करेंगे।

आतंकवाद पूरी मानवता के लिए चुनौती

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश की नहीं बल्कि पूरी मानवता की चुनौती है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया आतंकवाद के खिलाफ अपनी साझा लड़ाई को और मजबूत बनाएंगे तथा इस दिशा में सहयोग लगातार बढ़ाया जाएगा।

डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर तैयार करेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि इंडो-पैसिफिक केवल दो महासागरों का संगम नहीं, बल्कि समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक देशों की साझा आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर के माध्यम से दोनों देशों के रक्षा स्टार्टअप और उद्योगों को आपस में जोड़ा जाएगा, जिससे रक्षा क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझा प्रयासों को नई दिशा देगा। दोनों देश जहाज निर्माण, जहाजों की मरम्मत और उनके रखरखाव के क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया अस्थिरता, सप्लाई चेन बाधा और ऊर्जा संकट से जूझ रही है। ऐसे समय में भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्राकृतिक और विश्वसनीय पार्टनर हैं।

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन का दावा

न्यूजीलैंड के 57% सामान पर नहीं लगेगा टैरिफ, होगा लाभ

न्यूजीलैंड ने भी भारतीय सामान पर टैरिफ शून्य किया

क्रिस्टोफर लक्सन, नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

एजेंसी ▸▸ वेलिंगटन

भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से न्यूजीलैंड के कारोबार को जबरदस्त गति मिलेगी और भारतीय बाजार में उसके निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे। लक्सन ने कहा कि भारत के साथ होने वाले व्यापार समझौते के तहत न्यूजीलैंड से भारत भेजे जाने वाले कुल निर्यात का 57 प्रतिशत हिस्सा पहले ही दिन से आयात शुल्क (टैरिफ) से मुक्त हो जाएगा। इससे न्यूजीलैंड के उत्पाद भारतीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

व्यापार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

लक्सन ने विश्वास जताया कि इस समझौते से केवल निर्यात ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि निवेश, रोजगार और आर्थिक सहयोग को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने इसे न्यूजीलैंड के कारोबारियों और अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजारों में से एक है, ऐसे में यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। न्यूजीलैंड ने भारत से होने वाले निर्यात के लिए सभी 8,284 श्रेणी की वस्तुओं एवं सेवाओं पर सीमा शुल्क को शून्य कर दिया है।

आज न्यूजीलैंड पहुंचेंगे पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद 10 जुलाई को न्यूजीलैंड पहुंचेंगे। मोदी 40 वर्ष बाद न्यूजीलैंड के दौरे पर जाने वाले पहले पीएम हैं। इससे पहले 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में भारत और न्यूजीलैंड ने इस मुक्त व्यापार समझौते पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए थे। इस एफटीए से भारत के कृषि क्षेत्र में क्रांति आ सकती है। भारत को न्यूजीलैंड से विश्वस्तरीय कृषि तकनीक मिल सकती है।

भारत-रूस आतंकवाद निरोधक बैठक

आतंकी चुनौतियों से निपटने सहयोग के लिए बनी सहमति

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत-रूस आतंकवाद निरोधक संयुक्त कार्य समूह की 14वीं बैठक आयोजित में सीमा पार आतंकवाद और आतंकियों द्वारा नई तकनीक के दुरुपयोग पर चर्चा हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और रूस के उप विदेश मंत्री दिमित्री ल्यूबिंस्की ने की। दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों और सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में भारत और रूस ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों और अभिव्यक्तियों, विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की। दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति में सूचीबद्ध आतंकवादी संगठनों, उनके सहयोगी संगठनों और प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट में खुलासा

आसियान में 8 करोड़ नौकरियों पर एआई तकनीक का असर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण-पूर्व एशिया में करीब 8 करोड़ नौकरियां जेनरेटिव एआई के प्रभाव के दायरे में हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार आसियान क्षेत्र में करीब 8 करोड़ लोग ऐसे व्यवसायों में कार्यरत हैं जिनके कामकाज पर एआई का असर पड़ सकता है। हालांकि संगठन का आकलन है कि अभी यह तकनीक बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म करने के बजाय काम का तरीका बदल रही है।

जेनरेटिव एआई एंड लेबर मार्केट्स इन आसियान नामक इस रिपोर्ट में 11 देशों के श्रम बाजार का विश्लेषण है। रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र के कुल रोजगार के 22.9% हिस्से पर जेनरेटिव एआई का असर पड़ सकता है। यह संख्या 8 करोड़ लोगों के बराबर है।

उत्तरी क्षेत्र के मोर्चों पर सेना की तैयारी परखी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने उत्तरी क्षेत्र के अग्रिम इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने यहां तैनात सैन्य इकाइयों की परिचालन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण वातावरण में तैनात वायु योद्धाओं से मुलाकात कर उनकी कार्यकुशलता, पेशेवर दक्षता और समर्पण की सराहना की। उन्होंने अग्रिम क्षेत्रों में संचालित वायुसेना इकाइयों की युद्धक क्षमता, त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था और समग्र परिचालन तैयारियों का आकलन किया। बता दें, उत्तरी क्षेत्र के अग्रिम इलाके में जम्मू कश्मीर और लद्दाख के अत्यंत रणनीतिक और कड़ी सुरक्षा वाले क्षेत्र आते हैं।

पीओके में जेएएसी का 48 घंटे का अल्टीमेटम

पाकिस्तान सरकार 38 मांगों पर दे ध्यान, वरना होगा बड़ा प्रदर्शन

पीओके में जेएएसी के प्रदर्शनकारी

एजेंसी ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) तनाव लगातार बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने पाकिस्तान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

जेएएसी ने पाक सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उसकी 38 मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो उन्हें भारी विरोध प्रदर्शन का सामना करना होगा।

अभी का मुद्दा 27 जुलाई को होने वाले क्षेत्रीय चुनाव हैं। 9 जून से नॉमिनेशन शुरू होने के साथ, जेएएसी ने मुजफ्फराबाद तक एक बड़े विरोध मार्च की घोषणा की है।

विधानसभा सीटों को खत्म करने की मांग

पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में पाकिस्तान में बसे कश्मीरी रिफ्यूजियों के लिए रिजर्व 12 विधानसभा सीटों को खत्म करने की मांग रखी गई है। जेएएसी का तर्क है कि ये सीटें इस्लामाबाद को पीओके की राजनीति पर बहुत ज्यादा असर बनाए रखने की इजाजत देती हैं। पीओके सुप्रीम कोर्ट ने 7 जून को फैसला सुनाया कि 12 रिजर्व सीटें संवैधानिक रूप से सुरक्षित हैं और इन्हें एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए खत्म नहीं किया जा सकता, इसके बजाय संवैधानिक बदलाव की जरूरत है।

पाकिस्तानी की खुफिया एजेंसी आईएसआई की नई साजिश का खुलासा

खालिस्तान आंदोलन को अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने से बौखलाई आईएसआई

ब्रिटेन-कनाडा में भारतीयों पर हमले कर सकते हैं खालिस्तानी समर्थक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय खुफिया एजेंसियों ने ब्रिटेन और कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। खुफिया सूचनाओं के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी समर्थक भारत और पीएम नरेंद्र मोदी के समर्थक माने जाने वाले लोगों पर हमलों की साजिश रच रहे हैं।

हाल के वर्षों में ब्रिटेन और कनाडा में भारतीय समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा घृणा अपराध और हिंसक घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं अब आशंका है कि इन्हें अधिक संगठित तरीके से अंजाम दिया जा सकता है। इन संभावित हमलों को रोकने के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पश्चिमी देशों की सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर काम कर रही हैं।

आंदोलन के प्रति आज जनता में कम रुचि

अधिकारियों के अनुसार, हाल के वर्षों में ब्रिटेन और कनाडा में खालिस्तान आंदोलन के प्रति समर्थन में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पहले स्थानीय आबादी का एक वर्ग इस आंदोलन के प्रति सहानुभूति रखता था, लेकिन अब स्थिति तेजी से बदल रही है।

भारतीय एजेंसियों पर भी हमले की योजना

इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि खालिस्तान आंदोलन को समर्थन देने वाली आईएसआई ने यूरोप में सक्रिय अपने नेटवर्क को ब्रिटेन और कनाडा में भारतीय समुदाय के खिलाफ गतिविधियां तेज करने के निर्देश दिए हैं। आईएसआई भारतीय समुदाय के खिलाफ सिलसिलेवार और समन्वित हमलों की योजना बना रही है। आईएसआई की रणनीति में यह बदलाव खालिस्तान आंदोलन को गति नहीं मिलने से पैदा हुई निराशा का परिणाम है।

गैंगस्टर नेटवर्क का इस्तेमाल

हिंसक वारदातों को अंजाम देने के लिए आईएसआई अपने गैंगस्टर नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए यूरोप और भारत में सक्रिय मॉड्यूल को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत में स्थानीय गैंगस्टरों के जरिए हमलों को अंजाम देने की योजना बनाई गई है। आंदोलन से जुड़े गैंगस्टर नेटवर्क अब अपने घोषित उद्देश्य के बजाए जबरन वसूली, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी में लगे हैं।

पत्रकारों से बोले छठे राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष

राम मंदिर आस्था का आंदोलन था, अहंकार का नहीं : पवैया

जबलपुर। छटवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने यहां कहा कि राम मंदिर आस्था का आंदोलन था, अहंकार का आंदोलन नहीं। उन्होंने कहा कि भगवान अपना काम स्वयं कराते है हम तो निमित्त मात्र होते है। आयोग की बैठक के बाद सर्किट हाउस में श्री पवैया पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए जयभान सिंह पवैया ने राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन उनके जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। जीवन का एक बड़ा हिस्सा उन्होंने इस आंदोलन और राम मंदिर निर्माण के संकल्प को पूरा करने में लगाया।पवैया ने कहा, "किसी को भी इस बात का अहंकार नहीं होना चाहिए कि उसने कोई बड़ा काम किया है। भगवान अपना कार्य स्वयं कराते हैं और हम सब केवल निमित्त मात्र होते हैं।" उन्होंने बताया कि वे बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं और राम जन्मभूमि प्रकरण में लालकृष्ण आडवाणी, कल्याण सिंह एवं डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ 13 दिनों तक जेल में बंद रहे। सीबीआई प्रकरण में सह-आरोपी रहे, जिसमें बाद में सभी बरी हुए। राम मंदिर से जुड़े मामलों पर सोशल मीडिया और यूट्यूब पर चल रही बहसों को लेकर पवैया ने कहा कि आजकल बिना पूरी जानकारी के टीका-टिप्पणी करने का दौर चल पड़ा है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आएगी और दूध का दूध, पानी का पानी होगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि इस मामले में उचित कार्रवाई होगी।

राम मंदिर आंदोलन ने समाज को एक सूत्र में बांधा

श्री पवैया ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन ने समाज में व्याप्त जातिगत विभाजन की दीवारों को कमजोर कर पूरे सनातन समाज को एकजुट करने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल मंदिर निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का भी प्रतीक बना।उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग राम जन्मभूमि आंदोलन की भावना और युवाओं की आस्था को प्रभावित करने के लिए अलग-अलग नैरेटिव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी एक घटना के आधार पर 500 वर्षों के संघर्ष और बलिदानों को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। यदि कोई अपराध हुआ है तो दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, लेकिन बिना तथ्य जाने किसी पर आरोप लगाना भी उचित नहीं है। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोंटिया और जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बीमारी से परेशान युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

लोको पायलट की सतर्कता से बची जिंदगी

जबलपुर। बीमारी से टूट चुके एक युवक ने जिंदगी खत्म करने का प्रयास किया। इस बीच अमरकटंक एक्सप्रेस के लोकोपायलट की सूझबूझ और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान की तत्परता ने उसकी जान बचा ली। यह घटना बुधवार की रात 10 बजे जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 पर सामने आई।जानकारी के अनुसार 8 जुलाई की रात करीब 9:57 बजे अमरकंटक एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर-6 पर प्रवेश कर रही थी। इसी दौरान एक युवक अचानक ट्रैक पर पहुंच गया और ट्रेन के सामने लेट गया। ट्रेन की रफ्तार कम होने के कारण लोको पायलट ने तत्काल आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी।

इसी बीच प्लेटफार्म पर ड्यूटी कर रहे आरपीएफ आरक्षक चन्द्रेश्वर सिंह ने बिना समय गंवाए साहस दिखाया और ट्रैक पर पहुंचकर युवक को खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लाखों रुपये खर्च, फिर भी नहीं मिली बीमारी से राहत बचाए गए युवक को आरपीएफ पोस्ट लाकर पूछताछ की गई। युवक की पहचान आजाद नगर कटरा अधारताल निवासी 30 वर्षीय मुकेश मेश्राम के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान युवक भावुक हो गया और बताया कि वह लंबे समय से टीबी की बीमारी से जूझ रहा है। इलाज में लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने से वह मानसिक रूप से परेशान था और इसी निराशा में उसने आत्मघाती कदम उठाया। आरपीएफ अधिकारियों ने युवक को समझाइश दी और परिजनों से संपर्क कर उसे सुरक्षित सौंप दिया।

एसपी के तबादला आदेश पर अमल नहीं...?

आदेश के 5 महीने बाद भी एसआई ने नहीं छोड़ा थाना

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी तबादला आदेश के बावजूद एक उपनिरीक्षक (एसआई) का पांच महीने बाद भी पुराने थाने में पदस्थ रहना सवालों के घेरे में है। पांच महीने पूर्व एसपी कार्यालय द्वारा जारी किए गए तबादला आदेश में एसआई अभिषेक कैथवास का तिलवारा थाने से स्थानांतरण कर संजीवनी नगर थाना किया गया था, लेकिन आदेश जारी होने के पांच महीने बाद भी वे तिलवारा थाने में ही कार्यरत बताए जा रहे हैं। तबादला आदेश के अनुसार अभिषेक कैथवास को तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना था। हालांकि अब तक उनके संजीवनी नगर थाने में आमद दर्ज कराने की जानकारी सामने नहीं आई है। इसे लेकर पुलिस महकमे में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। विभागीय जानकारों का कहना है कि स्थानांतरण आदेश का समय पर पालन कर नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी ने अब तक नई जगह जॉइन नहीं किया है, तो इसके पीछे क्या कारण हैं, यह जिला पुलिस प्रशासन ही स्पष्ट कर सकता है।मामले को लेकर पुलिस विभाग के भीतर यह चर्चा भी है कि आखिर ऐसा कौन-सा कारण है, जिसके चलते पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आदेश का अब तक पालन नहीं हो सका। यदि किसी प्रशासनिक कारण से अधिकारी को पुराने स्थान पर बनाए रखा गया है, तो उससे संबंधित संशोधित आदेश भी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

मदन महल अंडरब्रिज के नीचे इलेक्ट्रिक कार में भड़की आग

जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन के समीप स्थित अंडरब्रिज में गुरुवार को एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय कार में सवार सभी लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के चलते कुछ समय तक अंडरब्रिज में यातायात भी प्रभावित रहा। आग लगने के दौरान कई तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी, जिससे वहां से गुजर रहे वाहन चालक दहशत में आ गए और उन्होंने अपने वाहन सुरक्षित दूरी पर रोक दिए। आग इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट या अन्य किसी वजह से हादसा हुआ, इसका खुलासा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

3 घंटे चली बहस के बाद फाड़ी गई कॉपी, कुलगुरु-कुलसचिव के मतभेद भी आए सामने

रादुविवि की आपात ईसी बैठक में गोपनीय एजेंडे पर मचा बवाल

जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) की आपात कार्य परिषद (ईसी) बैठक बुधवार को गोपनीय एजेंडे को लेकर विवादों में घिर गई। करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक में दो अहम प्रस्तावों पर सहमति नहीं बन सकी। सूत्रों के अनुसार स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि बैठक के अंत में एजेंडे की प्रतियां वापस लेकर कथित तौर पर फाड़ दी गईं। इस घटनाक्रम के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन में कुलगुरु और कुलसचिव के बीच मतभेद खुलकर सामने आने की चर्चा तेज हो गई है। बताया गया कि एकात्म भवन में दोपहर तीन बजे कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अधिकांश कार्य परिषद सदस्य मौजूद रहे, जबकि सदस्य छाया श्रीवास्तव ऑनलाइन शामिल हुईं और चंद्रशेखर पटेल सहित कुछ सदस्य अनुपस्थित रहे। परंपरा के विपरीत इस बार एजेंडे की जानकारी पहले से सदस्यों या कुलसचिव को नहीं थी। बैठक शुरू होने पर कुलगुरु ने स्वयं एजेंडे की प्रतियां सदस्यों के बीच वितरित कीं, जिससे सभी सदस्य आश्चर्यचकित रह गए।

नियमितीकरण के प्रस्ताव पर उठे सवाल

सूत्रों के मुताबिक एजेंडे का पहला विषय हाल ही में नियमित किए गए 13 कर्मचारियों से जुड़ा था। कुलगुरु की ओर से इस मामले में नई समिति गठित करने अथवा कुलसचिव द्वारा जारी आदेश में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया। हालांकि अधिकांश सदस्यों ने इसे प्रशासनिक विषय बताते हुए कहा कि इस संबंध में निर्णय कुलगुरु और कुलसचिव आपसी सहमति से ले सकते हैं। कुलसचिव ने भी स्पष्ट किया कि नियमितीकरण संबंधी आदेश 30 मार्च को हुई कार्य परिषद बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप ही जारी किया गया था।

टेंडर मामले में भी नहीं बनी बात.

बैठक में परीक्षा परिणाम और अंकसूची तैयार करने के कार्य से जुड़े टेंडर का मामला भी चर्चा में आया। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में जारी निविदा प्रक्रिया में दिल्ली की एक कंपनी सबसे कम दर पर सफल घोषित हुई थी, लेकिन उसे अब तक कार्यादेश जारी नहीं किया गया। बैठक में पुराने सेवा प्रदाता से ही फिलहाल कार्य कराने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि नई और पुरानी फर्म की दरों में बड़ा अंतर है। ऐसे में पुरानी फर्म को काम दिए जाने पर ऑडिट आपत्तियों के साथ-साथ कार्य परिषद की भूमिका पर भी सवाल उठ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों प्रस्तावों पर सहमति नहीं बनने के बाद बैठक का माहौल तनावपूर्ण हो गया और अंततः एजेंडे की प्रतियां वापस लेकर कथित तौर पर नष्ट कर दी गईं।

राजेश मिश्रा बने भाजपा संभागीय कार्यालय मंत्री

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किये है जिनमे राजेश मिश्रा को जबलपुर संभाग का संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। राजेश मिश्रा इसके पूर्व जिला कार्यालय मंत्री रहे है। राजेश मिश्रा की नियुक्ति पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, जिप अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी पराँजपे, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, निशक्त जन प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी के साथ जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनायें प्रेषित की है।

पालतू कुत्ते के काटने पर मालिक को सजा

6 साल पुराने मामले में फैसला

जबलपुर। पालतू जानवर रखने वाले लोगों के लिए जिला न्यायालय का एक महत्वपूर्ण फैसला सामने आया है। करीब छह वर्ष पुराने मामले में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी कोर्ट) ने पालतू कुत्ते के हमले में लापरवाही बरतने के आरोप में उसके मालिक को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। अदालत ने कौशल्या अपार्टमेंट निवासी 60 वर्षीय गेविन डिसूजा को भारतीय न्याय संहिता की समकक्ष प्रावधानों के पूर्व लागू आईपीसी की धारा 289 के तहत दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक के कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। हालांकि गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी से जुड़े आरोपों में उन्हें बरी कर दिया गया।

अभियोजन के अनुसार 20 अक्टूबर 2020 को सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले सलीम रहमान अपनी मोटरसाइकिल का पंचर बनवाने जा रहे थे। उनके पीछे-पीछे चल रहे आठ वर्षीय बेटे आतुर रहमान रहीम पर आरोपी के पालतू कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया और कमर के निचले हिस्से में काट लिया। बच्चे के घायल होने पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पीड़ित पिता का आरोप था कि इलाज कराने की बात कहने पर आरोपी ने जिम्मेदारी लेने के बजाय अभद्र व्यवहार किया और धमकी दी। इसके बाद सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया गया था।

अदालत ने मालिक की जिम्मेदारी तय की

मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि पालतू जानवर को नियंत्रित रखने में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण यह घटना हुई। न्यायालय के फैसले को पालतू पशु मालिकों की जिम्मेदारी तय करने वाला अहम निर्णय माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि किसी की लापरवाही से पालतू जानवर किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है, तो उसके लिए मालिक को जवाबदेह ठहराया जा सकता है।

मथुरा-वृंदावन जायेगी ट्रेन

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

जबलपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जबलपुर से मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से 11 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। जबलपुर से मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा के लिए 25 जुलाई को स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। जबलपुर के तीर्थ यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेन में 196 सीटे आरक्षित की गई है। कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा के अनुसार तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को आवेदन दो प्रतियो में देने होंगे। मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को अपने आवेदन तहसील स्तर पर तहसीलदार रांझी, गोरखपुर, अधारताल, सिहोरा, पाटन, मंझौली, कुंडम, पनागर, शहपुरा, जबलपुर तथा संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी या संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कार्यालय में जमा करना होंगे। आवेदन पत्र के साथ मूल निवासी के प्रमाण हेतु राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, विद्युत देयक, मतदाता पहचान पत्र एवं शस्त्र लायसेंस में से कोई एक अथवा ऐसा प्रमाण संलग्न करना होगा जो शासन द्वारा स्वीकार्य हो। इसके साथ ही आधार कार्ड की छायाप्रति एवं नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज के फोटो भी आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। इस योजना के अंतर्गत ऐसे व्यक्ति जो पिछले पांच वर्षों में यात्रा कर चुके हैं वे अपात्र होंगे। आवेदक को आयकर दाता न होना एवं विगत पांच वर्षों के अंदर यात्रा न किए जाने संबंधी घोषणा पत्र भी आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।

सड़क दुर्घटनाओं, फरार आरोपियों और लंबित शिकायतों पर कप्तान संपत उपाध्याय की खरी-खरी, बोले टीआई-सीएसपी खुद मैदान में उतरें, केवल जवाबों से काम नहीं चलेगा

अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस कप्तान के तेवर सख्त

जानकारी नहीं तो काहे के टीआई?

जबलपुर। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में लापरवाही और प्रकरणों की जानकारी के अभाव पर थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों को कड़े शब्दों में फटकार लगाई। सड़क दुर्घटनाओं, फरार आरोपियों, लंबित शिकायतों और गंभीर अपराधों की समीक्षा के दौरान कप्तान उपाध्याय का सख्त संदेश साफ रहा थाने की कमान संभालने वाले अधिकारी को हर महत्वपूर्ण प्रकरण की अद्यतन जानकारी रखनी होगी और गंभीर मामलों में स्वयं नेतृत्व कर कार्रवाई करनी होगी।

बरगी-संजीवनी नगर ने झांकी बंगले

समीक्षा के दौरान बरगी और संजीवनी नगर थाना प्रभारियों से उनके क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी मांगी गई, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कप्तान उपाध्याय ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा जब मालूम नहीं तो काहे को बने टीआई? कप्तान उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल आंकड़ों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि हर घटना की विवेचना, दोषियों पर कार्रवाई, पीड़ितों की मदद और दुर्घटना रोकने के उपायों की पूरी जानकारी थाना प्रभारी के पास होनी चाहिए।

ऐसे नही होता सुपर विजन सीएसपी साहब

गोरखपुर सीएसपी महादेव नागोतिया को भी कप्तान उपध्याय ने प्रभावी सुपरविजन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा काम करो, जानकारी रखो। सुपरविजन ऐसे होता है। प्रकरण की जानकारी नहीं है और उसके बाद भी हां में हां मिला रहे हो, ऐसा नहीं चलेगा।

खुद चले जाओ, दिक्कत क्या है

गोसलपुर थाना क्षेत्र के एक प्रकरण में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में टीआई द्वारा टीम गठित करने का जवाब दिए जाने पर एसपी बिफर पड़े। उन्होंने कहा खुद क्यों नहीं जाते? खुद चले जाओ। तुम्हारे रहने या न रहने का मतलब क्या है? कप्तान उपाध्याय ने साफ किया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी जैसे गंभीर मामलों में थाना प्रभारी केवल अधीनस्थों को निर्देश देकर अपनी जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकते।

पाटन ने साध ली चुप्पी

पाटन टीआई को भी फरार आरोपी की गिरफ्तारी में देरी के लिए जमकर फटकार लगाई गई। कप्तान उपाध्याय ने निर्देश दिए थाना स्तर पर सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों, जनसुनवाई और आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

गंभीर से लेकर दस्तयाबी सुनिश्चित सब पर फोकस

बैठक में थानावार लंबित हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी, नकबजनी, एससी-एसटी एक्ट, महिला संबंधी अपराध एवं संपत्ति संबंधी अपराधों की विस्तृत समीक्षा की गई। कप्तान उपाध्याय ने अपहृत नाबालिग बालक-बालिकाओं की हरसंभव प्रयास कर दस्तयाबी सुनिश्चित करने और जिले के बाहर होने की जानकारी मिलने पर तत्काल टीम रवाना करने के निर्देश दिए।

महिला संबंधी अपराधों में बरतें गंभीरता

महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता बरतते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी, विवेचना पूर्ण कर चालान पेश करने के निर्देश दिए गए। गंभीर अपराध, साइबर फ्रॉड और धोखाधड़ी के मामलों में जिले से बाहर छिपे फरार आरोपी एवं वारंटियों की पतासाजी कर विशेष टीमें गठित करने को कहा गया।

तकनीक का उपयोग विवेचना की गुणवत्ता

बैठक में सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य, ई-विवेचना, ई-एफआईआर, ई-चालान और ई-समंस की भी समीक्षा हुई। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त टैब विवेचकों को वितरित कर डिजिटल विवेचना, डायरी लेखन, नक्शा मौका, फोटो, वीडियो और दस्तावेज अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया गया। कप्तान उपाध्याय ने कहा कि तकनीक का उपयोग विवेचना की गुणवत्ता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रभावी ढंग से किया जाए।

यह रहे उपस्थित

बैठक में एएसपी सिटी आयुष जाखड़, एएसपी ग्रामीण अनु बेनिवाल, एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह, एएसपी जोन-2 पल्लवी शुक्ला, एएसपी जोन-4 अंजना तिवारी, एएसपी मुख्यालय सूर्यकांत शर्मा, एएसपी यातायात अखिलेश तिवारी सहित सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

सड़क निर्माण का टेण्डर होने के चार माह बाद भी नहीं प्रारंभ हुआ कार्य

कांग्रेस पार्टी आज मण्डी रोड में धरना देकर करेगी चक्काजाम

सिहोरा। खितौला बाजार से कृषि उपज मण्डी होते हुए एन एच 30 को जोड़ने वाले अतयन्त उपयोगी मार्ग निर्माण की टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होने के चार माह गुजर जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ न होने से आहत वार्ड पार्षद राजेश चौबे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के द्वारा आज दोपहर 12 बजे मण्डी गेट के समीप धरना प्रदर्शन एंव चक्का जाम करेगी।

तीन साल से अधर में लटकी योजनाएं

विदित हो गत पंचवर्षीय में सरकार से मिली अनेकों विकास की सौगात के बावजूद नगर की सूरत बदलने का नाम नहीं ले रही है। नए विकास एवं निर्माण कराना तो दूर नगरीय विकास विभाग एवं शासन द्वारा पहले से स्वीकृत अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट तीन साल से अधर में लटके है। नगर पालिका के रहमो-करम पर पल रहे ठेकेदारों की कार्यप्रणाली के चलते विकास की अनेक सौगात मिलने के बाद भी नगरवासियों को विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। लोगों की शिकायत है कि तीन इंजन होने के बाद भी नगर पालिका के जिम्मेदार गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। जिससे नगरवासियों को गांव से भी बदतर हालात से दो चार होना पड़ रहा है।

क्या है मामला

उप नगर खितौला के मुख्य बाजार से मण्डी होते हुए एन एच 30 को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग में गन्दे पानी की निकासी ना होने के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है जगह जगह गड्ढों में गंदा पानी भरा रहता है गंदगी एंव गड्ढों में तब्दील मार्ग के कारण स्थानीय लोग नरकीय जीवन जीने मजबूर हैं।स्थानीय लोगों की मांग एंव आंदोलन के बाद उक्त मार्ग के निर्माण की सौगात तो मिली लेकिन टेण्डर के चार माह से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरु नहीं हो सका।

बरसात में सड़क बन जाती है नाला

नगरपालिका प्रशासन नगर के विकास और जन समस्याओं के निराकरण प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। न तो परिषद की बैठकों में पारित किए गए निर्णयो पर अमल न हो रहा है और न ही पहले से मंजूर काम गति पकड़ रहे हैं।गन्दे एंव बरसाती पानी की निकासी न होने के कारण पूरी सड़क नाला का रुप अख्तियार कर लेती है जिसके कारण नगर के एक मात्र सी बी एस ई स्कूल में अध्यनरत छात्र छात्राओं को पैदल चलने के अलावा कृषि उपज मण्डी जाने वाले वाहनों तथा रेल्वे स्टेशन से एन एच 30 तक जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सांसद साहू की पैदल यात्रा का हुआ स्वागत

सिहोरा

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से सांसद बंटी विवेक साहू की छिंदवाड़ा से मैहर पदयात्रा का सिहोरा के पहरेवा में जनपद सदस्य नीरज पांडे के नेतृत्व में अनेक लोगों ने गमछा पहनाकर सभी पैदल चलकर जा रहे भक्तों का भव्य स्वागत किया आस्था,सेवा और जनकल्याण के संकल्प से प्रेरित इस पावन पदयात्रा का अनेक स्थानों पर भी स्वागत किया गया।इस अवसर पर जनपद पंचायत सिहोरा अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,शिशिर पांडे,रमेश तिवारी,नीलू वाजपेयी,कृष्ण गोपाल पाठक,सुंदर गुप्ता, अमन तिवारी,दीपक तिवारी,अभिषेक पांडेय, हर्ष,भोला,अंशुल अमन सेन आदि उपस्थित रहे।

भेड़ाघाट में 300 मीटर के अंदर निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा

भेड़ाघाट। पंचवटी रेस्ट हाउस क्रमांक एक में भवन निर्माण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आदेशों की अवहेलना की जा रही हैं। रेस्ट हाउस भवन निर्माण 300 मीटर की परिधि में निर्माण को लेकर नियमों को ताक पर रख कर निर्माण कार्य किया जा रहा है नगर परिषद भेड़ाघाट सी,एम,ओ,को मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस पूर्व जिला ग्रामीण अध्यक्ष इंजीनियर चमन राय द्वारा ज्ञापन सौंपा गया और नर्मदा नदी तट से 300 मीटर की परिधि में उच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 10561/2019 मैं पारित आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि शासकीय विभागों द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाता है और आम नागरिकों को नियमों का हवाला देकर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की जाती है और आम जनता को नियमों का पाठ पढ़ाया जाता हैं और खुद लोक निर्माण विभाग द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही हैं ज्ञापन सौंपतेसमय भेड़ाघाट के युवा नेता भी मौजूद रहे।

'सेफ-क्लिक' साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को मिले सुरक्षित डिजिटल जीवन के सूत्र

सिहोरा

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं को देखते हुए शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशंस विभाग द्वारा 'सेफ-क्लिक : साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन अजय सिंह बघेल ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सिहोरा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक सतीश मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने वर्तमान समय में तेजी से बदलते साइबर अपराधों के स्वरूप तथा उनसे बचाव के प्रभावी उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज साइबर अपराध अनेक रूपों में सामने आ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक इंटरनेट उपयोगकर्ता के लिए सतर्क एवं जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य एम के श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से ऑनलाइन आकर्षक प्रचार-प्रसार, फर्जी कॉल, भ्रामक संदेश तथा संदिग्ध ऑनलाइन खरीदारी वेबसाइटों से सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट का उपयोग सदैव विवेकपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी, फोटो और वीडियो अनावश्यक रूप से साझा करने से बचना चाहिए तथा मास्क्ड आधार का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आयोजन समिति ने मुख्य वक्ता,उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कर्मचारियों को 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था को अवैध ठहराई

प्रोबेशन में वेतन कटौती पर हाई कोर्ट की रोक 100 प्रतिशत सैलरी व एरियर देने के निर्देश

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने प्रोबेशन अवधि में कर्मचारियों को 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था को अवैध ठहराया। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित चयन प्रक्रिया से नियुक्त प्रोबेशनर भी पद के न्यूनतम वेतनमान के अनुसार 100 प्रतिशत वेतन पाने का हकदार है।जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने याचिका स्वीकार करते हुए पांच अक्टूबर, 2023 के नियुक्ति आदेश की शर्त क्रमांक-तीन निरस्त कर दी।

याचिकाकर्ता दमोह निवासी अपेक्षा पाठक की ओर से अधिवक्ता वैभव प्रवीण पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि विवादित शर्त सामान्य प्रशासन विभाग के 12 दिसंबर, 2019 के परिपत्र पर आधारित है, जिसे इंदौर खंडपीठ दिल्लीराज भीलाला और विनीता तिवारी प्रकरणों में पहले ही विधि विरुद्ध ठहरा चुकी है। उन्होंने दलील दी कि समान कार्य करने वाले प्रोबेशनरों को कम वेतन देना संविधान के समान कार्य के लिए समान वेतन' सिद्धांत का उल्लंघन है।

राज्य शासन ने परिपत्र के आधार पर आदेश का बचाव किया, लेकिन अदालत ने कहा कि इस मुद्दे का विधिक निस्तारण पहले ही हो चुका है और प्रोबेशनरों को कम वेतन देने का कोई तार्किक औचित्य नहीं है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को प्रोबेशन अवधि का 100 प्रतिशत वेतन, समस्त परिणामी लाभ व एरियर की गणना कर प्रमाणित प्रति प्रस्तुत होने के 90 दिनों के भीतर भुगतान करने के

रोटरी चिकित्सा शिविर बारहा हिनोतिया में 11 जुलाई को

बरेला। पीड़ित मानवता की सेवा का संकल्प लेकर रोटरी क्लब जबलपुर द्वारा 11जुलाई दिन शनिवार को सुबह 10बजे से ज्ञानदीप नर्सिंग कॉलेज हिनोतिया बारहा में विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया है। संयोजक अनिल मिश्रा ने बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा जी होंगे।

शिविर में डाक्टर छत्रसाल सिंघई, डाक्टर राजेश धीरावानी, डाक्टर राहुल शुक्ला, ज्ञानदीप डाक्टर टीम सहित जबलपुर के जाने-माने डाक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उपरोक्त आयोजन को सफल बनाने आज दिनांक 9जुलाई को वरिष्ठ कांग्रेस नेता सम्मति सैनी, वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द तिवारी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामजी रैकवार, कोषाध्यक्ष नरेश पटेल, जिला सचिव विजय जैन, जनसेवक विपिन झारिया, मंडलम अध्यक्ष शेख सलीम,हाजी जहीर खान, कपिल पटेल, दिनेश सोनी,अभिषेक गौर, सुनील सोनकर, मनीष परस्ते, प्रकाश पाठक, कृष्ण कुमार पटेल माधव, शर्मा, भगवान दास वंशकार,मदन, राजेश वंशकार ने बरेला, हिनोतिया भोई में जन सम्पर्क कर शिविर की जानकारी दी और पंजीयन कराया। शिविर मैं आने जाने हेतु निशुल्क बस सेवा उपलब्ध है ।

चेक केवल कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि वित्तीय विश्वास का दस्तावेज

अदालत का चेक बाउंस मामले में सख्त संदेश, 80 हजार की राशि पर 1.44 लाख चुकाने का निर्देश

जबलपुर। उधार ली गई रकम लौटाने के लिए दिया गया चेक बाउंस करना आखिरकार महंगा पड़ गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वंदना सोनी की अदालत ने परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत आरोपी अर्पण सिंह को दोषी ठहराते हुए तीन माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़ित जबलपुर निवासी नीरज मिश्रा को मूल राशि 80 हजार रुपये, लगभग नौ वर्षों का नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज जोड़कर कुल एक लाख, 44 हजार 200 रुपये व दो हजार रुपये वाद व्यय अदा करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि चेक केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि वित्तीय विश्वास का दस्तावेज है। आरोपित ने विवाह खर्च के लिए उधार ली गई राशि के भुगतान हेतु 80 हजार रुपये का चेक जारी किया था, जो बैंक से अपर्याप्त राशि और हस्ताक्षर भिन्न होने के कारण अनादृत हो गया। कानूनी नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। अदालत ने माना कि आरोपित अपने बचाव में कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका, जबकि शिकायतकर्ता ने सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया। निर्णय में यह भी रेखांकित किया गया कि हस्ताक्षर अलग होने के आधार पर चेक लौटना भी धारा 138 के दायरे से बाहर नहीं है। यह फैसला उपभोक्ताओं और आम लेनदारों के हित में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि चेक जारी कर भुगतान से बच

एसीएस मनीष रस्तोगी सहित तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट

आदेश की अनदेखी पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। आदेशों की लगातार अनदेखी और सुनवाई से नदारद रहने वाले आला अफसरों पर मप्र हाईकोर्ट ने शिकंजा कसा है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने अदालत की अवमानना को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (एसीएस) मनीष रस्तोगी, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव एम. सेलवेन्द्रम और कृषि विभाग के संचालक अजय गुप्ता के खिलाफ 25-25 हजार रुपये के जमानती वारंट जारी करने के आदेश दिए हैं। ये वारंट संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक के माध्यम से तामील कराए जाएंगे। मामला कृषि विभाग जबलपुर के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर देवदत्त विश्वकर्मा की सेवानिवृत्ति से जुड़ा है। 30 जून 2023 को रिटायर होने के बाद विभाग ने उनसे 2 लाख 10 हजार रुपये की वसूली कर ली थी। इसके खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने 8 मई 2024 को आदेश दिया था कि वसूली गई पूरी राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित वापस की जाए। स्पष्ट आदेश के बावजूद जब राशि नहीं लौटाई गई, तो पीड़ित को अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। सुनवाई के दौरान न केवल बड़े अफसर बल्कि कृषि विस्तार अधिकारी एस.के. निगम और संभागीय पेंशन अधिकारी नमिता भी नदारद थीं। इस पर नाराज बेंच ने सरकारी वकील को निर्देश देकर दोनों अधिकारियों को तत्काल फोन करवाकर कोर्ट बुलवाया और देरी से आने पर स्पष्टीकरण मांगा। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी में कहा कि अदालत के आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती।कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि सभी संबंधित अधिकारी अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होंगे और आदेश के पूर्ण अनुपालन की रिपोर्ट पेश करेंगे।

स्थानांतरण आदेश पर हाई कोर्ट की अंतरिम राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्थानांतरण आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए वन विभाग कर्मी को अंतरिम राहत प्रदान की है।जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने सक्षम प्राधिकारी को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता के लंबित अभ्यावेदन का कानून के अनुसार कारणयुक्त आदेश पारित कर 30 दिनों के भीतर निराकरण किया जाए। याचिकाकर्ता शहडोल निवासी मयंक अग्निहोत्री की ओर से अधिवक्ता सुशील कुमार तिवारी व शांतनु तिवारी ने पक्ष रखते हुए कहा कि 15 जून, 2026 के स्थानांतरण आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत अभ्यावेदन अब तक लंबित है। इसलिए उसके निराकरण तक राहत दी जाए। वहीं, राज्य शासन की ओर से उप महाधिवक्ता श्वेता यादव ने इस प्रार्थना पर कोई आपत्ति नहीं जताई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि सक्षम प्राधिकारी अभ्यावेदन पर विधि के अनुरूप निर्णय लेकर उसकी सूचना याचिकाकर्ता को दे। साथ ही स्पष्ट किया कि 15 जून, 2026 के स्थानांतरण आदेश का प्रभाव और संचालन 30 दिन अथवा अभ्यावेदन के निराकरण तक, जो पहले हो, स्थगित रहेगा।

श्रीमती शकुन विश्वकर्मा- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री करन लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन विश्वकर्मा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला सिंह ठाकुर- गोरा बाजार केंट निवासी श्री प्रयाग सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती विमला सिंह ठाकुर (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील यादव- श्याम कुंज ओमती निवासी श्री सुनील यादव (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कृष्णा अय्यर- जानकी नगर उखरी रोड निवासी श्री कृष्णा अय्यर की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा अय्यर (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री डोरी लाल मार्वे- प्रेमसागर हरिजन क्वाटर्स निवासी श्री डोरी लाल मार्वे (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राम सिंह कौशिक- पंजाब बैंक कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री राम सिंह कौशिक (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक सोनकर- खटीक मोहल्ला घमापुर निवासी श्री दीपक सोनकर (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री वीरचंद लोधी- रानीपुर गोरैया प्लाट आमनपुर मदनमहल निवासी श्री वीरचंद लोधी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता- ब्यौहारबाग घोड़ा अस्पताल के पास निवासी श्री ईश्वर डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पद्मा पिल्लई- मोहनी होम्स नर्मदा नगर बिलहरी निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद पिल्लई की धर्मपत्नी श्रीमती पद्मा पिल्लई (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्याम बाई चक्रवर्ती- भानतलैया विद्यापीठ स्कूल के पास निवासी श्री सेवक चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती श्याम बाई चक्रवर्ती (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री विमल चंद्र कोचर- गली नं. 6, सदर सेठ मोहल्ला निवासी श्री विमल चंद्र कोचर (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में हुआ 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान कार्यक्रम

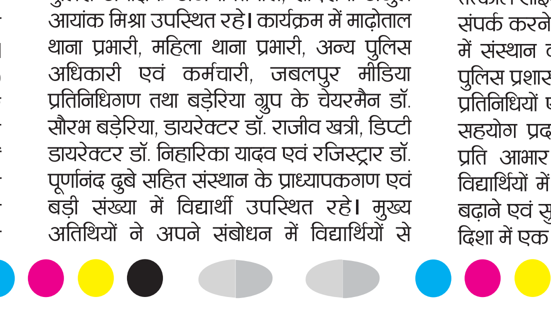

जबलपुर। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जबलपुर में जबलपुर पुलिस प्रशासन द्वारा संचालित 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों एवं साइबर सेल के विशेषज्ञ श्री नीरज नेगी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूप, ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के उपाय, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल भुगतान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा साइबर अपराध होने पर अपनाई जाने वाली कानूनी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस जागरूकता अभियान में लगभग 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की तथा विशेषज्ञों से अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी, सीएसपी अंजुल आयांक मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माढ़ोताल थाना प्रभारी, महिला थाना प्रभारी, अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, जबलपुर मीडिया प्रतिनिधिगण तथा बड़ेरिया ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सौरभ बड़ेरिया, डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निहारिका यादव एवं रजिस्ट्रार डॉ. पूर्णानंद दुबे सहित संस्थान के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर जागरूकता प्रत्येक नागरिक की आवश्यकता है तथा सतर्कता और सही जानकारी ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। साथ ही विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन एवं पुलिस प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों, पुलिस प्रशासन, साइबर सेल के विशेषज्ञों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं अभियान के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह अभियान विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं सुरक्षित डिजिटल भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

खबर संक्षेप

टीसीएस का शुद्ध लाभ बढ़कर 13,349 करोड़

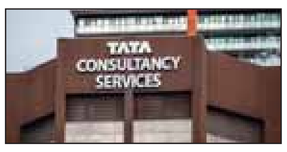

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 4.61 प्रतिशत बढ़कर 13,349 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी।

भारत को ग्रिड-स्तर की बैटरी क्षमता बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। देश में बिजली की चुनौती अब उत्पादन नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धता और लचीलेपन से जुड़ी हुई है, लिहाजा ग्रिड-स्तर की बैटरी क्षमता बढ़ाना जरूरी है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने यह बात कही है। बिजली क्षेत्र की चुनौती का सबसे सीधा समाधान अतिरिक्त बिजली का भंडारण करना और जरूरत के समय उसे उपलब्ध कराना है।

नाटको फार्मा को द. अफ्रीका में निवेश की मंजूरी मिली

NATCO

नई दिल्ली। दवा कंपनी नाटको फार्मा नए बाजारों में विस्तार के उद्देश्य से दक्षिण अफ्रीका में करीब 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। अनुषंगी कंपनी में 1,400 करोड़ रुपये का निवेश भी शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की होल्डिंग्स प्रॉप्राइटरी लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी 35.75 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करेगी।

रुपया सात पैसे मजबूत होकर 95.41 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को सात

पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.41 (अस्थायी) पर रहा। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने का रुख बना रहा पश्चिम एशिया में फिर से तनाव उत्पन्न होने के बाद पैदा हुई अस्थिरता के बावजूद शेयर बाजार में रहा सुधार।

बायर एजी ने बायर क्रॉपसाइंस में 11.9% खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। जर्मनी की बहुराष्ट्रीय कंपनी बायर एजी ने थोक सौदे के जरिये बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड की 11.91 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,207 करोड़ रुपये में खरीद ली है। इस सौदे के बाद बृहस्पतिवार को बायर क्रॉपसाइंस का शेयर करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,128 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

टायर में हवा कम होने से हर साल 4500 करोड़ के ईंधन का नुकसान

वाहन टायर विनिर्माता संघ के अध्ययन में सामने आई बात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में वाहनों के टायर में कम हवा होने के कारण हर साल 4,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 42 करोड़ लीटर से ज्यादा पेट्रोल का नुकसान हो रहा है। उद्योग संगठन एटीएमए के एक अध्ययन में यह बात सामने आई।

- हर साल 42 करोड़ लीटर से ज्यादा पेट्रोल का नुकसान हो रहा

वाहन टायर विनिर्माता संघ (एटीएमए) की तकनीकी इकाई इंडियन टायर टेक्निकल एडवाइजरी कमेटी (आईटीटीएसी) के अध्ययन में सामने आया कि भारतीय सड़कों पर बड़ी संख्या में ऐसे वाहन हैं जिनके टायर में हवा यात्री वाहन विनिर्माता द्वारा अनुशंसित स्तर से कम होती है। इससे ईंधन की भारी बर्बादी, वाहन रखरखाव लागत में वृद्धि और सड़क सुरक्षा जोखिम बढ़ रहे हैं।

32 प्रतिशत टायर में स्तर से 20 फीसदी कम हवा

एटीएमए ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देशभर में 1.3 लाख से अधिक यात्री वाहनों (जिनमें दोपहिया वाहन भी शामिल हैं) के टायर की जांच की गई। इनमें से लगभग एक लाख टायर जांच केवल पिछले वर्ष के दौरान की गई। इसमें कहा गया, '' निष्कर्षों से पता चला कि 32 प्रतिशत टायर में हवा अनुशंसित स्तर से 20 प्रतिशत से अधिक कम थी। वहीं 21 प्रतिशत टायर में हवा अनुशंसित स्तर से 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत कम पाई गई।'

टायर में कम हवा से सुरक्षा को भी खतरा : एटीएमए सेफ्टी अवेयरनेस ग्रुप के चेयरमैन सुदर्शन एस. गुसैन ने कहा कि आर्थिक नुकसान के अलावा टायर में कम हवा से सुरक्षा को भी गंभीर खतरा है। गुसैन ने कहा कि टायर में कम हवा से वे असमान रूप से घिसते हैं, जिससे वे ज्यादा समय तक नहीं चलते और और बदलने की भी लागत बढ़ जाती है।

वार्षिक पेट्रोल खपत 56.77 अरब लीटर आंकी गई : एटीएमए ने कहा, '' भारत में वार्षिक पेट्रोल खपत लगभग 56.77 अरब लीटर आंकी गई है और इसका लगभग पूरा उपयोग यात्री वाहनों (जिनमें दोपहिया वाहन भी शामिल हैं) द्वारा किया जाता है।

एक पीएसआई की कमी से ईंधन दक्षता 0.2 फीसदी घट जाती है

अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों का हवाला देते हुए एटीएमए ने कहा कि टायर में हर एक पीएसआई (पाउंड प्रति वर्ग इंच) की कमी से ईंधन दक्षता लगभग 0.2 प्रतिशत घट जाती है। सर्वेक्षण के दौरान जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर एटीएमए का अनुमान है कि टायर में हवा कम होने कारण भारत के कुल वाहन ईंधन उपभोग के बराबर 0.75 प्रतिशत ईंधन क्षमता का नुकसान हो रहा है।

पश्चिम मध्य रेल

रूचि की अभिव्यक्ति

मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर

अनुपयोगी/अप्रयुक्त रेलवे डिब्बों के नवीन व्यावसायिक उपयोग के लिए आमंत्रण

संख्या: JBP/C/NFR/E-Tender/26 दिनांक: 07.07.2026

रेल प्रशासन द्वारा "नये एवं अभिनव व्यावसायिक विचारों" हेतु इच्छुक व्यक्तियों, फर्मो एवं निजी संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है। इसके अंतर्गत रेलवे की अनुपयोगी एवं अप्रयुक्त रेल कोचो का आधुनिक एवं व्यावसायिक उपयोग विकसित करने हेतु इच्छुक पक्ष अपने सुझाव, अवधारणाएं एवं परियोजनाएं रेलवे प्रशासन के साथ साझा कर सकते है, जिससे रेलवे प्रशासन एवं व्यापारिक संस्थाओं दोनो को परस्पर लाभ प्राप्त हो सके तथा आय के नये स्रोत विकसित किये जा सकें। 1. **कार्य का दायरा:** जबलपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं परिसरों में अनुपयोगी रेल कोच उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों हेतु किया जा सकता है-• रेल कोच रेस्टोरेंट (Rail Coach Restaurant) की स्थापना- अनुपयोगी रेल कोचों को आधुनिक थीम आधारित रेस्टोरेंट के रूप में विकसित कर यात्रियों एवं आमजन को आकर्षक भोजन एवं बैठने की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे स्टेशन परिसर की सौंदर्यता एवं यात्री सुविधाओं में वृद्धि होगी। • डॉर्मिटरी / रिटायरिंग रूम की सुविधा-रेल कोचों को आधुनिक डॉर्मिटरी, रिटायरिंग रूम अथवा बजट आवास सुविधा के रूप में विकसित कर यात्रियों को सस्ती एवं सुविधाजनक ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। • मिनी थिएटर / मनोरंजन केंद्र-अनुपयोगी कोचों का उपयोग मिनी थिएटर, डिजिटल मनोरंजन केंद्र, बच्चों के गतिविधि केंद्र अथवा सांस्कृतिक गतिविधियों हेतु किया जा सकता है, जिससे स्टेशन परिसर में आधुनिक सुविधाओं का विकास हो सके। • बहुउद्देशीय व्यावसायिक उपयोग-रेल कोचों का उपयोग पुस्तकालय, कैफे, प्रदर्शनी केंद्र, कौशल विकास केंद्र, बैठक कक्ष, पर्यटन सूचना केंद्र अथवा अन्य अभिनव व्यावसायिक गतिविधियों हेतु भी किया जा सकता है। 2. **रूचि की अभिव्यक्ति का उद्देश्य:** सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के तहत विकास- सार्वजनिक-निजी भागीदारी का उद्देश्य रेलवे परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग करते हुए आधुनिक सुविधाओं का विकास करना एवं दीर्घकालिक राजस्व सृजन सुनिश्चित करना है। इच्छुक प्रस्तावक रेलवे के साथ मिलकर अभिनव एवं व्यवहारिक परियोजनाओं को साकार कर सकते हैं। 3. **रूचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय:** इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ संस्थाए अपने प्रस्ताव, सुझाव एवं अवधारणाएँ जबलपुर मंडल के साथ साझा कर सकते हैं। प्रस्तावों का मूल्यांकन उनकी व्यवहारिकता, राजस्व क्षमता, यात्री सुविधा एवं नवाचार के आधार पर किया जाएगा। प्रस्तावों का मूल्यांकन निम्नलिखित आधारों पर किया जाएगा: • तकनीकी और व्यावसायिक व्यवहार्यता • राजस्व सृजन क्षमता • यात्रियों की सुविधा और सार्वजनिक उपयोगिता • नवाचार और समग्र मूल्यवर्धन। अधिक जानकारी संबंधित शाखा से प्राप्त की जा सकती है। 4. **प्रस्ताव प्रस्तुत करने का पता :** प्रस्ताव की हार्ड कॉपी अंतिम तिथि एवं समय (तक निम्नलिखित पते पर प्राप्त हो जानी चाहिए- कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) ग्राउंड फ्लोर, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर-482001 5. **मूल्यांकन:** प्राप्त सभी प्रस्तावों का परीक्षण प्रस्तावकों द्वारा प्रस्तुत अवधारणाओं, व्यवहार्यता, संभावित राजस्व एवं लागत अनुमानों के आधार पर किया जाएगा। रेलवे प्रशासन प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर अंतिम योजना, निवेश मॉडल, लाइसेंस अवधि तथा अन्य नियम एवं शर्तों को अंतिम रूप देने का अधिकार सुरक्षित रखता है तथा प्रचलित नियमों एवं नीतियों के अनुसार खुली अथवा सीमित निविदाएँ आमंत्रित कर सकता है। **नोट:** इच्छुक प्रस्तावक कार्य दिवसों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, ग्राउंड फ्लोर, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर (म.प्र.) में ईओआई से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी स्पष्टीकरण अथवा जानकारी हेतु कार्यालय समय में निम्न अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है- श्री धनंजय तिवारी, वाणिज्य निरीक्षक - 9424984113, श्री नीरज कुमार पाठक, वाणिज्य निरीक्षक - 9109109246

(हस्ता.)

कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

नागेश्वरन ने कहा, सरकार ने बजट में कई उपायों की घोषणा की

सरकार ने जीसीसी के लिए अपना काम किया, अब उद्योग क्षमताएं बढ़ाएं: सीईए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने बजट में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को समर्थन देने के लिए कई उपायों की घोषणा कर अपना काम कर दिया है। अब उद्योग को कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण और नवाचार में निवेश करना चाहिए।

नागेश्वरन ने कहा कि एआई ने पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती दी है। इसके कारण नियमित, दोहराए जाने वाले और नियम-आधारित कार्य प्रभावित होने की संभावना है। केवल कम लागत पर आधारित कारोबारी मॉडल के समक्ष मौजूद जोखिमों को नजरअंदाज करना व्यावहारिक नहीं होगा।

उद्योग की लंबित मांग को पूरा किया गया

उद्योग और सरकार के सहयोग की भूमिका का उल्लेख करते हुए सीईए ने कहा कि केंद्रीय बजट में जीसीसी के लिए 'ट्रांसफर प्राइसिंग सेफ हार्बर' व्यवस्था को सरल एवं विस्तारित कर उद्योग की काफी समय से लंबित मांग को पूरा किया गया है।

सरकार छोटे शहरों में भी जीसीसी को प्रोत्साहित कर रही

सीईए ने यहां 'सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि संशोधित व्यवस्था में एक समान मार्जिन, काफी अधिक सीमा एवं कई वर्षों की अवधि के लिए तेज तथा अधिक भरोसेमंद मंजूरी का प्रावधान है, जिससे ऐसे केंद्रों के लिए कर संबंधी निश्चितता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने छह प्रमुख महानगरों से आगे बढ़कर छोटे व मझोले शहरों में जीसीसी के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए एक राष्ट्रीय रूपरेखा भी शुरू की है।

सरकार रनवे तैयार कर सकती है विमान नहीं उड़ा सकती

नागेश्वरन ने कहा, '' यह केवल एक आर्थिक लक्ष्य नहीं है, बल्कि समान अवसर का भी विषय है। अवसर केवल कुछ महानगरों तक सीमित नहीं रहने चाहिए।' उन्होंने हालांकि, इस बात पर भी जोर दिया कि केवल सरकारी नीतियों के बल पर इस क्षेत्र में भारत का नेतृत्व सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। सीईए ने कहा, '' सरकार रनवे तैयार कर सकती है, लेकिन विमान नहीं उड़ा सकती। लागत-आधारित मॉडल से क्षमता-आधारित मॉडल और निष्पादन से नवाचार की ओर बढ़ने का काम कंपनियों और लोगों को करना होगा।'

- अब उद्योगों को एआई के विकास में निवेश करना चाहिए
- एआई ने पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती दी है
- नियम आधारित कार्य प्रभावित होने की संभावना

एआई प्रणालियों की रूपरेखा तैयार करनी होती है

सीईए ने कहा, '' एआई स्वयं न तो इन प्रणालियों का निर्माण करती है, न उन्हें लागू करती है और न ही उनका संचालन करती है। किसी न किसी को इन प्रणालियों की रूपरेखा तैयार करनी होती है, उन्हें प्रशिक्षित करना होता है, उनकी जांच करनी होती है, उनमें सुधार करना होता है और उनकी जवाबदेही तय करनी होती है। किसी को यह भी तय करना होता है कि इनका उपयोग कहां किया जाना चाहिए और कहां नहीं।''

प्रतिस्पर्धी देश अपनी क्षमता बढ़ा रहे

नागेश्वरन ने साथ ही आगाह करते हुए कहा कि सफलता आत्मसंतोष का कारण नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि समय के साथ भारत ने जो बढ़त हासिल की है, वह खत्म भी हो सकती है, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देश अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं।

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 238 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली से पिछले कारोबारी सत्र में आई भारी गिरावट के बाद स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को तेजी लौटी और दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स तथा निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए।

बीएसई सेंसेक्स 238.22 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,741.82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 823.05 अंक चढ़कर 77,326.65 अंक पर पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी 80.75 अंक बढ़कर 23,962.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 24,134.70 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा, लेकिन कारोबार के अंतिम घंटे में इसने अपनी कुछ बढ़त गंवा दी।विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन भी हमले होने से बाजार में सतर्कता का माहौल बना रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से सन फार्मा का शेयर सबसे अधिक

- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने की खरीदारी
- बाजार ने अंतिम घंटे में अपनी बढ़त गंवाई

2.7 प्रतिशत और भारती एयरटेल का 2.15 प्रतिशत चढ़ा। इनके अलावा बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन, इटर्नल और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक बढ़त में रहे। वहीं, इन्फोसिस का शेयर सबसे अधिक 1.8 प्रतिशत की गिरावट में रहा। मारुति, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून तिमाही के परिणाम की घोषणा के बाद टीसीएस के शेयर में 0.52 प्रतिशत की गिरावट आई।

निसान ने भारत में पेश की एसयूवी 'टेक्टॉन', कीमत 10.49 लाख रुपए

एजेंसी ▶▶ मुंबई

निसान मोटर इंडिया ने भारत में अपनी नई प्रीमियम सी-एसयूवी 'निसान टेक्टॉन' को पेश किया है। कंपनी ने इसे भारत में अपनी वापसी की रणनीति के तहत उतारा है। नई टेक्टॉन की शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपये रखी गई है, जबकि 'टर्बो टी280 डीसीटी' संस्करण की शुरुआती कीमत 14.99 लाख रुपये है। कंपनी के अनुसार, टेक्टॉन निसान की दूसरी नई पेशकश है और यह भारत में कंपनी के विस्तार अभियान में अहम भूमिका निभाएगी। यह वाहन चेन्नई संयंत्र में बनाया जाएगा और भारत के अलावा पश्चिम एशिया तथा अफ्रीकी बाजारों में भी निर्यात किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक, टेक्टॉन इस श्रेणी की एकमात्र एसयूवी है जिसमें पूरे मॉडल में टर्बोचार्ज्ड इंजन विकल्प दिए गए हैं। इसमें टर्बो टी160 और टर्बो टी280 इंजन विकल्प मिलेंगे। टी280 इंजन 163 पीएस की अधिकतम शक्ति और 280 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है।

- 'टर्बो टी280 डीसीटी' संस्करण की शुरुआती कीमत 14.99 लाख रुपए

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी, (म.प्र.)

क्रं./87/मुख्य स्टोर/2026-27 कटनी, दिनांक 07/07/2026

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत फर्मो से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबासाइट https:/mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_520115_1	नगर निगम क्षेत्र में आवश्यकतानुसार सी.सी. टी.व्ही. कैमरा की स्थापना एवं संधारण कार्य।	2,000.00 8500.00	18/07/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https:www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिक निगम, कटनी

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T. क्र. 07(E.T.)/निर्माण/न.पा.नि./2026-27 सतना, दिनांक 06.07.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम सतना द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा क्र.व जारी दिनांक	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	वार्ड क्र.	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की समयावधि (वर्षाकाल सहित)
1	07/01 06.07.2026	2026_UAD _518900_1	सी.सी. रोड / पेवर्स रोड विभिन्न स्थानों में (पार्षद निधि) द्वितीय काल	03	21,13,864/-	42,300/-	5,000/-	03 माह
2	07/02 06.07.2026	2026_UAD _518902_1	सी.सी. रोड एवं पेवर्स रोड पाण्डेय टोला एवं इंद्रपाल पटेल जी के घर के पास (पार्षद निधि) द्वितीय काल	02	20,83,582/-	41,700/-	5,000/-	03 माह
3	07/03 06.07.2026	2026_UAD _519537_1	डामरीकरण रोड निर्माण पुराना गल्ला मंडी रोड से अयाप्पा मंदिर तक (पार्षद निधि) द्वितीय काल	13	21,15,980/-	42,400/-	5,000/-	01 माह
4	07/04 06.07.2026	2026_UAD _519538_1	नाली / पुलिया मरम्मत कार्य विभिन्न स्थानों में	02, 03 & 30	9,07,224/-	18,200/-	2,000/-	02 माह
5	07/05 06.07.2026	2026_UAD _519543_1	सी.सी. रोड निर्माण प्रेम ट्रेडर्स से सुमित सिंह तक मैहर वायपास रोड में	45	8,15,505/-	16,400/-	2,000/-	02 माह
6	07/06 06.07.2026	2026_UAD _519544_1	पेवर रोड निर्माण नई बस्ती (अमौधा नई बस्ती) रामजी अहिरवार के घर के पास	01	5,50,546/-	11,100/-	2,000/-	01 माह
7	07/07 06.07.2026	2026_UAD _519546_1	नाली निर्माण पटेल डेयरी के समीप	09	5,19,326/-	10,400/-	2,000/-	01 माह
8	07/08 06.07.2026	2026_UAD _519547_1	टीन शेड निर्माण धवारी पुस्तकालय के बगल से	32	3,99,708/-	8,000/-	2,000/-	01 माह
9	07/09 06.07.2026	2026_UAD _519549_1	कुओं की सफाई एवं मरम्मत कार्य धवारी गली नं. 01, 02 एवं 04 (कुल 05)	33	2,44,306/-	4,900/-	2,000/-	01 माह
10	07/10 06.07.2026	2026_UAD _519550_1	टीन शेड एवं पेवर कार्य आकाश गंगा नगर में	29	2,29,864/-	4,600/-	2,000/-	01 माह
11	07/11 06.07.2026	2026_UAD _519551_1	पुलिया निर्माण विभिन्न स्थानों में	34	2,19,122/-	4,400/-	2,000/-	01 माह
12	07/12 06.07.2026	2026_UAD _519553_1	सी.सी. रोड निर्माण मनोज त्रिपाठी के घर से यशवंत सिंह के घर तक	29	2,16,761/-	4,400/-	2,000/-	01 माह
13	07/13 06.07.2026	2026_UAD _519555_1	पुलिया निर्माण विभिन्न स्थानों में	05	4,400/-	4,400/-	2,000/-	01 माह
14	07/14 06.07.2026	2026_UAD _519557_1	पुलिया निर्माण विभिन्न स्थानों में	28	3,200/-	3,200/-	1,000/-	01 माह
15	07/15 06.07.2026	2026_UAD _519559_1	बाउण्ड्रीवाल निर्माण दिव्यांग बालिका छात्रावास	04	2,100/-	2,100/-	1,000/-	01 माह

1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 07.07.2026 समय 17:30 से दिनांक 24.07.2026 समय 17:30 बजे तक ऑनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, सतना (म. प्र.)

तनाव के बावजूद भारत का कच्चा तेल आयात मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के कच्चे तेल आयात पर होर्मुज जलडमरूमध्य में हालिया तनाव का असर सीमित रहने की संभावना है। हालांकि, यदि क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता बनी रहती है तो एलपीजी और एलएनजी आपूर्ति प्रभावित हो सकती है तथा जहाजरानी लागत बढ़ सकती है। केप्लर के एक विश्लेषक ने यह बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संघर्षविराम संबंधी टिप्पणियों के बाद क्षेत्र में हुई ताजा झड़पों ने दुनिया के सबसे व्यस्त ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

केप्लर के विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि भारत की कच्चे तेल आपूर्ति पर इसका असर सीमित रहने की संभावना है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय तेल शोधन कंपनियों ने आयात स्रोतों में विविधता लाई है। उन्होंने कहा, हालिया तनाव बढ़ने से पहले भी होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये

- केप्लर के एक विश्लेषक ने यह बात कही
- होर्मुज की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी है

कच्चे तेल का प्रवाह पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ था। हालांकि, भारत के लिए पिछले 100 दिन में स्थिति काफी हद तक सामान्य रही है और तेल शोधन कंपनियों ने विविध आयात स्रोतों के जरिये आपूर्ति का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। रितोलिया ने कहा कि भारत के कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी काफी अधिक बनी हुई है। वहीं, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होने वाली आपूर्ति से ऊर्जा सुरक्षा को अतिरिक्त मजबूती मिलती है।

कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग,
सेतु निर्माण संभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर

एनआईटी नं.- 07/2026 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण / 2026 दिनांक-22.06.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (रू. लाख में)	भौतिक रूप से एनबलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_516908_1	सिवनी जिला	मरम्मत कार्य	सिवनी जिले के अंतर्गत वार्षिक मरम्मत कार्य लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग सिवनी	द्वितीय	RYs 16.13 Lacs	समत दस्तावेज ऑनलाईन जमा किये जावेंगे
2	2026_PWDRB_516919_1	बालाघाट जिला	मरम्मत कार्य	बालाघाट जिले के अंतर्गत वार्षिक मरम्मत, भूमिगत और सर्वेक्षण कार्य लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग बालाघाट पार्ट-1	द्वितीय	RYs 16.92 Lacs	
3	2026_PWDRB_516947_1	बालाघाट जिला	मरम्मत कार्य	बालाघाट जिले के अंतर्गत वार्षिक मरम्मत, भूमिगत और सर्वेक्षण कार्य लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग बालाघाट पार्ट-2	द्वितीय	RYs 16.93 Lacs	
4	2026_PWDRB_516953_1	छिंदवाड़ा जिला	मरम्मत कार्य	छिन्दवाडा उपसंभाग के अंतर्गत वार्षिक मरम्मत का कार्य।	द्वितीय	RYs 16.76 Lacs	
5	2026_PWDRB_516960_1	छिंदवाड़ा जिला	मरम्मत कार्य	छिन्दवाडा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यो के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	द्वितीय	RYs 16.84 Lacs	
6	2026_PWDRB_516973_1	पाण्डुर्ना जिला	मरम्मत कार्य	छिन्दवाड़ा उपसंभाग के अंतर्गत पाण्डुर्ना जिले के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	द्वितीय	RYs 16.82 Lacs	
7	2026_PWDRB_516984_1	पाण्डुर्ना जिला	मरम्मत कार्य	छिन्दवाड़ा उपसंभाग के अंतर्गत पाण्डुर्ना जिले के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	द्वितीय	RYs 16.93 Lacs	
8	2026_PWDRB_517035_1	पाण्डुर्ना जिला	मरम्मत कार्य	छिन्दवाड़ा उपसंभाग के अंतर्गत पाण्डुर्ना जिले के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	द्वितीय	RYs 16.88 Lacs	

उपरोक्त बेबसाईड ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) बेबसाईड के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 17/07/2026 शाम 18.00 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेबसाईड में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त बेबसाईड पर किया जावेगा पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज ऑन लाईन प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग सेतु
संभाग जबलपुर

G-15439/26

चिंतन

ऑस्ट्रेलिया से 'नाभिकीय' समझौता लाएगा बदलाव

क्वाड पर अमेरिका के ठंडे रुख के बाद भारत ने अपने स्तर पर क्वाड के अन्य प्रमुख साझेदार देशों जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंधों को नई गति देने की रणनीति अपनाई है। क्वाड चार प्रमुख लोकतांत्रिक देशों भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान का रणनीतिक समूह है, जिसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करना है। बदलते वैश्विक समीकरणों और बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत और व्यावहारिक आधार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में पहले जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भारत का दौरा किया, जहां दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इससे स्पष्ट है कि भारत अपने भरोसेमंद साझेदार देशों के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता दे रहा है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच यूरेनियम आपूर्ति से जुड़ा बहुप्रतीक्षित असैन्य परमाणु समझौता हुआ है। माना जा रहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह 'नाभिकीय' समझौता ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लेकर आएगा। इसके साथ ही रक्षा, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिज, साइबर सुरक्षा, आपूर्ति शृंखला, अंतरिक्ष सहयोग और निवेश सहित लगभग 18 महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर, मैरीटाइम सिक्योरिटी रोडमैप और यूरेनियम सप्लाई एग्रीमेंट जैसे समझौते दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती देंगे। ये समझौते केवल द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं हैं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक समीकरणों का भी स्पष्ट संकेत हैं। बढ़ती साझेदारी यह दर्शाती है कि दोनों लोकतांत्रिक देश अब केवल व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोगी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस परमाणु समझौते के बाद भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की व्यावसायिक आपूर्ति का मार्ग खुल जाएगा। दोनों देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर विकसित करने का भी निर्णय लिया है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरण और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों के लिए आवश्यक लिथियम, कोबाल्ट तथा अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निर्णायक भूमिका निभाएगी। अंतरिक्ष क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ेगा। ऑस्ट्रेलिया के कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल स्थापित किए जाने से भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन सहित अन्य अंतरिक्ष अभियानों को तकनीकी सहायता मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत की तीन बहुमूल्य धार्मिक एवं ऐतिहासिक कलाकृतियां लौटाने की घोषणा की है। इनमें देवी भद्रकाली की आकृति वाला धातु का त्रिशूल, भगवान शिव के वाहन नंदी की पत्थर की प्रतिमा तथा छह मुख वाले भगवान कार्तिकेय की दुर्लभ प्रतिमा शामिल हैं। इनकी स्वदेश वापसी दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और सांस्कृतिक सहयोग का भी प्रतीक है। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री की यह यात्रा संकेत देती है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा क्षमता, तकनीकी प्रगति और आर्थिक हितों को मजबूत करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। भारत रक्षा समेत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ यह 'नाभिकीय' समझौता इसी नई सोच और दूरदर्शी रणनीति का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

जल संरक्षण

बाल मुकुन्द ओझा

आज पानी बचाएंगे तो भविष्य होगा सुरक्षित

देश में हर साल मानसून आता है और सर्वत्र बारिश होती है, इसके बावजूद लोग पानी के लिए तरस जाते हैं। इसका एक मुख्य कारण है हम वर्षा जल का संचयन नहीं कर पाते। मौसम विभाग की मानें तो मानसून भारत में प्रवेश कर चुका है। मानसून अपने साथ अपार खुशियां लेकर आता है। लोगों को पीने के लिए जहां पानी मिलता है, वहीं किसान अपने खेतों में बुवाई शुरू कर देते हैं। बारिश से कई जगह बाढ़ की हालत भी हो गई है। वर्षा जल की एक-एक बूंद अनमोल है। जल है तो जीवन है। इसका संचय, संरक्षण से ही मानव जीवन की रक्षा संभव है। जल की अनावश्यक बर्बादी नहीं होने दें। जल संरक्षण के लिए सभी को जागरूक होना होगा और सामूहिक प्रयास करना होगा। इससे जल संरक्षण की दिशा में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। देश में जल संसाधन सीमित और दुर्लभ हैं। पानी घट रहा है और साल 2050 तक यह कमी एक बड़ा संकट बन सकती है। ऐसे में हमें वर्षा जल संचयन जैसे जल संरक्षण के स्थायी तरीकों को अपनाना चाहिए। देशभर में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। राजधानी दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। भूस्खलन एवं वर्षा के बाद विभिन्न घटनाओं में अनेक लोगों की मौत हो गई। हर साल की तरह इस साल भी देश में मानसून की एंट्री के साथ ही बाढ़ की तबाही भी शुरू हो गई है। वर्षा के जल को किसी खास माध्यम से संचय करने या इकट्ठा करने की प्रक्रिया को वर्षा जल संचयन कहा जाता है। विश्व भर में पेयजल की कमी एक संकट बनती जा रही है। इसका कारण पृथ्वी के जलस्तर का लगातार नीचे जाना भी है। इसके लिए अधिशेष मानसून अपवाह जो बहकर सागर में मिल जाता है, उसका संचयन और पुनर्भरण किया जाना आवश्यक है ताकि भूजल संसाधनों का संवर्धन हो पाए। अकेले भारत में ही व्यवहार्य भूजल भण्डारण का आकलन 214 बिलियन घन मी. (बीसीएम) के रूप में किया गया है, जिसमें से 160 बीसीएम की पुनः प्राप्ति हो सकती है। इस समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहां सवाल यह उत्पन्न होता है कि भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट का सामना क्यों कर कर रहे हैं। इसका जवाब है कि हमने अपने परंरागत जल स्त्रोत समाप्त कर दिए। भारत को कुए, बावड़ी और तालाबों का देश कहा जाता है। यहां नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात, पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन कर जल संचयन का बीड़ा उठाया है। हमारे देश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है, जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जबकि केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष देश में औसत बारिश हो सकती है। इस बारिश का संचय कर पेयजल संकट से निपटने के साथ खेतों में बंपर पैदावार हासिल की जा सकती है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। भारत अब तक के सबसे बड़े जल संकट से जूझ रहा है। करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साथ ही, देश में करीब 70 प्रतिशत पानी पीने लायक नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। अगर बरसात के बाद नदी-नालों से बहने वाले पानी का प्रभावी तरीके से संग्रहण किया जाए तो पानी कई गुना और ज्यादा मिलने लगेगा। वैश्विक संस्थाओं की लगातार चेतावनियों का लगता है लोगों पर कोई असर नहीं पड़ा है। विभिन्न संगठनों की पानी सम्बन्धी रिपोर्टों में साफ कहा गया है कि भूगर्भ में अब पानी नहीं रहा है और वर्षांत का पानी सहेजने में हम नकारा साबित हुए हैं। विशेषकर भारत में पानी के प्रति घोर लापरवाही का परिणाम आम आदमी को शीघ्र भुगतना होगा। दुनियाभर में 200 करोड़ से ज्यादा लोग साफ पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

आतंक व बातचीत साथ नहीं चल सकते

मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध मई 2025 के बाद से काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 20 से ज्यादा पर्यटकों को पाकिस्तानी आतंकियों ने मारा था। इसके बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच गोलीबारी और ड्रोन हमलों का सिलसिला चला। इस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। व्यापार लगभग बंद है, दूतावास कमजोर स्तर पर चल रहे हैं और लोगों के बीच संपर्क भी बेहद सीमित है। भारत हमेशा बातचीत का पक्षधर रहा है, लेकिन पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने का ठोस संकल्प नहीं दिखाता, तब तक किसी भी वार्ता का कोई अर्थ नहीं है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बेहतर संबंध बनाने की उम्मीद से दोनों देश के प्रधानमंत्रियों को जानी-मानी 117 हस्तियों ने मिलकर पत्र लिखा है। पत्र लिखने वालों में 61 लोग भारत से और 56 पाकिस्तान से हैं। पत्र में मांग की गई है कि अब संबंधों को सामान्य किया जाए और तल्खियां घटाई जाएं। ये पहल सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस के अध्यक्ष ओपी शाह की तरफ से की गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध मई 2025 के बाद से काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 20 से ज्यादा पर्यटकों को पाकिस्तानी आतंकियों ने मारा था। इसके बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच गोलीबारी और ड्रोन हमलों का सिलसिला चला। इस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। व्यापार लगभग बंद है, दूतावास कमजोर स्तर पर चल रहे हैं और लोगों के बीच संपर्क भी बेहद सीमित है। भारत का स्पष्ट रुख रहा है कि जब तक पाकिस्तान से आतंकवाद पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक कोई वार्ता संभव नहीं है। इस पत्र को लेकर अब प्रश्न भी उठ रहे हैं। अहम सवाल यह है कि भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? राजनयिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यावसायिक संबंध क्यों पुनः स्थापित किए जाएं? आतंकियों को पालने-पोसने वाले देश को कड़ा सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के माध्यम से प्रेम का प्रदर्शन करना चाहिए? जो 117 चेहरे आज पाकिस्तान के पक्षकार बने हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? क्या वे पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों'का बलिदान भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाक परस्त शैतानों और हत्यारों के षड्यंत्र भी भूल गए? पत्र लिखने वालों में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर आर्त पुकार की थी कि मोदी सरकार हटाने में सहायता करें। यह नवंबर, 2015 का प्रसंग है। दोनों कथित कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। अब समर्थकों की सूची में शामिल हैं, तो वह बिल्कुल निरर्थक है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती का पाकिस्तान प्रेम जगजाहिर है। इनके बयानों से ऐसा अहसास होता है मानो पाकिस्तान सरकार का कोई प्रवक्ता बोल रहा है। भारत की गुप्तचर एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुलत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की आत्मा तक से परिचित हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। ओपी शाह, मनोज झा, जवाहर सरकार आदि कितने बड़े कूटनीतिज्ञ हैं, यह हम नहीं जानते, लेकिन सूची में जो 61 नाम भारतीयों के हैं, वे विश्वासपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर विरोधी हैं और पाकिस्तान के अनुयायी चेहरे हैं। आज उन्हें कौन पूछता है? क्या प्रासंगिकता है इनकी? क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? आतंक के अड्डे समाप्त किए जाएं। सरकार और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें

'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। पत्र लिखने वालों की मंशा क्या है, यह वे स्वयं बेहतर जानते हैं। पत्र लिखने वालों में से किसी ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की पुनर्स्थापना के बाद सीमा पर तनाव कम हो जाएगा? सीमा पार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? पत्र से जुड़े लोग इससे भी भलीभांति परिचित होंगे कि पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का केंद्र हमेशा से सेना रही है और वर्तमान सेना प्रमुख तो इतने शक्तिशाली बना दिए गए हैं कि उन्हें फील्ड मार्शल की पदवी प्राप्त हो चुकी है। वास्तव में, आतंकवाद की चर्चा जब भी होती है, तो ये समर्थक हकलाने लगते हैं या अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हैं। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। पाकिस्तान के कथित उप प्रधान मंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की सरकार से भारत बात क्यों करेगा? पाकिस्तान में सार्वजनिक कार्यक्रमों, जनाजों और सरकारी आयोजनों में आतंकवादियों का खुलकर घूमना आम बात है। जिन लोगों पर संयुक्त राष्ट्र में आतंकवादी होने का आरोप है, वे पाकिस्तान में खुलेआम दिखाई देते हैं। ऐसे देश के साथ बैठकर बातचीत कैसे की जाए और भरोसा कैसे किया जाए? पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले चेहरे यह भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40,000 से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? महिलाओं का सतीत्व लूटा है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी संबंध मधुर और श्रेष्ठ बनाना चाहते हैं? पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है कि एक तरफ बातचीत की मेज पर बैठना और दूसरी तरफ आतंकी हमले करवाना। शिमला समझौते के करीब 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर का दौरा किया। पाकिस्तानी जनता को यह भरोसा दिलाने के लिए वे मीनार-ए-पाकिस्तान भी गए कि त्रासद विभाजन के बावजूद भारत पाकिस्तान की संप्रभुता को पूरी तरह स्वीकार करता है। उन्होंने वहां विजिटर्स बुक में यह भी लिखा कि एक स्थिर और समृद्ध पाकिस्तान भारत के हित में है।

वाजपेयी की इस राजनयिक पहल का जवाब पाक ने कारगिल युद्ध छेड़कर दिया और शांतिपूर्ण संबंधों की प्रक्रिया पटरी से उतर गई।अटलजी के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को अपनी भली मंशा के संकेत देने के लिए दिसंबर 2015 में काबुल से भारत लौटते समय लाहौर का दौरा किया और उस समय प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ से मिले। दस दिन बाद पाकिस्तान ने पठानकोट हमले को अंजाम दिया। पत्र लिखने वाले भारतीयों को इतना तो याद रखना चाहिए कि उरी हमले के बाद भारत का दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट रहा कि बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कदम उठाए हैं। इसमें सिंधु जल संधि को रोकना भी शामिल है। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से यह पूरी तरह सही भी है। इस कसौटी को अनदेखा करते हुए भारतीय हस्ताक्षरकर्ताओं ने एक ऐसे पत्र पर स्वाक्षर किए हैं, जिसमें आतंकवाद का उल्लेख भी नहीं है। भारत हमेशा बातचीत का पक्षधर रहा है, लेकिन पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने का ठोस संकल्प नहीं दिखाता, तब तक किसी भी वार्ता का कोई अर्थ नहीं है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

छोटे-छोटे संकल्प हमारा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं

संकलित

दर्शन

जिस प्रकार किसी भी पूजा को प्रारंभ करने से पूर्व हाथ में जल लेकर संकल्प लिया जाता है, उसी प्रकार किसी भी कार्य को करने के लिए उसे करने का संकल्प लिया जाता है। बगैर संकल्प हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। संकल्प लेने के लिए इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। संकल्प के पश्चात प्रयास प्रारंभ होते हैं। जब संकल्प दृढ़ होता है तो प्रयास को हिम्मत मिलती है, विजय की राह आसान हो जाती है। हमारी सफलता हमारे संकल्प पर निर्भर करती है। हम जितना भरोसा अपने संकल्प पर करेंगे, उसी अनुपात में हमें सफलता प्राप्त होगी। यदि हमारा संकल्प विजय का है तो हमारी सफलता भी निश्चित है। संकल्प सकारात्मक ऊर्जा के रूप में सह प्रेरक का काम करता है। जीवन में छोटे-छोटे संकल्प लेते रहना चाहिए। जब हम छोटे-छोटे संकल्पों को पूर्ण करते हैं तो आत्मविश्वास और हमारी क्षमता में वृद्धि होती है। दृढ़ संकल्प में असीम शक्ति होती है, जो व्यक्ति को किसी भी प्रकार की बाधाओं से जूझने में सक्षम बनाती है। हालांकि, संकल्प लेकर उन्हें भूलना भी आम बात है। अक्सर हम देखते हैं कि नशे के आदी लोग रोज संकल्प लेते हैं कि वे अब आगे से नशा नहीं करेंगे, किंतु वे ऐसा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि उनके संकल्प में दृढ़ता की कमी होती है। दृढ़ संकल्प शक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र है। जो संकल्प के साथ जीता है, वह साधक होता है। कहते हैं कि एक सफल और असफल व्यक्ति के बीच में न तो योग्यता का अंतर होता है और न ही ज्ञान का।

गुरु की बात को गिरधर भी नहीं टाल सकते

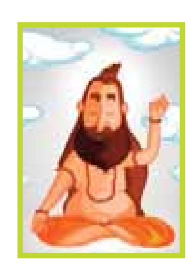

संकलित

प्रेरणा

वृंदावन में एक संत के पास कुछ शिष्य रहते थे। उनमें से एक शिष्य मंद बुद्धि का था। एक बार गुरु देव ने सभी शिष्यों को अपने करीब बुलाया और सब को एक मास के लिए ब्रज में अलग-अलग स्थान पर रहने की आज्ञा दी और उस मंद बुद्धि को बरसाने जाकर रहने को कहा। मंद बुद्धि ने बाबा से पूछा बाबा मेरे रहने खाने की व्यवस्था वहां कौन करेगा। बाबा ने हंस कर कह दिया राधा रानी, कुछ दिनों बाद एक-एक करके सब बालक लौट आए पर वो मंद बुद्धि बालक नहीं आया। बाबा को चिंता हुई कि दो मास हो गए मंद बुद्धि बालक नहीं आया, जाकर देखना चाहिए। बाबा अपने शिष्य की सुध लेने बरसाने आ गए। बाबा ने देखा कि एक सुन्दर कुटिया के बाहर एक सुन्दर बालक बहुत सुन्दर भजन कर रहा है, बाबा ने सोचा क्यों ना इन्हीं से पूछा जाए। बाबा जैसे ही उनके करीब गए वो उठ कर बाबा के चरणों में गिर गया और बोला आप आ गए गुरु देव! बाबा ने पूछा ये सब कैसे, तू ठीक कैसे हो गया? शिष्य बोला- बाबा आपके ही कहने से किशोरी जी ने मेरे रहने खाने पीने की व्यवस्था की और मुझे ठीक कर भजन करना भी सिखाया। बाबा अपने शिष्य पर बरसती किशोरी जी की कृपा को देख खूब प्रसन्न हुए और मन ही मन सोचने लगे कि मेरे कारण मेरी किशोरी जी को कितना कष्ट हुआ। उन्होंने मेरे शब्दो का मान रखते हुए मेरे शिष्य पर अपनी सारी कृपा उड़ेल दी। इसलिए कहते हैं कि गुरु की बात को गिरधर भी नहीं टाल सकते।

अंतर्मन

आज की पाती

जागो, नहीं तो गर्मी से जल जाएगा संसार

आजकल दुनिया के कुछ देशों में कुदरत का प्रकोप झुलसाने वाली गर्मी के रूप में बरप रहा है। यूरोप में जर्मनी और अन्य देशों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया, शायद यहां जून और जुलाई महीनों में तापमान 30 डिग्री से कम रहता है। ऐसे ही गर्मी और भी कई देशों में अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। अमरीका और अन्य कुछ देशों में तो भयंकर गर्मी कुछ लोगों की जान की दुश्मन भी बन गई। अगर हम अपने देश भारत की बात करें तो यहां भी गर्मी अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। हमारे देश में आजकल मानसून का समय है, देश के कुछ राज्यों में इस बार मानसून में अब तक बहुत कम बारिश हो रही है। इन राज्यों में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। धरती पर बढ़ता तापमान सारी दुनिया के लिए बड़ी चिंता का विषय है। – *मंजू यादव, हिसार*

ट्रेंड

'ग्रीन ड्राइव' पोर्टल

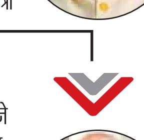

दिल्ली सरकार ने पेड़ लगाने के लिए 'ग्रीन ड्राइव' पोर्टल शुरू किया है, जिसके ज़रिए मुफ़्त पौधे मिलेंगे। जहाँ भी ज़मीन उपलब्ध हो, लोगों को पेड़ लगाने चाहिए और 'ग्रीन दिल्ली' के संकल्प को पूरा करना चाहिए।
- **अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

खेती-बाड़ी व्यवस्था

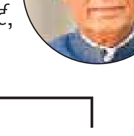

युवाओं को खेती को नए नज़रिए से देखने की ज़रूरत है। अपनी इनोवेशन, स्किल्स और एंटरप्रेन्योरशिप के ज़रिए वे एक ऐसी खेती-बाड़ी व्यवस्था बनाने में योगदान दे सकते हैं जो आधुनिक, आत्मनिर्भर, स्मार्ट, प्रकृति-अनुकूल और टिकाऊ हो।
-**राजनाथ सिंह**, रक्षामंत्री

ऊर्जा सुरक्षा

भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वच्छ ऊर्जा के मामले में नए मानक स्थापित कर रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम की आपूर्ति को लेकर हुआ यह महत्वपूर्ण समझौता देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा।
- **सम्राट चौधरी**, सीएम, बिहार

विरोध दबाने की कोशिश

सरकार इथेनॉल के मामले में दूसरे देशों के उदाहरण देकर लोगों के विरोध को दबाने की कोशिश कर रही है। सच तो यह है कि जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में ई10 से ज़्यादा ग्रेड वाले ईंधन का इस्तेमाल भी नहीं हो रहा है। जापान में अभी सिर्फ़ ई3 का इस्तेमाल हो रहा हैं।
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

मेक्सिको के गांव में मादक पदार्थ तस्करों के ड्रोन हमले

मेक्सिको के एक गांव में मादक पदार्थ तस्करों के गिरोह ने बुधवार सुबह छह बजे ड्रोन से हमले किए। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी दी। गुआजेस डी अयाला नामक गांव के ग्रामीणों को कई हफ्तों से 'ला नुएवा फमिलिया मिचोआकाना' नाम के मादक पदार्थ तस्कर गिरोह से चेतावनी मिल रही थी। हालांकि उनकी मदद की गुहार पर किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उस समय मेक्सिको सिटी, ग्वाडलहारा और मॉन्टेरी जैसे बड़े शहरों में फुटबॉल विश्वकप आयोजन को लेकर जश्न का माहौल था। मारिलु सोलोरियो नाम की 24 वर्षीय प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मादक पदार्थ गिरोह के तस्करों और समुदाय के सतर्कता विभाग के बीच गोलीबारी शुरू होने के बाद 70 अन्य महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पास के एक बंद पड़े मेडिकल क्लिनिक में शरण लिया। अपने आश्रय स्थल से सोलोरियो ने फोन पर हुई बातचीत में फुटबॉल टूर्नामेंट का जिक्र करते हुए कहा, 'एक तरफ कुछ लोग फुटबॉल के गोल का जश्न मना रहे हैं, तो दूसरी तरफ बम ले जा रहे ड्रोन लोगों की जान ले रहे हैं। जिन जगहों पर विश्व कप खेला जा रहा है वहां के लोगों की सुरक्षा करने के बजाय (मेक्सिको की सरकार को) हम जैसे लोगों की सुरक्षा करनी चाहिए जिन्होंने कभी कुछ गलत नहीं किया।'

ऑफ बीट

फिटनेस ट्रैकिंग के छिपे खतरे विशेषज्ञों ने किया सावधान

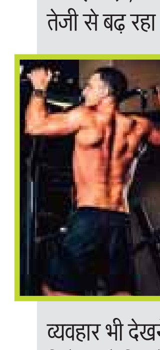

मोबाइल ऐप, स्मार्टवॉच और अन्य पहनने योग्य फिटनेस उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपकरण लोगों को अधिक सक्रिय जीवनशैली अपनाने में मदद करते हैं, लेकिन इन पर अत्यधिक निर्भरता मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी हो सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, फिटनेस ट्रैकर केवल शारीरिक गतिविधियों का रिकॉर्ड नहीं रखते, बल्कि लक्ष्य, अलर्ट, बैज, 'स्ट्रीक' और स्वचालित फीडबैक के जरिए लोगों के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। जहां ये कुछ लोगों को अधिक सक्रिय बनने के लिए प्रेरित करते हैं, वहीं कई लोगों में चिंता, अपराधबोध, तनाव और खान-पान संबंधी अस्वास्थ्यकर व्यवहार भी देखने को मिला है। पिछले एक दशक से इस विषय पर शोध कर रहे विशेषज्ञ ने फिटनेस ट्रैकिंग से जुड़े पांच प्रमुख जोखिमों की पहचान की है। विशेषज्ञ के अनुसार, पहला खतरा प्रतिदिन 10,000 कदम चलने के लक्ष्य को लेकर है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य 1960 के दशक में जापान में एक पेडोमीटर के प्रचार अभियान से जुड़ा था और इसे सभी लोगों के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मानक नहीं माना जाता। कई शोध बताते हैं कि अधिकतर वयस्कों के लिए लगभग 7,000 कदम भी पर्याप्त और अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

इंडस्ट्रियल बेल्ट में धार औद्योगिक विकास का ग्रोथ इंजन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीथमपुर में लियुगोंग इंडिया प्रा. लिमिटेड की यूनिट का भूमिपूजन

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश के लिए 8 जुलाई का दिन बेहद खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लियुगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की 272 करोड़ की नई यूनिट का भूमिपूजन किया।

उन्होंने कहा कि राजा भोज के इस परिक्षेत्र में अहम उद्योग स्थापित होने जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि इंडस्ट्रियल बेल्ट में धार औद्योगिक विकास का ग्रोथ इंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धार की भुजाएं मजबूत हुईं। बीते 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने 6 लाख से ज्यादा किसानों के लिए वस्त्र उद्योग का बहुत बड़ा पार्क यहां लोकार्पित किया था।

272 करोड़ की यूनिट की दी सौगात, बदल जाएगी मप्र की सूरत

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

जितनी कृपा मां सरस्वती की, उतना ही आशीर्वाद मां लक्ष्मी का

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज पर जितनी कृपा मां सरस्वती की थी, उतना ही आशीर्वाद मां लक्ष्मी ने उन्हें दिया था। राजा भोज के कार्यों से मालवा के साथ-साथ पूरा देश गौरवांवित होता है। आज 272 करोड़ की नई यूनिट का लोकार्पण हुआ है। यह इकाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' के संकल्प को पूरा करने के लिए रफ्तार से चलेगी। मैं लियुगोंग ग्रुप को बधाई देता हूं, जिनकी वजह से विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा।

छह माह में प्राप्त हुए 76 हजार करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश पूरी क्षमता के साथ तेज गति से बढ़ रहा है। यही वजह है कि पिछले 6 महीने में यानी 1 जनवरी से 30 जून तक 76 हजार 862 करोड़ रुपए से अधिक के नए निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे 82 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। अकेले नर्मदापुरम को 11 हजार 500 करोड़ के प्रस्ताव मिले। 10 हजार करोड़ से ज्यादा का विदेशी निवेश मध्यप्रदेश को मिला है। ये उन लोगों को जवाब है जो जीआईएस पर सवाल उठा रहे थे और कह रहे थे कि अलग-अलग दौरे करने से क्या मिला।

हमारी सरकार जो कहती है, वह कर के दिखाती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर में बीते दस दिन की बात करूं तो आज यहां यानी 8 जुलाई को 272 करोड़ के भव्य प्लांट का उद्घाटन हुआ है। 6 जुलाई को सतगढ़ी में 150 करोड़ की लागत से बनने वाले 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क' का भूमिपूजन किया गया। 5 जुलाई को शिवपुरी में 2500 करोड़ की लागत से 'अडाणी डिफेंस यूनिट' का भूमिपूजन हुआ। 30 जून को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में पेप्सिको की अत्याधुनिक 1250 करोड़ की विनिर्माण इकाई का शुभारंभ हुआ। किसान की आय दोगुनी करने के लिए यह कदम अहम है। 29 जून को नीमच में 1 हजार 554 करोड़ की लागत से 38 नई औद्योगिक इकाइयों की सौगात देकर हमारी सरकार ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केवल घोषणाएं करने वाली सरकार नहीं है, यह काम को धरातल पर उतारने वाली सरकार है।

मेक इन इंडिया पर फोकस: गोवेन

लियूगोंग इंडिया के ग्लोबल वाइस चेयरमैन ल्यू गोवेन ने कहा कि हमारे लिए यह बड़ा ही सौभाग्यशाली दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर में लियुगोंग इंडिया लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र की नींव रखी है। कंपनी का नया प्लांट स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। साथ ही प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी गति देगा। साथ ही रिसर्च और मशीनरी निर्माण का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। लियूगोंग इंडिया के वरुण विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास की धारा तेज गति से आगे बढ़ रही है।

अपना दल (एस) ने पेश किया 100 दिन का रोडमैप

भोपाल। अपना दल (एस) मप्र ने संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को गति देने एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह पटेल रहे, जहां रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से आगामी 100 दिनों का रोडमैप साझा किया। बैठक के दौरान आगामी 19 जुलाई को भोपाल में एक विशेष बैठक की घोषणा भी की गई, जिसमें स भी जिलाध्यक्षों को अपने अब तक के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेशभर के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान वरिष्ठ नेता देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी संगठन विस्तार को लेकर अपने मूल मंत्र साझा किए। कार्यक्रम में प्रदेश भर के प्रमुख कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें राजेश्वर मिश्रा, एस आर नागले, मोहित गुप्ता, कैलाश गावंडे, सीता सरण सिंह, डीपी पटेल, आर के सनोडिया, रौशन पटेल और फिल्म अभिनेता गौरव प्रतीक आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

■ 19 जुलाई को भोपाल में होगी अगली अहम बैठक

सरदार सरोवर परियोजना पर हुए ऐतिहासिक समझौते से सहकारी संघवाद होगा सुदृढ़: सीएम

भारत के अटॉर्नी जनरल ने 1500 करोड़ रुपए की देनदारी बताई थी, अब देना होगा महज 231 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल सुरक्षा को सुदृढ़ करने और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की उपस्थिति में हुई बैठक में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच सरदार सरोवर परियोजना से जुड़े लगभग तीन दशक से जारी पुनर्वास एवं पुनर्बसाहट व्यय विवाद का सर्वसम्मति से समाधान हुआ है।

■ अब प्रदेश को करना होगा केवल 231.80 करोड़ रुपए का भुगतान

इस निर्णय से मप्र पर पड़ने वाले वित्तीय भार में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह निर्णय राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, संवाद और सहमति से जटिल विषयों के समाधान का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री शाह के प्रति आभार व्यक्त किया।

मप्र की हिस्सेदारी घटा कर 16.17 प्रतिशत की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारत के अटॉर्नी जनरल की ओर से फरवरी 2026 में दिए गए अभिमत के अनुसार पुनर्वास व्यय में मप्र की हिस्सेदारी 31.98 प्रतिशत निर्धारित की गई थी। इसके अनुसार मप्र को लगभग 1,500 करोड़ रुपए का भुगतान गुजरात को करना पड़ता। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मप्र, गुजरात, महाराष्ट्र एवं राजस्थान के बीच हुई बैठक में सर्वसम्मति से मप्र की हिस्सेदारी घटाकर 16.17 प्रतिशत निर्धारित की गई। इसके परिणामस्वरूप अब मध्यप्रदेश को केवल 231.80 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा।

मध्यप्रदेश के हितों की अनदेखी करते हुए समझौते को स्वीकार कर लिया: अजय

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर सरदार सरोवर परियोजना के मुआवजे के मामले में प्रदेश के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने केंद्र और गुजरात सरकार के दबाव में प्रदेश का पक्ष मजबूती से नहीं रखा और मध्यप्रदेश के हितों की अनदेखी करते हुए समझौते को स्वीकार कर लिया।

कांग्रेस पार्टी का झूठ बेनकाब, नेता प्रतिपक्ष सिंघार का दुष्प्रचार ध्वस्त : आशीष

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का झूठ बेनकाब, उमंग सिंघार का दुष्प्रचार ध्वस्त। सरदार सरोवर परियोजना को लेकर कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि सच्चाई बिल्कुल अलग है। मध्यप्रदेश की देनदारी घटकर मात्र 231.80 करोड़ रह गई। यानी मध्यप्रदेश के लगभग 1,268 करोड़ बचाए और 30 वर्षों पुराना विवाद समाप्त हो गया।

कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही: राहुल

भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने कहा कि कांग्रेस एक बार फिर मप्र की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। सच्चाई यह है कि सरदार सरोवर परियोजना से जुड़ा यह विवाद लगभग 30 वर्षों से लंबित था। कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन समाधान नहीं निकला। अब मप्र सरकार ने मप्र के हजारों करोड़ रुपए बचाए और तीन दशक पुराना विवाद समाप्त हुआ।

परियोजना से प्रदेश को उत्पादित विद्युत का मिल रहा है 57 प्रतिशत हिस्सा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा एवं सरदार सरोवर परियोजना से प्रदेश को उत्पादित कुल विद्युत का 57 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि अब तक मध्यप्रदेश को लगभग 3,900 करोड़ यूनिट विद्युत औसतन 85 पैसे प्रति यूनिट की दर से उपलब्ध हुई है। लगभग 31 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई सुविधा मिल रही है। साथ ही जबलपुर, कटनी, देवास, उज्जैन, इंदौर, धार सहित अनेक शहरों और पीथमपुर, देवास एवं विक्रम उद्योगपुरी जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को नर्मदा जल की आपूर्ति भी इसी परियोजना से की जा रही है।

चारों राज्यों की हिस्सेदारी तय

गुजरात की हिस्सेदारी 50.57 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की गई है। महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 15.15 प्रतिशत से घटाकर 7.66 प्रतिशत और राजस्थान की हिस्सेदारी 2.31 प्रतिशत से घटाकर 1.17 प्रतिशत निर्धारित की गई है। इससे गुजरात को सहभागी राज्यों से कुल 553.43 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे।

'विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा' विधेयक के प्रारूप को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा) विधेयक 2026 के प्रारूप को मंजूरी दी गई है।

इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य व्यापार और उद्योग स्थापित करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। सरकार का दावा है कि छत्तीसगढ़ ऐसा विधेयक लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। यह कानून प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, डिजिटल और समयबद्ध बनाएगा। नए कानून के लागू होने से निवेशकों को सरकारी प्रक्रियाओं में होने वाली अनावश्यक देरी और जटिलताओं से राहत मिलेगी। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही, बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

कई महत्वपूर्ण विधेयक शामिल

इस विधेयक में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। इनमें डीम्ड परमिशन, स्व-प्रमाणीकरण और तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रमुख हैं। जोखिम-आधारित निरीक्षण की व्यवस्था भी इसमें शामिल है। दोहरे लाइसेंसिंग दायित्वों को समाप्त करने का प्रावधान भी किया गया है। इन सुधारों से निवेशकों के लिए कारोबारी माहौल अधिक अनुकूल बनेगा।

राज्य शासन ने जारी की आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची

डॉ. देवांगन का तबादला, 2015 बैच के आईएएस विजय दयाराम होंगे कलेक्टर

▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादला आदेश जारी करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले के कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन का तबादला कर दिया है। शासन के आदेश के अनुसार वर्ष 2015 बैच के आईएएस अधिकारी विजय दयाराम को जीपीएम जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। विजय दयाराम का जीपीएम जिले से पुराना जुड़ाव रहा है। वे वर्ष 2018 में पेंड्रारोड में अतिरिक्त कलेक्टर (एडीएम) के रूप में पदस्थापना हुई थी। उस दौरान उन्होंने राजस्व प्रशासन, कानून-व्यवस्था, निर्वाचन, आपदा प्रबंधन तथा विभिन्न विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिले की भौगोलिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिस्थितियों से उनकी अच्छी जानकारी होने के कारण उनकी नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आदेश होते ही चर्चाओं का दौर शुरू

राज्य शासन द्वारा जारी प्रशासनिक फेरबदल के आदेश के बाद जिले में नए कलेक्टर की नियुक्ति को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी नए कलेक्टर से विकास कार्यों में तेजी और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की उम्मीद है।

सरगांव थाना क्षेत्र की घटना, घायल रेफर

आमने-सामने से टकराईं दो बाइक भतीजा मृत और चाचा घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर चांपा

जिले के ग्राम चोरिया में दो बाइक में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई है। हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजे को गंभीर चोट आई, जिसमें 17 वर्षीय भतीजे मनोज धनवार की मौत हुई है।

वहीं रमेश लाल धनवार गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका जिला अस्पताल जांजगीर में प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया गया है। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना सरगांव थाना क्षेत्र की है। घायल रमेश लाल धनवार ने बताया कि वह अपने पारिवारिक भतीजे मनोज धनवार के साथ बाइक से बम्हनीडीह रिश्तेदार के यहां घूमने गए थे, जिसके बाद वापस अपने गांव चोरिया जा रहे थे इस बीच गांव के गेट के पास ही सामने से आ रही बाइक से टक्कर हुई है। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए चांपा के बीडीएम अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत मृतक घोषित किया है।

आईसी मार्ट पर परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, पुलिस ने मार्ट किया सील

चोरी के आरोप से दुखी नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरिया

कोरिया जिले के बैकुंठपुर में एक 17 वर्षीय छात्रा की आत्महत्या का मामला सामने आने के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद परिजनों ने आईसी मार्ट प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने संबंधित मार्ट को सील कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, छात्रा अपनी बड़ी बहन के साथ आईसी मार्ट में खरीदारी करने गई थी।

परिजनों का आरोप है कि दोनों पर चोरी का आरोप लगाकर काफी देर तक रोका गया। उनसे सामान की सूची बनवाई गई और छात्रा से लिखित रूप में यह स्वीकार भी कराया गया कि उसने और उसकी बहन ने दुकान से चोरी की है।

झूठे आरोप लगाकर प्रताड़ित करने का आरोप

मृतका के पिता, जो पुलिस विभाग में कार्यरत हैं, का कहना है कि जब वे मार्ट पहुंचे तो उनसे पहले 20 हजार और बाद में 50 हजार रुपये देने की मांग की गई। उनका यह भी आरोप है कि छात्रा की स्कूटी भी मार्ट प्रबंधन ने अपने कब्जे में रख ली और पैसे दिए बिना लौटाने से इनकार कर दिया। परिवार का कहना है कि इस घटना के बाद छात्रा गहरे मानसिक तनाव में चली गई थी। बुधवार 8 जुलाई को दोपहर में छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि कथित अपमान, दबाव और वसूली की मांग से आहत होकर छात्रा ने यह कदम उठाया।

विज्ञान पार्क, एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नॉलाजी पार्क के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति

मप्र आईटी, आईटीइएस एंड ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी- 2023 का संशोधन प्रस्ताव स्वीकृत

राज्य डेटा सेंटर का होगा आधुनिकीकरण, आईटी एवं डिजास्टर रिकवरी सहित अन्य कार्यों के लिए 800 करोड़ रुपए की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कैबिनेट ने मप्र आईटी, आईटीइएस एंड ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी- 2023 के संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नीति की कंडिका 15, 12.6 और 12.11 में नए प्रावधान प्रतिस्थापित किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य नीति को निवेश प्रोत्साहन विभाग की मप्र इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी अनुरूप बनाकर ईएसडीएम इकाइयों के लिए अधिक आकर्षक एवं अनुकूल बनाई गई है। इस नीति के तहत निवेशकर्ता एवं प्रदेश को लाभ प्राप्त हो सकेगा। कैबिनेट से मिली स्वीकृति अनुसार यदि कोई पुरानी आईटी या डेटा सेंटर कंपनी अपना काम बढ़ाना चाहती है, तो उसे अपने मौजूदा निवेश में कम से कम 30% और पैसा लगाना होगा, या अपनी जगह का एरिया 30% बढ़ाना होगा।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाली (ईएसडीएम) कंपनियों को मशीनों में कम से कम 30% (न्यूनतम 15 करोड़ रुपए) या 50 करोड़ रुपए (जो भी कम हो) का नया निवेश करना होगा और उत्पादन क्षमता 20% बढ़ानी होगी। ऐसा करने पर इन सभी कंपनियों को नई कंपनी की तरह ही सरकारी मदद मिलेगी।

बैठक में मंत्रियों से विचार-विमर्श करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

जमीन मिलने की प्रक्रिया को ऑनलाइन और आसान बनाया

जमीन मिलने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन और आसान बनाया गया है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे जाएंगे। अगर एक ही जमीन के लिए एक से ज्यादा कंपनियां आवेदन करेंगी, तो ऑनलाइन बोली (ई-बिडिंग) लगाई जाएगी। हालांकि, बहुत बड़े प्रोजेक्ट्स (मेगा प्रोजेक्ट) को इस बोली से छूट मिलेगी और उन्हें 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर सीधे जमीन मिल सकेगी। कंपनियां एमपीआइडीसी या अन्य सरकारी विभागों की जमीन भी ले सकती हैं, लेकिन किराया और बाकी शर्तें उसी विभाग के नियमों के मुताबिक ही तय होंगी।

युवाओं को उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान के अवसर मिलेंगे

उज्जैन स्थित आचार्य वराह मिहिर न्यास परिसर में अत्याधुनिक तारामंडल एवं खगोलीय वेधशाला स्थापित की जा रही है। इसमें एक मीटर ऑप्टिकल टेलीस्कोप एवं 4.5 मीटर रेडियो टेलीस्कोप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। विज्ञान पार्क संबंधी योजना खगोल विज्ञान के अध्ययन, अनुसंधान एवं जन-जागरुकता को बढ़ावा देने के साथ समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा अंधविश्वासों के निराकरण में भूमिका निभाएगी। यह उज्जैन को राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख खगोलीय अनुसंधान एवं विज्ञान प्रसार केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

विज्ञान पार्क: एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना के लिए 123 करोड़ की मंजूरी

कैबिनेट ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत विज्ञान पार्क, एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नालॉजी पार्क की स्थापना एवं आगामी 5 वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 की अवधि के लिए संचालन की निरंतरता के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति दी है। इस अनुसार विज्ञान पार्क की स्थापना संबंधी योजना के लिए 39 करोड़ 39 लाख रुपए, एकल नागरिकता डाटाबेस के लिए 75 करोड़ और बॉयो टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना और संचालन संबंधी योजनाओं के लिए 8 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है।

डीबीटी प्रक्रियाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

एससीडी परियोजना के साथ-साथ परिचय परियोजना के माध्यम से आधार आधारित ऑथेंटिकेशन एवं ई-केवाईसी सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे डीबीटी प्रक्रियाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है। दोनों परियोजनाएं डेटा समेकन, आधार प्रमाणीकरण एवं विभागीय डेटा साझाकरण के माध्यम से राज्य की ई-गवर्नेंस व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। भविष्य की डिजिटल गवर्नेंस प्रणाली एवं विजन<\@>2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मप्र बॉयो टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना तथा संचालन से संबंधित योजना का उद्देश्य प्रदेश में बॉयो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना है। भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की नेशनल बॉयो टेक्नोलॉजी पार्क स्कीम के अंतर्गत संचालित इस योजना के तहत स्टार्ट-अप, नवोन्मेषकों तथा सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमियों को इन्क्यूबेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

7 महीने बाद जन नायकन की रिलीज डेट पर लगी मुहर...

नई दिल्ली। सी. जोसेफ विजय उर्फ थलापति विजय अब तमिलनाडु के सीएम बन चुके हैं। राजनीति में आने से पहले ही अभिनेता ने खुलासा कर दिया था कि वह अभिनय छोड़ रहे हैं और उनकी आखिरी फिल्म जन नायकन है। चुनाव से पहले ही जन नायकन रिलीज होने वाली थी। मगर अटक गई। अब करीब 7 महीने बाद अभिनेता की आखिरी फिल्म बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। इसे सेंसर बोर्ड से कुछ दिन पहले ही हरी झंडी मिली थी। कनाडा में इसे यॉर्क सिनेमा के द्वारा रिलीज की जाएगी। 24 जुलाई से पर्दे पर धमाल मचेगा। थिएटर में जबरदस्त जश्न के लिए तैयार हो जाइए।

लाइफ Style

प्रियामणि

गोलमाल 5 में निभाएंगी विलेन का किरदार

रोहित शेट्टी 'गोलमाल 5' के साथ इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में फिर से वापसी कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार फिल्म में अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है। वहीं, शरमन जोशी की वापसी हुई है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मेकर्स दर्शकों को कास्टिंग से जुड़े एक चौंकाने वाले ट्विस्ट से हैरान करने के लिए तैयार हैं। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में द फैमिली मैन और शाहरुख खान की जवान फेम एक्ट्रेस प्रियामणि की भी एंट्री हुई है। प्रियामणि फिल्म में एक नेगेटिव रोल में नजर आएंगी, जो उनके पिछले किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रियामणि 'गोलमाल 5' में एक नेगेटिव किरदार निभाएंगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि इस कास्टिंग से कॉमेडी फ्रैंचाइजी में कुछ नयापन आएगा। अपनी अलग-अलग तरह की भूमिकाओं के लिए मशहूर, नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली इस एक्ट्रेस ने ज्यादातर इमोशनल और दमदार किरदार निभाए हैं। फिल्म की मुख्य विलेन के तौर पर उनका यह नया रूप रोहित शेट्टी की कॉमेडी और मस्ती-मजाक वाली फिल्मों में एक नया रंग जोड़ सकता है। रोहित शेट्टी के साथ प्रियामणि का यह पहला काम नहीं है। इससे पहले वह शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के जबरदस्त डांस नंबर '1 2 3 4 गेट ऑन द डांस फ्लोर' में नजर आ चुकी हैं।

हॉलीवुड मसाला

इट्स ए... गाने से मिली थी शोहरत

लॉस एंजिल्स। टोटल एक्लिप्स ऑफ द हार्ट जैसे चर्चित गाने की सिंगर बॉनी टायलर का निधन हो गया है। 75 साल की उम्र में इस हॉलीवुड सिंगर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। टल एक्लिप्स ऑफ द हार्ट और होल्डिंग आउट फॉर ए हीरो जैसे कई हिट सॉन्ग गाने वाली बॉनी टायलर की आज भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। 8 जून, 1951 को वेल्स में जन्मीं बॉनी टायलर का असल नाम गेनर हॉपकिंस था। वह अपनी जादुई आवाज के लिए जानी जाती थीं। उनके गाने म्यूजिक चार्ट्स में टॉप पर बने रहते थे। 1977 में इट्स ए हार्टएक गाने से बॉनी को खूब शोहरत मिली।

एमी अवॉर्ड्स : द पिट को सबसे अधिक 25 नॉमिनेशन

लॉस एंजिल्स। एमी अवॉर्ड्स को टीवी की दुनिया में सबसे सम्मानित पुरस्कार माना जाता है। साल 2026 के लिए एमी अवॉर्ड के लिए नामांकनों का ऐलान हो चुका है। इस सूची में सबसे ज्यादा श्रेणियों में नॉमिनेशन के साथ मेडिकल ड्रामा सीरीज 'द पिट' सबसे आगे है। 'द पिट' को कुल 25 नामांकन हासिल हुए हैं। इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा की 'हेड्स ऑफ स्टेट' ने भी जगह बना ली है। वहीं, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की लिस्ट में जेंडाया का नाम है। इसके अलावा और किस-किसको नॉमिनेशन में जगह मिली है? बीते दिन बुधवार को अभिनेत्री लिजा कोलोन-जायस और अभिनेता जेफ हिलर ने 2026 प्राइमटाइम एमी अवॉर्ड्स के नॉमिनेशन की घोषणा की। इस लिस्ट में 'द बियर', 'हैक्स', 'द पिट' और 'स्लो हॉर्सेस' जैसे बड़े कॉमेडी, ड्रामा और एंथोलॉजी शो शामिल हैं।

रहमान ने की सोनू की तारीफ...

मुंबई। मशहूर संगीतकार एआर रहमान ने अपनी आने वाली फिल्म बंटवारा 1947 के एक गाने के लिए सिंगर सोनू निगम के साथ काम किया है। रहमान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी खुशी जाहिर की है। फिल्म बंटवारा 1947 के गाने 'ओह तबस्सुम' को सोनू निगम ने गाया है। एआर रहमान ने एक्स हैंडल पर सोनू की जमकर तारीफ की है। रहमान ने सोनू से पूछा, 'भाई, गाते समय अपनी आवाज में इतना रोमांस कैसे ले आते हों।' 'बंटवारा 1947' असगर वजाहत के मशहूर नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई' पर आधारित है। कहानी देश के बंटवारे के समय एक हिंदू परिवार की है, जिसे लाहौर आना पड़ता है। वहां उन्हें एक हवेली मिलती है, जहां पहले से ही एक बुजुर्ग मुस्लिम महिला रह रही होती हैं। यह फिल्म राजनीति के बजाय मानवीय रिश्तों और दर्द को दिखाती है।

'भाई तेरा स्टार है' का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। 'भाई तेरा स्टार है' का मजेदार ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में राघव लंदन में रहने वाले एक ऐसे एक्टर के रोल में हैं, जो काम पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। फिल्म की ताकत राघव जुयाल का स्वाभाविक मजाकिया अंदाज और उनकी दमदार कॉमिक टाइमिंग है। ट्रेलर के कई सींस काफी मजेदार हैं, जिनमें राघव की एनर्जी देखने लायक है। राघव ने कई लोगों से उधार ले रखा है। जब लोग अपने पैसे मांगते हैं, तो वह अपनी एक्टिंग के दम पर झूठी कहानियां बनाता है और बचने के तरीके ढूंढता है। कर्जों से निपटने का उनका यह अंदाज बेहद मजेदार है। फिल्म में राघव को कर्ज देने वाले एक व्यक्ति का किरदार मशहूर अभिनेता संजय कपूर निभा रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी मसाला

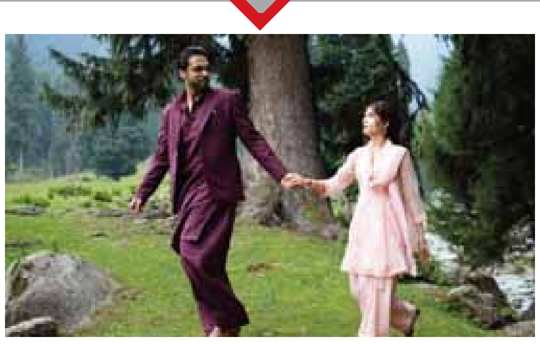

'सेहर होने को है' 7 साल के लीप के साथ, भविका बनीं सेहर

मुंबई। महेर फीवर अब एक नए शिखर पर पहुंचने वाला है, क्योंकि कलर्स का ड्रामा 'सेहर होने को है' सात साल का लीप लेकर आ गया है, जिसमें भविका शर्मा टाइटल रोल निभा रही हैं। जुदाई के इस लंबे दौर ने इन स्टार-क्रॉस्ड लवर्स (महिद और सेहर, पार्थ समथान और भविका द्वारा निभाए गए किरदार) की किस्मतें बदल दी हैं। दोनों अब बिल्कुल अलग इंसान बन चुके हैं, जिन्हें एक अनसुलझी त्रासदी ने बांध रखा है। सेहर ने अपने बचपन के सपने पूरे कर लिए हैं। उसने एमबीबीएस डिस्टिंक्शन के साथ पूरा किया है और अब वह डॉ. सेहर कौसर बैग है एक शानदार न्यूरोलॉजी रेजिडेंट। उसके लिए मेडिसिन उसकी मां कौसर से किया गया एक पवित्र वादा है। लेकिन, आत्मविश्वास के पीछे उसका टूटा हुआ दिल छिपा है। वह महिद से नफरत करती है और अपनी मां की मौत के लिए उसे जिम्मेदार मानती है। इस बीच, महिद एक सम्मानित मुफ़्ती के पद पर पहुंच चुका है। उसकी सधी हुई शख्सियत के पीछे एक ऐसा मन छिपा है जो गहरे ट्रॉमा से टूट रहा है। वह खुद को अपनी मां और कौसर दोनों की रक्षा न कर पाने के लिए दोषी मानता है। यह जानकर कि सेहर अपनी मां की मौत के लिए उसे जिम्मेदार ठहराती है, उसे हर दिन सताता है। यही अपराधबोध उसे कठोर आत्म-दंड की ओर धकेलता है। इस बर्बादी को परछाइयों से देख रही है हुस्ना, जो अपनी रची हुई चालाकियों की जीत का जश्न मना रही है। लेकिन किस्मत सेहर को फिर से नियाज़ी मंज़िल में खींच लाती है, जहां उसे उस इंसान का सामना करना पड़ता है जिससे वह सात साल से दूर भाग रही थी।

'आज दुनिया खामोश हो गई'

मुंबई। मशहूर टीवी होस्ट और बॉलीवुड एक्टर मनीष पॉल की मां उर्मिल पॉल का 77 साल की उम्र में दिल्ली में निधन हो गया। मनीष ने मां के निधन के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद ही इमोशनल पोस्ट साझा किया है। इसके साथ ही अभिनेता ने अपने प्रशंसकों से अपनी मां की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है। मां के जाने से दुखी मनीष पॉल ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। मनीष ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ कई तस्वीरें साझा की हैं।

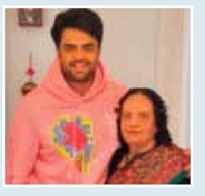

इसके साथ ही मनीष ने कैप्शन में लिखा, 'आज दुनिया कुछ ज्यादा खामोश है'। मनीष ने अपनी मां को याद करते हुए लिखा कि आज उन्होंने अपनी मां को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। उन्होंने अपनी मां को अपना पहला घर, सबसे बड़ा सहारा और दुनिया की सबसे मजबूत महिला बताया। मनीष ने आगे लिखा, 'शब्द कभी यह नहीं बता सकते कि मेरी मां मेरे लिए क्या थीं और उनके जाने से जिंदगी में कितना बड़ा खालीपन आ गया है।

21 साल पहले भारत में बैन हो गई थी ये फिल्म, अक्षय थे इसका हिस्सा...

नई दिल्ली। इन दिनों दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी से हटाए जाने पर बवाल मचा हुआ। हालांकि, इससे पहले भी कई फिल्मों को भारत में बैन करना पड़ गया है, जिनमें से एक 21 साल पुरानी विवादित फिल्म भी शामिल है। 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरीं। एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर में भी गई। मगर भारत में फिल्म की रिलीज पर घमासान मचा रहा। भारत में फिल्म आई भी लेकिन इसे हटा दिया गया और फिर बैन कर दिया गया।

खूब बवाल मचा था बवाल : जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, वो है दीपा मेहता की ट्रिलॉजी की तीसरी कड़ी वॉटर मूवी की। फिल्म में जॉन अब्राहम, लीजा रे, सीमा बिस्वास, सरला और मनोरमा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म इंडियन-कैनेडियन फिल्ममेकर दीपा मेहता ने बनाया। जब यह फिल्म बन रही थी, तब इस पर खूब बवाल मचा था। आलम यह था कि फिल्म का सेट भी जला दिया गया था।

फिल्म को लेकर भड़के थे लोग : फिल्म की शूटिंग वाराणसी में की जानी थी, लेकिन फायर मूवी (दो लेस्बियन पर आधारित) को लेकर पहले से ही विवादों में घिरीं दीपा मेहता की अगली फिल्म वॉटर की शूटिंग का पता चला तो कुछ लोग प्रदर्शन करने लगे। इस फिल्म को एंटी-हिंदू बताया गया और सेट जला दिया गया। इस बवाल के चलते फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया। उस वक्त अक्षय इसकी शूटिंग करने वाले थे।

अक्षय बनने वाले थे लीड हीरो : एक बातचीत में दीपा ने रिवील किया था कि वॉटर फिल्म की असली स्टार कास्ट पहले अक्षय कुमार, शबाना आजमी और नंदिता थे। मगर बवाल मचने के बाद फिल्म 3-4 साल बाद रुकी रही। फिर नई कास्ट के साथ फिल्म को श्रीलंका में शूट किया गया। यह फिल्म भारत में तो बैन रही, लेकिन विदेश में इसे सराहा गया।

क्या है फिल्म की कहानी?

1938 में सेट फिल्म की कहानी विधवा महिलाओं की दुर्गति को दिखाता है। कहानी 'चुइया' नाम की 8 साल की लड़की के बारे में है जो विधवा हो जाती है और उसे प्रायश्चित करने के लिए एक आश्रम में भेज दिया जाता है। उससे उम्मीद की जाती है कि वह अपनी बाकी जिंदगी सादगी और प्रार्थना में बिताएगी।

आज सिनेमाघरों में रिलीज होंगी तीन फिल्में, दो अंग्रेजी फिल्में हिंदी वर्जन में

नई दिल्ली। शुक्रवार को हिंदी के दर्शकों को सिनेमाघरों में तीन नई फिल्मों का तोहफा मिलने वाला है। हफ्ते की सबसे बड़ी रिलीज 'धमाल 4' है, जो फ्रैंचाइजी की चौथी फिल्म है। इसी के साथ दो अंग्रेजी फिल्में भी हिंदी डब वर्जन में बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली हैं। शुक्रवार को ही हॉरर फिल्म 'ईविल डेड बर्न' भी रिलीज हो रही है, जो 'ईविल डेड फ्रैंचाइजी' की छठी मूवी है। दूसरी ओर, ड्वेन जॉनसन और कैथरीन लागाइया की 'मोआना' रिलीज हो रही है, जो डिज्नी के पॉपुलर एनिमेशन फ्रैंचाइजी की पहली लाइव-एक्शन फिल्म है।

धमाल 4 : हिंदी के दर्शकों के लिए इस हफ्ते की सबसे बड़ी रिलीज धमाल4 है, जिसे इंद्र कुमार ने डायरेक्ट किया है। यह 'धमाल फ्रैंचाइजी' की चौथी एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है। टी-सीरीज फिल्म्स, पैनोरमा स्टूडियोज, और देवगन फिल्म्स के साथ मारुति इंटरनेशनल ने इसे प्रोड्यूस किया है। फ्रैंचाइजी की पिछली तीन फिल्में धमाल (2007), डबल धमाल (2011) और टोटल धमाल (2019) बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थीं। अब इस चौथी फिल्म से भी

यही उम्मीदें हैं। धमाल 4 में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख, ईशा गुप्ता और विजय पाटकर हैं।

मोआना : मोआना एक अमेरिकी म्यूजिकल एडवेंचर फिल्म है, जो डिज्नी एनिमेशन की 2016 की इसी नाम की फिल्म का लाइव-एक्शन वर्जन है। मतलब कि पिछली फिल्म जहां एनिमेशन थी, इस बार इसमें एक्टर-एक्ट्रेसेस पॉपुलर किरदार निभाते नजर आएंगे। 'मोआना फ्रैंचाइजी' की इस तीसरी और पहली लाइव-एक्शन फिल्म को थॉमस काइल ने डायरेक्ट किया है। कहानी जेरेड बुश और डाना लेडौक्स मिलर ने लिखी है। इसमें ड्वेन जॉनसन के साथ कैथरीन लागाइया लीड रोल में हैं। यह कैथरीन की डेब्यू फिल्म है। कहानी के केंद्र में मोआना है, जो मोटुनुई द्वीप की एक बहादुर युवा लड़की है और जो समुद्र की पुकार सुन सकती है। वह डेमीगॉड माउई को खोजने के लिए अपना कबीला, अपना घर छोड़ती है। मोआना भी शुक्रवार 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। आप इसे हिंदी डब वर्जन में भी देख सकते हैं।

ईविल डेड बर्न : ईविल डेड बर्न एक अमेरिकी सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म है। इसे सेबेस्टियन वानिचेक और फ्लोरेंट बर्नार्ड ने डायरेक्ट किया है। इन्हीं दोनों ने फिल्म की कहानी भी लिखी है। यह 'ईविल डेड' (2013) और 'ईविल डेड राइज' (2023) की एक स्टैंडअलोन सीक्वल है। इसमें सुहेला याकूब, टैंडी राइट, हंटर डूहान, लुसियाने बुकानन, एरॉल शैंड और मौड डेवी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'ईविल डेड बर्न' वैसे तो मूल रूप से अंग्रेजी फिल्म है, लेकिन 10 जुलाई को यह सिनेमाघरों में हिंदी डब वर्जन में भी रिलीज हो रही है।

इक्का से बाल्टी तक, रिलीज की कतार में ये फिल्में और सीरीज

इस वीकएंड ओटीटी पर होगी एंटरटेनमेंट की झमाझम बरसात

नई दिल्ली। बरसात वाला मौसम आ गया है। बारिश भी आ गई है। इस झमाझम बारिश के बीच वीकएंड ने भी दस्तक दे दी है। एक तरफ सिनेमाघरों में कई फिल्में सजी हुई हैं। मगर, मौसम का मिजाज देखकर अगर घर बैठे ही ओटीटी पर कुछ देखना है, तो उसके लिए भी बढ़िया इंतजाम है।

इक्का

सनी देओल और अक्षय खन्ना अभिनीत यह इस सप्ताह रिलीज होने वाली सबसे चर्चित फिल्म है। इसके जरिए सनी देओल ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'इक्का' में सनी देओल वकील की भूमिका में हैं। दीया मिर्जा का भी अहम रोल है। सनी देओल का वह अंदाज देखने को मिल सकता है, जो फिल्म 'दामिनी' में मिला था। फिल्म 'इक्का' 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

पेद्दी

राम चरण और जान्हवी कपूर की अदाकारी से सजी साउथ की फिल्म ने सिनेमाघरों में खूब धूम मचाया है। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसमें एक ऐसे खिलाड़ी की कहानी दिखाई गई है जो कई खेल में माहिर है। वह अपने गांव का नाम रौशन करना चाहता है, मगर राजनीति उसके आड़े आती है। यह फिल्म 9 जुलाई गुरुवार से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है।

पति पत्नी और वो दो

आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने को तैयार है। थिएटर्स में इसे दर्शकों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। आयुष्मान खुराना ने इसमें ऐसे शख्स का किरदार निभाया है, जो शादीशुदा है। उसकी मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब वह दूसरी लड़कियों से मिलता है। यह फिल्म 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बाल्टी

अगर स्पोर्ट्स ड्राम फिल्मों में आपकी दिलचस्पी है तो इसे देखें। फिल्म 'बाल्टी' चार कबड्डी के खिलाड़ियों पर आधारित है। उन्हें एक गैंग परेशान करता है। यह फिल्म मलयालम भाषा में रिलीज हुई थी। इसे हिंदी में भी डब किया गया है। इसे 10 जुलाई से सोनी लिव पर देखा जा सकता है।

परिमाला एंड कंपनी

तमिल भाषा की फिल्म 'परिमाला एंड कंपनी' एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर है। इसमें सस्पेंस, फैमिली ड्रामा और ह्यूमर है। इसे पंडिराज ने डायरेक्ट किया है। इसमें जयराम, संजना कृष्णमूर्ति और अनंथिका सनिलकुमार हैं। यह फिल्म 10 जुलाई से जी 5 पर स्ट्रीम होगी।

आई एम नॉट अफरेड

मिस्ट्री ड्रामा वेब सीरीज 'आई एम नॉट अफरेड' में एक ऐसे लड़के की कहानी दिखाई गई है, जिसे अपने घर के पास एक लड़का जमीन के नीचे बंद मिलता है। वह उस लड़के की मदद करता है। हालांकि उसका परिवार उसके खिलाफ रहता है। यह सीरीज 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

खबर संक्षेप

तनिष्क ने पेश की एक्सक्लूसिव ज्वेलरी

पेरिस। ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क नेचुरल डायमंड्स और अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फैशन डिजाइनर राहुल मिश्रा ने पेरिस कूटूर वीक 2026 में अपना पहला एक्सक्लूसिव कूटूर ज्वेलरी कलेक्शन लांच किया। यह सहयोग भारत के प्रमुख ज्वेलरी हाउस और देश के अग्रणी फैशन डिज़ाइनर के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है। कंपनी के अनुसार, यह कलेक्शन ओट कूटूर और हाई ज्वेलरी का अनूठा संगम है, जिसमें आधुनिक भारतीय लग्जरी को नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया है।

टिंकूज ने जोमैटो के साथ की साझेदारी

इंदौर। लोकप्रिय कैफे ब्रांड टिंकूज ने जोमैटो के साथ साझेदारी के बाद अपने कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के अनुसार, ब्रांड के सालाना ऑर्डर में लगभग 2.6 गुना बढ़ोतरी हुई है। 1997 में स्थापित टिंकूज आज शहर में 10 आउटलेट्स के साथ अपने सिग्नेचर सैंडविच, कॉफी और ग्राहक-केंद्रित सेवा के लिए पहचान बना चुका है। टिंकूज के संस्थापक हेमंत कौल ने कहा ग्राहकों के बदलते स्वाद और पसंद को ध्यान में रखकर की गई थी। जोमैटो के सीईओ आदित्य मंगला ने कहा कि टिंकूज जैसे स्थानीय ब्रांड को अपनी मूल पहचान हुए है।

मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 14 को

मुंबई। मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपने आईपीओ को मंगलवार, 14 जुलाई 2026 से खोलने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य अपर प्राइस बैंड पर 160.33 करोड़ रुपए जुटाने का है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ के तहत 10 अंकित मूल्य वाले 48,44,000 इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इश्यू का प्राइस बैंड 315 से 331 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। यह इश्यू गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को बंद होगा।

15 दिनों में 7 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी

शक्कर में महंगाई की कड़वाहट: एथेनॉल बनाने की सरकारी नीतियों और मानसून की अनिश्चितता से बढ़े भाव

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

गन्ने से एथेनॉल बनाने की सरकारी नीतियों और मानसून की अनिश्चितता के कारण घरेलू बाजार में शक्कर की मिठास में कड़वाहट घुट गई है। वैश्विक आपूर्ति के दबाव के कारण आम उपभोक्ताओं पर महंगाई की मार पड़ रही है। राजधानी के स्थानीय थोक बाजार हनुमानगंज,जुमेराती बाजार में शक्कर के भाव पिछले 15 दिनों में 7 रुपए उछले हैं और गुरुवार का शक्कर के थोक भाव क्वालिटीनुसार 4650 रुपए से 4700 रुपए क्विंटल बोली गई है। जबकि फुटकर में शक्कर के दाम 48 से 50 रुपए किलो के भाव है।

ब्रोकर रमाकांत तिवारी के अनुसार शक्कर की बढ़ती कीमतों का सीधा असर मिठाई, बेकरी, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य उत्पादों की लागत पर पड़ सकता है। त्योहारी सीजन से पहले यदि आपूर्ति की स्थिति नहीं सुधरी, तो उपभोक्ताओं को और अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। हालांकि सरकार का कहना है कि घरेलू आपूर्ति बनाए रखने और बाजार में संतुलन कायम रखने के लिए स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

आगामी त्योहारों में 50 रुपए के पार जा सकते हैं दाम

थोक के साथ खुदरा बाजार में भी चीनी के दाम बढ़े

व्यापारियों के अनुसार, यदि आने वाले दिनों में मानसून सामान्य रहता है और उत्पादन के बेहतर संकेत मिलते हैं, तो कीमतों में कुछ राहत देखने को मिल सकती है, लेकिन यदि मौसम प्रतिकूल रहा, तो थोक के साथ-साथ खुदरा बाजार में भी चीनी के दाम और बढ़ सकते हैं। कारोबारियों का कहना है कि फिलहाल बाजार में चीनी की उपलब्धता सामान्य है, लेकिन बढ़ती लागत और भविष्य की आशंकाओं के चलते व्यापारी सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। उनका मानना है कि त्योहारी सीजन नजदीक आने के साथ मांग बढ़ेगी, जिससे कीमतों पर और असर पड़ सकता है।

शक्कर महंगी होने से मिठाइयों की लागत बढ़ेगी

मिठाई कारोबारी मोहन शर्मा ने कहा कि शक्कर महंगी होने से मिठाइयों की लागत बढ़ेगी, जिसका असर त्योहारी सीजन में ग्राहकों की जेब पर भी पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि यदि सरकार समय रहते स्टॉक सीमा लागू कर जमाखोरी पर नियंत्रण नहीं करती, तो कीमतों में और तेजी आ सकती है। उनका मानना है कि बढ़ती मांग और सीमित उपलब्धता के चलते आने वाले दिनों में शक्कर के दाम नए स्तर पर पहुंच सकते हैं। शक्कर कारोबारी के अनुसार पिछले कुछ हफ्तों में थोक बाजार में चीनी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उनका मानना है कि मानसून को लेकर बनी अनिश्चितता, गन्ने की संभावित कम पैदावार और एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने की बढ़ती मांग के कारण बाजार में कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

गन्ने का बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हो रहा

शक्कर व्यापारी देवानंद सचदेवा ने कहा कि इस बार सामान्य से कम बारिश की आशंका के कारण गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है, जिससे चीनी उत्पादन पर दबाव बनने की संभावना है। इसके साथ ही सरकार की एथेनॉल मिश्रण नीति के तहत गन्ने का एक बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हो रहा है, जिससे चीनी की उपलब्धता पर भी असर पड़ रहा है। आम उपभोक्ताओं की रसोई का जरूरी हिस्सा शक्कर लगातार महंगी होती जा रही है। बीते 15 दिनों में शक्कर के थोक और खुदरा भाव में करीब 7 रुपए प्रति किलो का उछाल दर्ज किया गया है। व्यापारियों और बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार ने स्टॉक सीमा लागू नहीं की, तो आगामी रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और गणेशोत्सव जैसे त्योहारों के दौरान शक्कर के दाम 50 रुपए प्रति किलो से ऊपर पहुंच सकते हैं।

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट ने प्रधानमंत्री समेत तीन केंद्रीय मंत्रियों को भेजा ज्ञापन

डीजल के दाम घटाने और तीन माह टोल टैक्स में राहत की मांग

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के बावजूद देश में डीजल के दामों में अपेक्षित कमी नहीं होने पर ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को ज्ञापन भेजकर डीजल की कीमतों में तत्काल कमी, तीन माह के लिए टोल टैक्स में राहत और ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत अपने उच्च स्तर से घटकर लगभग 68.69 डॉलर प्रति बैरल रह गई हैं, लेकिन इसका लाभ डीजल उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। संगठन का दावा है कि इससे ट्रांसपोर्ट उद्योग, किसान और आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है।

परिवहन व्यवसाय प्रभावित

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सबरवाल, आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी, चेयरमैन सीएल मुकाती के अनुसार देश के अधिकांश छोटे ट्रांसपोर्टर, जिनके पास एक से दस तक व्यावसायिक वाहन हैं, बढ़ती परिचालन लागत, कम मालभाड़े और आर्थिक मंदी के कारण गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। डीजल के साथ-साथ टायर, स्पेयर पार्ट्स, लुब्रिकेंट्स, इंजन ऑयल, बीमा और टोल टैक्स की बढ़ती लागत ने परिवहन व्यवसाय को प्रभावित किया है। वहीं, वाहन ऋण की किस्तें समय पर जमा नहीं होने से कई वाहन मालिकों के खाते एनपीए बनने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। यह भी उल्लेख किया गया है कि कृषि कार्यों में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और डीजल चालित उपकरणों के व्यापक उपयोग के कारण किसानों की लागत लगातार बढ़ रही है। वहीं परिवहन खर्च बढ़ने से खाद्यान्न, फल-सब्जियां, दूध, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर भी असर पड़ रहा है, जिसका सीधा भार आम उपभोक्ताओं पर पड़ता है।

संगठन की प्रमुख मांगें

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के अनुरूप डीजल के दामों में तत्काल कमी।
- तेल कंपनियों के अतिरिक्त लाभ का हिस्सा ट्रांसपोर्टरों, किसानों और आम जनता को राहत के रूप में दिया जाए।
- कमर्शियल वाहन मालिकों के लिए विशेष आर्थिक पैकेज, लोन रीस्ट्रक्चरिंग और ब्याज में राहत।
- राष्ट्रीय एवं राज्यीय टोल प्लाजा पर कम से कम तीन माह के लिए टोल टैक्स वसूली स्थगित की जाए।
- ट्रांसपोर्ट संगठनों, किसान संगठनों और संबंधित हितधारकों के साथ बैठक कर स्थायी समाधान के लिए नीति बनाई जाए।

जीएसटीएटी के जस्टिस वार्ष्णेय से प्रतिनिधिमंडल की भेंट

अपील दायर करने आ रही है दिक्कत बोले-हेल्प डेस्क से समाधान का भरोसा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

बार एट जीएसटी ट्रिब्यूनल भोपाल के प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण, मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष जस्टिस रूपेश चंद्र वार्ष्णेय और सदस्य (न्यायिक) उपेंद्र कुमार सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उनका स्वागत करते हुए जीएसटीएटी में अपील दायर करने के दौरान अपीलकर्ताओं, अधिवक्ताओं और कर सलाहकारों को आ रही समस्याओं से अवगत कराया।

बैठक में जीएसटीएटी के डिप्टी रजिस्ट्रार विनीत कुमार, असिस्टेंट रजिस्ट्रार अमित जैन सहित प्रशासनिक स्टाफ भी मौजूद रहा। इस दौरान अपील प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। सदस्य (न्यायिक) ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि अपीलकर्ता और अधिवक्ता नियमित रूप से जीएसटीएटी पोर्टल का अवलोकन करें तथा वहां उपलब्ध कॉज लिस्ट और आदेशों की जानकारी प्राप्त करें।

उन्होंने कहा कि पोर्टल या अन्य किसी भी तकनीकी समस्या को जीएसटीएटी के संज्ञान में लाया जा सकता है, जिसके समाधान के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। जीएसटीएटी के उपाध्यक्ष जस्टिस रूपेश चंद्र वार्ष्णेय ने अधिवक्ताओं के पावर ऑफ अटॉर्नी और लेटर ऑफ अथॉरिटी को सही तरीके से और पूर्ण रूप से जमा करने के महत्व पर जोर दिया। बैठक में जीएसटीएटी और बार प्रतिनिधिमंडल के बीच बेहतर समन्वय एवं अपील प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने पर सहमति बनी।

लांच हुई नई निसान टेक्टॉन, सी-एसयूवी सेगमेंट में चुनौती

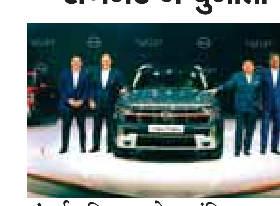

मुंबई। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में आयोजित वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान अपनी नई प्रीमियम सी-एसयूवी निसान टेक्टॉन से पर्दा उठा दिया। कंपनी ने इसे अपने उत्पाद विस्तार अभियान का अहम कदम बताते हुए भारतीय बाजार के सबसे तेजी से बढ़ते एसयूवी सेगमेंट में उतारा है। हालांकि, कंपनी ने फिलहाल इसकी कीमत का खुलासा नहीं किया है और शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से शुरू होकर टॉप वेरिएंट के लिए 18.59 लाख रुपए तक जाती है। नई टेक्टॉन की सबसे बड़ी खासियत इसका 100 प्रतिशत टर्बोचार्ज्ड इंजन लाइन-अप है, जो सभी वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा। एसयूवी में 280 एनएम का टर्बो परफॉर्मेंस, गूगल इन-बिल्टकनेक्टिविटी और 700 लीटर का क्लास-लीडिंग बूट स्पेस जैसे सेगमेंट-लीडिंग फीचर्स दिए गए हैं।

सथलोखर को 75.52 करोड़ रु.का ऑर्डर मिला

चेन्नई। सथलोखर सिनर्जीज ईइंडसी ग्लोबल लिमिटेड ने एमईपी, सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्यों से जुड़े पांच नए ऑर्डर हासिल करने की घोषणा की है। कंपनी ने इससे पहले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए, लगभग 840.22 करोड़ रुपए के कन्फर्म ऑर्डर्स की जानकारी दी थी। अब कंपनी को लगभग 75.52 करोड़ रुपए के अतिरिक्त कन्फर्म ऑर्डर्स प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कंपनी का संशोधित कन्फर्म ऑर्डर बुक बढ़कर लगभग 915.74 करोड़ रुपए हो गया है। इन ऑर्डर्स का निष्पादन अगले 3 से 9 महीनों में किया जाएगा। ये नए ऑर्डर्स फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक सुविधाओं, उपभोक्ता उत्पादों और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में कंपनी की निष्पादन पाइपलाइन को और मजबूत करेंगे।

चार दिन में 15 हजार रुपए सस्ती हुई चांदी सोने की कीमत भी 1.43 लाख रु. के नीचे

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार चौथे दिन गिरावट देखने को मिली है। वैश्विक बाजार में बढ़ती अनिश्चितता, पश्चिम एशिया के तनाव और निवेशकों की बदलती रणनीति का असर कीमती धातुओं पर पड़ा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सितंबर 2026 डिलीवरी वाली चांदी वायदा कीमत करीब 2,000 रुपए की गिरावट के साथ 2,21,502 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। पिछले चार कारोबारी दिनों में चांदी करीब 15,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो चुकी है। वहीं, अगस्त 2026 डिलीवरी वाला सोना वायदा करीब 610 रुपए गिरकर 1,43,101 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत में करीब 10,000 रुपए की गिरावट दर्ज की गई और यह लगभग 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। हालांकि, घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में मामूली तेजी देखने को मिली।

एका मोबिलिटी ने लांच की ईवी स्कूल बस

नई दिल्ली। कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी एका मोबिलिटी ने बस और यात्री परिवहन प्रदर्शनी प्रवास 5.0 में अपनी नई एका 9एम इलेक्ट्रिक स्कूल बस पेश की। गौरतलब है कि कंपनी भारत सरकार की ऑटो पीएलआई योजना के तहत 'चैंपियन ओईएम' श्रेणी में शामिल है। स्कूल परिवहन के लिए विशेष रूप से तैयार की गई एका 9एम इलेक्ट्रिक स्कूल बस, एका के हल्के मोनोकोक प्लेटफॉर्म पर आधारित है। हाई-स्ट्रेंथ स्टील स्ट्रक्चर से लैस यह बस बेहतर सुरक्षा, आरामदायक यात्रा और बेहतर परिचालन क्षमता प्रदान करती है। इसमें ड्राइवर सहित कुल 44 लोगों के बैठने की व्यवस्था है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

हरित ऊर्जा पर टाटा पावर का बड़ा दांव

2030 तक 1 लाख करोड़ राजस्व और 10 हजार करोड़ रुपए मुनाफे का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶मुंबई

टाटा पावर ने वर्ष 2030 तक 1 लाख करोड़ रुपए के राजस्व और 10 हजार करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने वार्षिक आम बैठक में कहा कि कंपनी स्वच्छ और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार कर रही है तथा एनर्जी एज ए सर्विस मॉडल के जरिए उपभोक्ताओं को टिकाऊ ऊर्जा समाधान उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि

कंपनी ने वर्ष 2030 तक 30 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता का लक्ष्य बरकरार रखा है। टाटा पावर बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण, अक्षय ऊर्जा, रूफटॉप सोलर, ईवी चार्जिंग और सौर उपकरण निर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा रही है। कंपनी जल्द ही ओडिशा में नए सौर विनिर्माण संयंत्र की घोषणा भी करेगी। उन्होंने बताया कि एआई आधारित डेटा सेंटरों के विस्तार और बढ़ते तापमान के कारण बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2025 में वैश्विक बिजली की मांग में 3 प्रतिशत और डेटा सेंटरों की बिजली खपत में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रोफेशनल गोल्फ से एयर इंडिया का करार

गुरुग्राम। एअर इंडिया के पुरस्कार विजेता फ्रिक्वेंट फ्लायर प्रोग्राम, महाराजा क्लब ने आज प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत, महाराजा क्लब अगस्त 2026 से अप्रैल 2027 तक पूरे भारत में होने वाले डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर्नामेंट्स के लिए ऑफिशियल ट्रैवल पार्टनर होगा।

शब्द पहेली - 6282

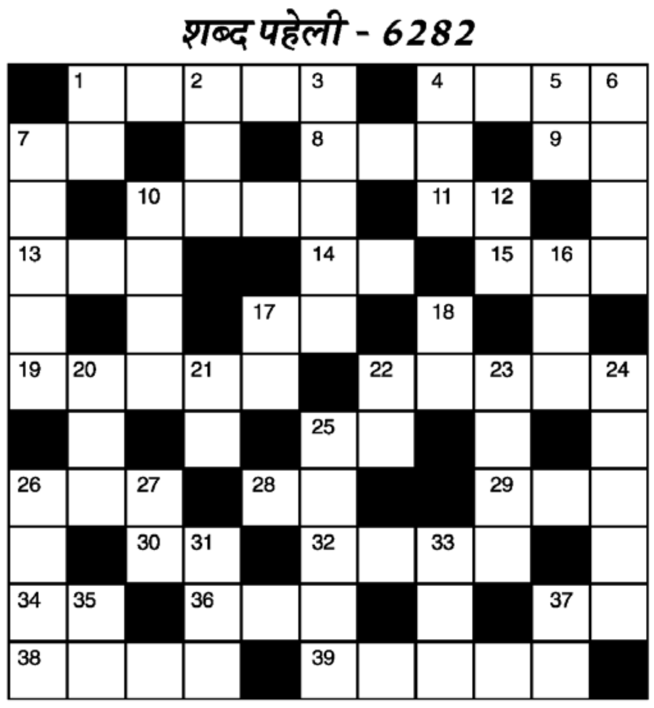

बाएँ से दाएँ
1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे
1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली- 6281 का हल

■	व	र	दा	न	■	म	क	स	द	■
म	■	■	न	■	अ	■	ल	■	■	नि
न	■	व्य	व	हा	र	कु	श	ल	■	य
मा	न	व	■	■	दा	■	■	कि	म	त
नी	■	था	■	आ	स	न	■	र	न	■
■	र	■	हा	रा	■	ह	त्या	■	का	■
■	क	वि	■	म	क	र	■	क	■	रा
ह	म	ला	■	■	ल	■	■	म	वे	शी
वे	■	प	र	व	र	दि	गा	र	■	फ
ली	■	■	स	■	व	■	य	■	■	ल
■	र	ह	म	त	■	घ	ब	रा	ना	■

सूडोकु नवताल - 6292

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6291 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

टेक्नोलॉजी
शिखर चंद जैन

बच्चो, वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीक से युक्त बहुत से ह्यूमेनॉयड रोबोट्स तो बनाए ही हैं, साथ ही कई ऐसे सुपर रोबोट्स भी बनाए हैं, जिनकी आकृति किसी न किसी जीव-जंतु से मिलती-जुलती है। ऐसे ही कुछ 'रोबोट एनिमल्स' के बारे में जानो। साथ ही यह भी जानो कि ये रोबोट्स क्या काम करते हैं?

बड़े काम के हैं ये रोबोट एनिमल्स

बच्चो, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने हाल ही में शनि ग्रह के उपग्रह एंसेलेडस पर पानी और जीवन का पता लगाने के लिए रोबोटिक सांप 'ईल्स' भेजने की प्लानिंग की है। इसका मुख्य उद्देश्य शनि के बर्फीले चंद्रमा एंसेलेडस की गहराई में छिपे रहस्यों का पता लगाना है। बच्चो, यह कोई पहला रोबोटिक एनिमल नहीं है। वैज्ञानिकों ने ईल्स के अलावा भी जीव-जंतुओं के आकार-प्रकार से इंस्पायर होकर कई सारे अद्भुत रोबोट्स बनाए हैं। ये रोबोट्स उन जगहों पर भी जा सकते हैं, जहां इंसान और पहिए वाले रोबोट या ह्यूमेनॉयड रोबोट्स नहीं पहुंच सकते।

बायोनिक व्हील बॉट रोबोटिक मकड़ी

इस बायोनिक व्हील बॉट रोबोटिक मकड़ी को मोरक्कन फ्लिक-फ्लैक मकड़ी से प्रेरित होकर बनाया गया है। यह 8 पैरों वाला रोबोट चलने और पहिए की तरह लुढ़कने दोनों में सक्षम है। यह रोबोट ऊबड़-खाबड़ जमीन पर चल सकता है, प्लेन सरफेस पर लुढ़ककर दोगुनी गति से आगे बढ़ सकता है, साथ ही यह कुछ हद तक चढ़ाई भी कर सकता है। यह अपने 6 पैरों को मोड़कर एक पहिया बनाता है, बाकी 2 पैरों का उपयोग खुद को आगे धकेलने के लिए करता है। इसमें 15 छोटे मोटर्स और 14 ऑटोमैटिक-लॉकिंग वॉर्म गियर यूनिट्स हैं, जो ऊर्जा बचाने में मदद करते हैं। इसमें एक साथ चलने और लुढ़कने की क्षमता मौजूद है। जटिल इलाकों में नेविगेट करने के लिए

कोरलियो रोबोटिक घोड़ा

जापान की कंपनी कावासाकी द्वारा विकसित यह अनोखा रोबोट घोड़े की फुर्ती और बाइक की तकनीक का अनोखा मिश्रण है। इसमें 150 सीसी का हाइड्रोजन इंजन लगा है, जो बिजली पैदा करता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस है, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों, पहाड़ों और बर्फीली सतहों पर गिरते समय भी खुद को संतुलित करने में मदद करता है। इसमें कोई हैंडल नहीं होता। इसकी सवारी करने वाला अपनी बॉडी के वजन को आगे-पीछे या दाएं-बाएं झुकाकर इसे नियंत्रित करता है, ठीक वैसे ही जैसे एक असली घोड़े की सवारी की जाती है। कोरलियो की बॉडी मेटल और कार्बन से बनी है, जो इसे हल्का और मजबूत बनाती है। इसके पैरों में रबर के खुर लगे हैं, जो जमीन पर बेहतर पकड़ प्रदान करते हैं। इसे उन दुर्गम इलाकों के लिए बनाया गया है, जहां पहिए वाले वाहन नहीं पहुंच सकते। *

भारतीय सेना में शामिल रोबोटिक डॉग्स

रोबोटिक डॉग्स चार पैरों वाले स्वचालित या रिमोट-कंट्रोल्ड रोबोट होते हैं, जिन्हें रियल डॉग्स की शारीरिक बनावट और व्यवहार की नकल करके डिजाइन किया गया है। इन्हें 'क्वाड्रूपेड रोबोट' भी कहा जाता है। ये कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने, सीढ़ियां चढ़ने और बाधाओं को पहचानने में सक्षम होते हैं। भारतीय सेना इनका उपयोग दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी और बम निरोधक कार्यों के लिए करती है। हाल ही में 'संजय' और 'परम' जैसे स्वदेशी रोबोटिक डॉग्स को रक्षा क्षेत्र में शामिल करने के लिए परखा गया है। ये रोबोट तेल और गैस संयंत्रों या खतरनाक वातावरण में जाकर उपकरणों की जांच और डेटा एकत्र करते हैं। साथ ही भूकंप या अन्य आपदाओं के बाद, ये मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने में मदद करते हैं, जहां इंसानों का पहुंचना कठिन होता है।

मेंटा रे रोबोटिक मछली

चीन के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मेंटा रे रोबोटिक मछली एक बायो-इंस्पायर्ड सॉफ्ट रोबोट है, जो समुद्र की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को खाने और इसे साफ करने में सक्षम है। यह अनोखी रोबोटिक मछली, वास्तविक मछली जैसा व्यवहार करती है। यह लगभग 13 मिमी. लंबी है। यह रोबोटिक मछली 5 किलोग्राम तक प्लास्टिक अवशोषित कर सकती है। यह बिल्कुल असली मछली की तरह पानी में तैरती है। करीब 2,000 मीटर की गहराई तक जा सकती है। समुद्री जीवों की निगरानी के लिए इसका उपयोग किया जाता है। *

बायोनिक स्विफ्ट रोबोटिक अबाबील

जर्मनी की कंपनी फेस्टो द्वारा बनाया गया यह एक रोबोटिक पक्षी है, जो बिल्कुल 'अबाबील' पक्षी की तरह उड़ता है। इसका वजन मात्र 42 ग्राम है, पंखों का फैलाव 68 सेंटीमीटर है। इसके पंख फोम के बने होते हैं, जो हवा के दबाव के हिसाब से फैलते और सिकुड़ते हैं, जिससे इसे असली पक्षी जैसी उड़ान मिलती है। यह रेडियो सिग्नल की मदद से बिना किसी रिमोट के, अपने आप एक साथ झुंड में उड़ सकता है। इसमें एक छोटी मोटर, बैटरी और सेंसर लगे होते हैं। यह रोबोट हवा में कलाबाजी करने और तेजी से मुड़ने में भी सक्षम है। *

बच्चो, हमारे घरों के ज्यादातर पंखों में तीन ब्लेड लगे होते हैं, जबकि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देशों के पंखों में चार या पांच ब्लेड लगे होते हैं। क्या तुम जानते हो ऐसा क्यों होता है? यहां बता रहे हैं, इसके पीछे की वजह?

क्यों होते हैं भारतीय पंखों में तीन अमेरिकी पंखों में चार-पांच ब्लेड!

यह भी जानो
नयनतारा

बच्चो, तुमने देखा होगा कि हम लोगों के घरों में सीलिंग फैन यानी छत के पंखे में सामान्यतः तीन ब्लेड होते हैं, जबकि अमेरिका सहित कई वेस्टर्न कंट्रीज में प्रायः चार या पांच ब्लेड वाले सीलिंग फैन मिलते हैं। अब तुम्हारे मन में यह सवाल जरूर आ रहा होगा कि भारतीय और अमेरिकी पंखों की ब्लेडों की संख्या में यह अंतर क्यों होता है? जानो, इस बारे में।

पंखे की उपयोगिता: पहले तो तुम यह जान लो कि भारत और अमेरिका में पंखे का इस्तेमाल अलग-अलग मकसद से किया जाता है। अपने देश में साल के ज्यादातर समय मौसम गर्म व उमस भरा रहता है। इस कारण लोगों को तेज हवा के बहाव की जरूरत होती है ताकि तुरंत ठंडक महसूस होने लगे। तेज हवा और ठंडक के लिए भारतीय घरों में पंखे का इस्तेमाल किया जाता है। इसके विपरीत अमेरिका का मौसम भारत की तुलना में ठंडा होता है। इसके साथ ही अमेरिका में अधिकतर घरों में पहले से ही एचवीएसी (हीटिंग वेंटिलेशन एयरकंडीशनिंग) सिस्टम लगे होते हैं, जो मौसम के हिसाब से हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग की सुविधा प्रदान करते हैं। इसलिए यहां सीलिंग फैन का इस्तेमाल आमतौर से कमरे में एचवीएसी वाली हवा को फैलाने के लिए किया जाता है न कि तेज हवा का बहाव बनाने के लिए।

ब्लेडों की संख्या का असर: सीलिंग फैन में लगे ब्लेडों की संख्या उसकी परफॉर्मेंस तय करने में बड़ी भूमिका निभाते है। कम ब्लेड होने से मोटर, फैन को तेजी से घुमाती है। इससे हवा का बहाव नीचे की तरफ ज्यादा तेज हो जाता है। हवा का यह केंद्रीय बहाव लोगों को बिना एयर कंडीशन के भी ठंडक महसूस करने में मदद करता है। अतः तीन ब्लेड वाला डिजाइन तेज रफ्तार से ठंडक देने के लिए सबसे सही माना जाता है।

ब्लेड की संख्या रफ्तार और हवा के प्रतिरोध पर असर डालती है। ज्यादा ब्लेड होने से पंखे का वजन और हवा का प्रतिरोध बढ़ जाता है, जिससे घूमने की रफ्तार कम हो जाती है। ज्यादा ब्लेड हवा को धीरे-धीरे और समान रूप से घुमाते हैं। इससे पूरे कमरे में समान रूप से एयरकंडीशन या एचवीएसी की हवा का वितरण होता है।

अब तुम समझ गए होगे कि आखिर क्यों अपने देश के सीलिंग फैन में ज्यादातर तीन ब्लेड और अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में यूज किए जाने वाले सीलिंग फैंस में चार या पांच ब्लेड का इस्तेमाल किया जाता है। *

कविता / जयश्री साकल्ले

छपाक-छप

छप-छप छप-छप छपाक-छप,
पानी में खेलें हम सब।
भीग रहे सोनू के जूते,
भीग रही नीना की चोटी।
रिमझिम बारिश की बूंदों में,
पते दिखलाते करतब।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीग गए कपड़े रस्सी के,
भीग गए ठेले सब्जी के।
पानी गड्ढों में भर-भरकर,
बना रहा है छोटे कप।

छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीगा-भागा साइकिल वाला,
भीग रहा स्कूटर वाला।
बस और कार की खिड़की पर,
पट-पट पानी की दस्तक।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीग रहा आंगन नानू का,
टपक रहा छप्पर मामू का।
गरम चाय के संग पकौड़े,
अम्मा बना रही है अब।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।

कहानी
नीना सिंह सोलंकी

बरसात आई तो सुरभि वन के पक्षियों के सामने बारिश से बचने की समस्या आ खड़ी हुई। पक्षियों को समझ में ही नहीं आ रहा था कि कहां जाएं? तभी चीची गिलहरी मदद के लिए आगे आई। उसने जो किया, सभी पक्षियों के लिए बहुत बड़ी बात थी।

दोस्ती का फर्ज

चीची गिलहरी सुरभि वन में एक बरगद की खोह में घर बनाकर रहती थी। उसके तीन बच्चे भी उसके साथ रहते थे। उसका घर पूरे वन में मशहूर था। उसने बड़ी मेहनत से इसे बनाया था। बरगद के मोटे तने की खोह में जगह भी काफी थी। उसने तिनके तोड़-तोड़ कर चार कमरे बना रखे थे। एक कमरे में वह दाना इकट्ठा करके रखती थी। दूसरे में नरम घास बिछा कर सोने के लिए इंतजाम किया था। तीसरे में बच्चे सारा दिन खेलते। पड़ोस की टिन्नी गौरैया और मुनमुन मैना के बच्चे भी चीची के बच्चों के साथ खेलते। चौथे कमरे में चीची अपने दोस्तों टिन्नी, मुनमुन, टेंटें तोता और गुटरू कबूतर के साथ गपशप करती। कभी-कभी गपशप बहुत लंबी चलती। वे सब चीची के घर को बहुत पसंद करते थे। कभी किसी को भूख लगती वह सीधा चीची के घर आ जाता। वह उसे प्यार से बिठाती, खिलाती-पिलाती और अच्छी-अच्छी बातें करती।

चीची बारिश का मौसम आने से पहले ही दाना एकत्रित करना प्रारंभ कर देती थी। वह बड़ी दूर-दूर तक दाने की खोज में जाती थी। चीची बच्चों को समझा कर घर से निकलती थी। दाने का स्थान मिल जाने पर सारे दिन दाना ढोती। जब शाम होने लगती, दाना ढोना बंद कर देती। दाना यथास्थान रखकर फिर बच्चों को पेट भर दाना खिलाती। वह अपने बच्चों को खूब प्यार करती थी।

चीची ने बड़ी मेहनत से इस वर्ष फसल कम होने के बावजूद हर वर्ष की भांति ही दाना एकत्रित कर लिया था। बारिश शुरू हो चुकी थी। उस दिन सुबह से ही मौसम कुछ खराब था। आसमान में बादल छाए हुए थे। तेज हवाएं बादलों को उड़ाए लिए जा रही थीं। एकाएक तेज बारिश होने लगी। चारों ओर अंधेरा छा गया। हवा और बारिश ने तूफान का रूप ले लिया। सुरभि वन के सारे पशु-पक्षी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए यहां-वहां दौड़ने लगे। कितने ही वृक्ष उखड़ गए। चीची हिम्मत करके बाहर आई और सभी पक्षियों को अपने घर बुलाने लगी। बरगद का पेड़ मजबूत होने के कारण उसके घर को कोई खतरा नहीं था। टिन्नी, मुनमुन, टेंटें, गुटरू और भी कई दोस्त चीची के यहां अपने बच्चों को लेकर आ गए। अंदर आकर सबने चैन की सांस ली। चीची सबकी आव-भगत में लग गई। मौसम कई दिन बाद खुला। इतने दिन चीची ने सबको अपने घर में ही रखा। सबके भोजन की व्यवस्था की। जब मौसम बिल्कुल साफ हो गया तो सब चीची से विदा लेकर जाने लगे। टिन्नी बोली, 'बहन, तुम न होती तो हम सबका बहुत बुरा हाल हो जाता।'

'चीची, तुमसे अच्छा दोस्त तो कोई हो ही नहीं सकता।' मुनमुन ने भी हां में हां मिलाई।

टेंटें कहने लगा, 'तुम्हारी इस नेकी को हम सब कभी नहीं भूल पाएंगे। तुम्हें भी कभी किसी सहायता की जरूरत हो तो बताना। हम सब तुम्हारे साथ होंगे।'

'कैसे उतारेंगे तुम्हारा यह अहसान। तुम न होती तो हमारे बच्चों का क्या होता?' गुटरू भावुक होते हुए बोला।

सबकी बातें सुनकर चीची हंसते हुए बोली, 'अरे भाई! मैंने किसी पर कोई अहसान नहीं किया। यह तो मेरा फर्ज था। दोस्त यदि संकट में काम न आए तो फिर वो दोस्त ही कैसा।'

'चीची आंटी, हमें तो आपके यहां इतना अच्छा लगा कि घर जाने का मन ही नहीं हो रहा है।' मुनमुन के बच्चों की बात सुनकर सब ठहाका मार कर हंस पड़े। कुछ देर बाद सभी खुशी-खुशी अपने घर वापस चले गए। *

हंसगुल्ले

टीचर : बताओ पिंकी, 6 के बाद क्या आता है?
पिंकी : सर, उस वक्त मेरे घर तो दूध वाले अंकल दूध लेकर आते हैं।
-हर्ष, बिलासपुर

टीचर : सबसे ज्यादा ठंड कहां होती है?
राहुल : सर, फ्रीजर में।
-खुशी, रायपुर

सोना : अच्छा हुआ कि मैं गुजरात में पैदा नहीं हुई।
मोना : क्यों?
सोना : मुझे गुजराती बोलना नहीं आती है न, तो वहां मैं लोगों से बात कैसे कर पाती?
-सौम्य, रोहतक

जीके क्विज-213

1. पिछले दिनों किस दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया?
2. भारतीय वायुसेना के 51वें उप-प्रमुख कौन बने हैं?
3. भारत के 97वें शतरंज ग्रैंड मास्टर कौन बन गए हैं?
4. इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स किस देश के खिलाड़ी हैं?
5. किस युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया था?
6. राज्यसभा के सभापति कौन होते हैं?
7. किस तत्व की उपस्थिति के कारण हमारे खून का रंग लाल होता है?
8. किस गैस को लाफिंग गैस भी कहा जाता है?
9. महात्मा गांधी के पिता का नाम क्या था?
10. रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) नामक बीमारी किस विटामिन की कमी से होती है?

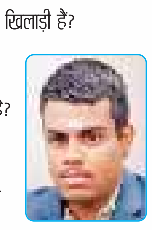

बच्चो, जीके क्विज-213 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-212 का उत्तर: 1 लियोनेल मेसी, 2.रूस, 3.तुषार मेहता, 4.राज्यसभा, 5.चंद्रगुप्त मौर्य, 6.अफ्रीका, 7.कीव, 8.नई दिल्ली, 9.यकृत (लिवर), 10.चार्ल्स बैबेज

जीके क्विज-212 का सही उत्तर देने वाले: वेदिका-बालोद, जियांश-झज्जर, कबीर-हिसार, जिया शिया-रायगढ़, कोमल-रायपुर, शिवम-दुर्ग, शशांक-बिलासपुर, हर्षिता-रोहतक, पूजा-महासमुंद, संजना-बलौदा बाजार, हर्ष-कटनी

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मनोरंजक कहानियां

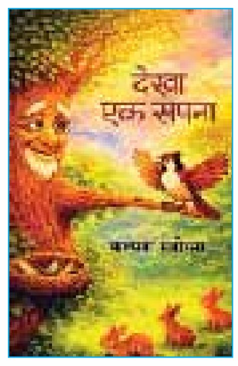

बच्चो, हाल में ही साहित्यकार कल्पना मनोरमा के द्वारा लिखी गई बाल कहानियों की किताब 'देखा एक सपना' छपकर आई है। इस संग्रह में कुल ग्यारह बाल कहानियां संकलित हैं। ये कहानियां कहीं हंसाती हैं, कहीं गुदगुदाती हैं तो कहीं सरल ढंग से कोई सीख देती हैं। इस किताब की पहली कहानी 'देखा एक सपना' में तुम पढ़ोगे कि एक नन्ही सी बुलबुल सपने में पेड़ से कैसी मीठी-मीठी बातें करती है! इस कहानी में विभिन्न ऋतुओं की महत्ता के साथ ही बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रहने की भी सीख दी गई है। यह कहानी तुम्हें अपने पर्यावरण के प्रति सजग और संवेदनशील भी बनाती है। संग्रह में संकलित 'छगन का बांका मुर्गा' नटखट भोला की मजेदार कहानी है, जिसमें तुम पढ़ोगे कि कैसे वह खुद ही सुबह देर से जगने की आदत को छोड़ने को तैयार हो जाता है? दिल्ली स्थित अमृत उद्यान में मुनमुन की मस्ती भरी सैर को तुम 'मुनमुन की सैर' कहानी में पढ़ सकते हो तो पढ़ने में होशियार बच्चा निक्कू क्यों झूठ बोलता है, इसे जानने के लिए तुमको 'निक्कू फेमस हो गया' कहानी पढ़नी होगी। अन्य कहानियों में तुमको कहीं गिलहरी फुदकती नजर आएगी तो कहीं गौरैया की चहक सुनाई पड़ेगी। ये कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही तुम्हें अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सजग भी बनाएंगी। *

किताब : देखा एक सपना (बालकथा संग्रह), **लेखिका :** कल्पना मनोरमा, **मूल्य :** 150 रुपए, **प्रकाशक :** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक गिलहरी अपने कोटर में मूंगफली स्टोर कर रही है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर: 1.गिलहरी के कोटर में पहले से रखी मूंगफली गायब है। 2.पीछे बाईं तरफ पेड़ की पतली टहनी गायब है। 3.गिलहरी की आंखें खुली हुई हैं। 4.गिलहरी के पास कुछ अधिक मूंगफलियां हैं। 5.पेड़ की मोटी टहनी में नीचे की तरफ से पत्तियां गायब हैं।

सही मिलान करो

बच्चो, यहां बाईं तरफ चार अलग-अलग जंतुओं के चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो सीक्वेंस में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

उत्तर : 1-c, 2-d, 3-a, 4-b

यूरोप का दबदबा, 6 टीम अंतिम 8 में, पहली बार ब्राजील-जर्मनी बाहर

पहली बार 48 टीम की भागीदारी में हो रहे विश्व कप में अब आखिरी आठ टीम बची हैं जो 19 जुलाई को फाइनल तक पहुंचने के लिये जोर आजमाइश करेंगी लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है जब क्वार्टर फाइनल में ब्राजील और जर्मनी दोनों नहीं हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सत्रह में से दस विश्व कप में ब्राजील और जर्मनी दोनों क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे हैं। जर्मनी 1938, 1950, 2018 और 2022 में अंतिम आठ में नहीं था जबकि ब्राजील 1934, 1966 और 1990 में नहीं पहुंच सका था लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि दोनों दिग्गज एक साथ अंतिम आठ से गायब हों।

ब्राजील को अंतिम 16 के दौर में नॉर्वे ने और जर्मनी को अंतिम 32 में पराग्वे ने हराया। विश्व कप 1930, 1950, 1974, 1978 और 1982 में क्वार्टर फाइनल नहीं हुए थे।

आठ में से चार टीम ने नहीं जीता है खिताब

इस विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली आठ टीम में से चार पहले भी खिताब जीत चुकी हैं जिनमें अर्जेंटीना ने तीन, फ्रांस ने दो, इंग्लैंड और स्पेन ने एक एक बार ट्रॉफी अपने नाम की है। बेल्जियम और मोरक्को कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं गए। वहीं स्विटजरलैंड 1954 के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और नॉर्वे इससे पहले अंतिम 16 से आगे नहीं गया था। यानी 2010 में स्पेन के बाद पहली बार कोई नया चैम्पियन मिल सकता है।

स्पेन ने अभी तक नहीं गंवाया एक भी गोल

इस बार विश्व कप में स्पेन एकमात्र टीम है जिसका डिफेंस अभेद रहा है और उसने एक भी गोल नहीं गंवाया। गोलकीपर उनाइ सिमोन ने विश्व कप में 600 मिनट से अधिक समय मैदान पर रहकर गोल नहीं गंवाने का रिकॉर्ड बनाया है। ग्रुप चरण में केप वर्दे ने स्पेन को गोलरहित ड्रॉ पर रोका था। स्पेन ने सउदी अरब को 4-0 और उरूग्वे को 1-0 से हराया। अंतिम 32 में आसट्रिया को 3- 0 से और अंतिम 16 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को स्पेन ने 1-0 से हराया। इससे पहले 1990 में इटली की टीम एक भी गोल गंवाये बिना सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

फ्रांस ने निर्धारित समय में ही जीते सारे मैच

खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही कीलियन एमबाप्पे की फ्रांस टीम ने टूर्नामेंट में अभी तक पांचों मैच निर्धारित 90 मिनट के भीतर ही जीते हैं। लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना ने भी पांचों मैच जीते हैं लेकिन केप वर्दे के खिलाफ अंतिम 32 का उसका मुकाबला अतिरिक्त समय तक खिंचा था जिसमें उसने 3-2 से जीत दर्ज की। स्पेन और इंग्लैंड ने चार मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। नॉर्वे ने चार मैच जीते लेकिन फ्रांस ने उसे हराया था। बेल्जियम, मोरक्को और स्विटजरलैंड ने तीन मैच जीते और दो ड्रॉ खेले।

यूरोप के साथ अफ्रीका और अमेरिका की एक-एक टीम

क्वार्टर फाइनल में इस बार यूरोप की छह टीम हैं जबकि चार साल पहले कतर में पांच यूरोपीय टीम अंतिम आठ में थीं। इसके अलावा अफ्रीका की एक (मोरक्को) और दक्षिण अमेरिका (अर्जेंटीना) की एक टीम है। मोरक्को कतर में 2022 विश्व कप में अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम थी। वह लगातार दो विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भी अफ्रीका की पहली टीम बन गई है।

आज से शुरू होंगे क्वार्टर फाइनल के मुकाबले

बोस्टन। फीफा विश्व कप 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। राउंड ऑफ-16 के सभी मुकाबले संपन्न हो चुके हैं और अब क्वार्टर फाइनल के लिए आखिरी 8 टीमें खिताब की दौड़ में बची हुई है। गत विजेता अर्जेंटीना और खिताब की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीमें भी अपने-अपने मैचों के लिए तैयार हैं। इस बीच क्वार्टर फाइनल की सभी टीमें, शेड्यूल और अन्य अहम जानकारी पर एक नजर डालते हैं।

ऐसा है क्वार्टर फाइनल मैच का शेड्यूल

पहला क्वार्टर फाइनल
10 जुलाई को बोस्टन में फ्रांस और मोरक्को के बीच होगा (भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे)।

दूसरा क्वार्टर फाइनल
11 जुलाई को लॉस एंजिल्स में स्पेन और बेल्जियम का मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे से होगा।

तीसरा क्वार्टर फाइनल
12 जुलाई को मियामी में इंग्लैंड का सामना नॉर्वे (भारतीय समयानुसार रात 2:30 बजे) से होगा।

चौथे क्वार्टर फाइनल
12 जुलाई को कैनसस सिटी में अर्जेंटीना का मुकाबला स्विट्जरलैंड से (भारतीय समयानुसार सुबह 6:30 बजे) होना है।

14 से खेले जाएंगे सेमीफाइनल मैच

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल 14 और 15 जुलाई को अर्लिंग्टन और अटलांटा में होंगे। ये दोनों मैच भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे से तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ 19 जुलाई को मियामी में होगा। यह मैच भारतीय समयानुसार रात 2:30 बजे से होगा।

फाइनल 20 को

फीफा विश्व कप का फाइनल मुकाबला ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे से होगा।

ऐसे रहे राउंड ऑफ-16 के परिणाम

अर्जेंटीना ने 0-2 से पीछे होने के बाद शानदार वापसी करते हुए मिस्र को 3-2 से हराया। पांच बार के चैंपियन ब्राजील को नॉर्वे ने एक बड़े उलटफेर में बाहर कर दिया। फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराया था। इंग्लैंड ने मेक्सिको को 3-2 से हराया जबकि स्पेन ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को 1-0 से बाहर कर दिया। बेल्जियम ने सह-मेजबान यूएसए को 4-1 बाहर कर दिया, और स्विट्जरलैंड क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली 8वीं और आखिरी टीम थी।

मैक्सिको-इंग्लैंड मैच ने दर्शक संख्या में अमेरिका में बनाया रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क। फॉक्स नेटवर्क के अनुसार विश्व कप के राउंड 16 में इंग्लैंड और मैक्सिको के बीच मुकाबला अमेरिकी टीम के बिना खेला गया ऐसा विश्व कप मैच बन गया है, जिसे अमेरिका में अंग्रेजी प्रसारण के माध्यम से सबसे अधिक दर्शकों ने देखा। नेटवर्क ने बुधवार को बताया कि रविवार रात मैक्सिको सिटी में औसतन 2.17 करोड़ (21.7 मिलियन) से अधिक दर्शकों ने प्रसारण देखा। इसने 2022 में अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच खेले गए फाइनल का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया जिसे 1.67 करोड़ (16.7 मिलियन) दर्शकों ने देखा था। फॉक्स ने बताया कि रात सवा दस बजे से साढ़े दस बजे के बीच दर्शकों की संख्या 2.57 करोड़ (25.7 मिलियन) से अधिक पहुंच गई। इसके बावजूद अगले दिन खेला गया अमेरिका-बेल्जियम मुकाबला अब भी तीन करोड़ (30 मिलियन) दर्शकों के साथ सबसे अधिक देखा गया विश्व कप मैच बना हुआ है।

विश्व कप फाइनल के हाफटाइम शो में मैडोना शकीरा, बीटीएस व जस्टिन बीबर होंगे शामिल

न्यूयॉर्क। जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा और बीटीएस जैसे स्टार विश्व कप के हाफटाइम शो में प्रस्तुति देंगे। फीफा ने इसकी घोषणा की है। कोल्डप्ले के क्रिस मार्टिन द्वारा तैयार किया गया 11 मिनट का हाफटाइम कार्यक्रम 19 जुलाई को फाइनल मुकाबले के दौरान न्यूयार्क में आयोजित किया जाएगा। यह शो 'फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड' को समर्थन देगा, जो बच्चों को शिक्षा और फुटबॉल तक पहुंच दिलाने के लिए 10

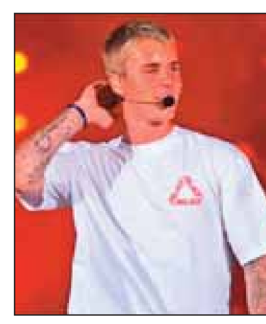

करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटा रहा है। बीबर ने एक बयान में कहा, /"फीफा विश्व कप जिस तरह पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ता है, वैसा कोई और आयोजन नहीं कर सकता। मैं इस हाफटाइम शो का हिस्सा बनकर आभारी हूं और यह जानकर और भी ज्यादा खुशी हो रही है कि इससे पहले से ही दुनिया भर के बच्चों को शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिल रही है।

खबर संक्षेप

मैक्सिको फुटबॉल टीम के कोच बने मारकेज

मैक्सिको सिटी। रफेल मारकेज को विश्व कप 2030 के लिये मैक्सिको फुटबॉल टीम का कोच बनाया गया है। मैक्सिको फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को इसकी घोषणा की कि बार्सीलोना के पूर्व स्टार जेवियर एगिरे की जगह मुख्य कोच बनेंगे। अगस्त 2024 से मारकेज टीम में एगिरे के सहायक थे। मैक्सिको की टीम इंग्लैंड से अंतिम 16 के दौर में हारकर विश्व कप से बाहर हो गई थी। एगिरे ने बतौर खिलाड़ी पांच विश्व कप खेले, 1999 कांफेडरेशन कप जीता और 2003 तथा 2011 में गोल्ड कप खिताब भी अपने नाम किये। मैक्सिको की टीम को अभी कोई मैच नहीं खेलना है लिहाजा मारकेज का पदार्पण सितंबर अक्टूबर में फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान होगा।

होप संभालेंगे वेस्टइंडीज की कमान, 12 से वनडे सीरीज

गयाना। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ खेली जाने वाली 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज के शुरुआती 3 मैचों के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। इसमें 19 साल के कलाई के स्पिनर विटेल लावेस को पहली बार टीम में मौका दिया गया है। लावेस ने अब तक घेरलू क्रिकेट में भी डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट झटके थे। सीडब्ल्यूआई ने इस सीरीज के अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनने का प्रयास किया है। इसकी कमान शाई होप को सौंपी गई है। शिमरोन हेटमायर को टीम में नहीं चुना गया, क्योंकि वो मेजर लीग क्रिकेट में सिएटल ओर्कास की ओर से खेलेंगे।

वाइल्ड कार्डधारी ब्रिटिश खिलाड़ी फेरी विम्बलडन के सेमीफाइनल में

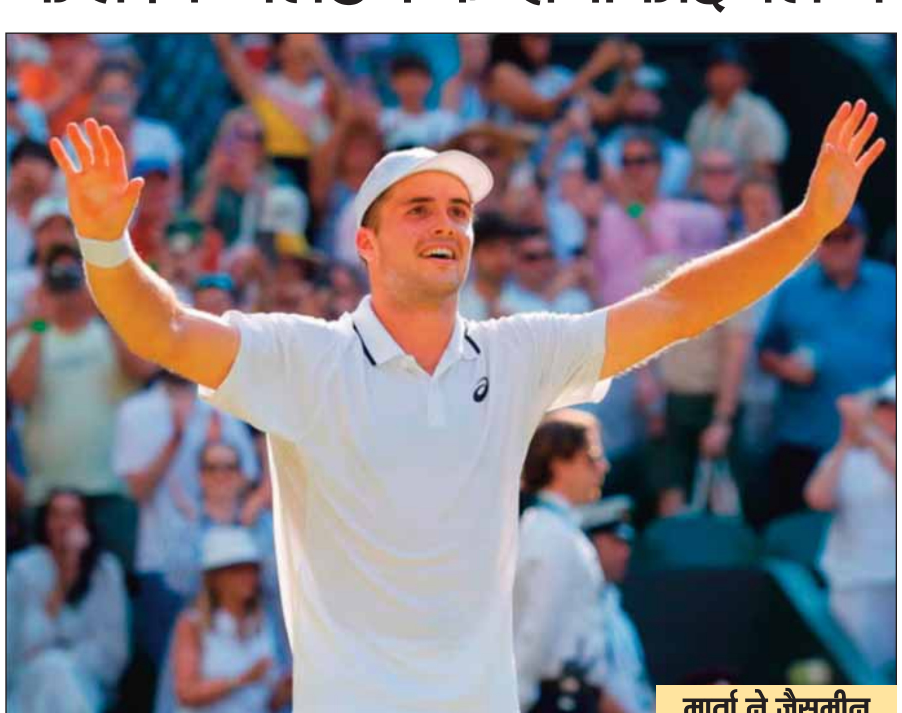

एजेंसी ▶▶| लंदन

विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज ब्रिटेन के वाइल्ड कार्डधारी आर्थर फेरी ने विम्बलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। 23 वर्ष के फेरी ने नौवीं वरीयता प्राप्त फ्लावियो कोबोली को 6-4, 7-6, 6-0 से हराया। इससे पहले पुरूष एकल वर्ग में वाइल्ड कार्ड के जरिये सेमीफाइनल तक पहुंचने का कमाल गोरान इवानीसेविच ने 2001 में किया था। यह मुकाबला देखने के लिये रॉयल बॉक्स में ब्रिटेन की महारानी कैमिला भी मौजूद थी। पहला सेट जीतने के बाद दर्शकों ने खड़े होकर फेरी का अभिवादन किया। उन्होंने टाइब्रेकर में दूसरा सेट जीता और तीसरे सेट में एकतरफा जीत दर्ज की। दूसरे कोर्ट पर अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 6-4, 6-2 से हराया और अब वह फेरी से सेमीफाइनल में खेलेंगे।

मार्ता ने जैसमीन को हराया

महिला वर्ग में मार्ता कोस्तियुक ने जैसमीन पाओलिनी को 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब वह लिंडा नोस्कोवा से खेलेंगी जिन्होंने एलिसे मर्टेंस को 6-3, 7-5 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में कोको गाफ का सामना कैरोलिना मुचोवा से होगा।

ईस्पोटर्स विश्व कप पेरिस में शुरू

आयोजन 23 अगस्त तक

पेरिस। दुनिया के सबसे बड़े ईस्पोटर्स गेमिंग टूर्नामेंट का पहला सत्र ईस्पोटर्स विश्व कप बृहस्पतिवार को पेरिस एक्स्पो पोर्टे डे वर्सेलेस में शुरू हो गया। 23 अगस्त तक चलने वाले टूर्नामेंट में 2000 से अधिक एलीट खिलाड़ी, 100 से अधिक देशों के 200 शीर्ष ईस्पोटर्स क्लब दुनिया के सबसे लोकप्रिय 24 खेलों के 25 टूर्नामेंटों में भाग लेंगे जिसकी ईनामी राशि रिकॉर्ड 716 करोड़ रूपये होगी।इस टूर्नामेंट में क्वालीफिकेशन का कार्यक्रम इतिहास में सबसे बड़ा है जिसमें 15 लाख से ज्यादा खिलाड़ी दुनिया के सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए 330 टूर्नामेंट, पब्लिशर लीग और बड़े अंतरराष्ट्रीय सर्किट में हिस्सा ले रहे हैं।

सौरव गांगुली को कल मिलेगा आईसीसी का बड़ा सम्मान, हॉल ऑफ फेम में होंगे शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के इस पूर्व दिग्गज खिलाड़ी को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा।

गांगुली यह उपलब्धि हासिल करने वाले 12वें भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। आईसीसी हर साल क्रिकेट इतिहास के महान खिलाड़ियों को इस सम्मानित सूची में शामिल करती है। 11 जुलाई को गांगुली को इस बड़ी उपलब्धि से नवाजा जाएगा।

इन खिलाड़ियों को मिला चुका है यह सम्मान

गांगुली से पहले भारत के 11 अन्य खिलाड़ियों को भी इस सूची में शामिल किया जा चुका है। भारत की ओर से नीतू डेविड, वीरेंद्र सहवाग, डियान एडुल्जी, विनोद मांकड़, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, कपिल देव, बिशन सिंह बेदी, महेंद्र सिंह धोनी और सुनील गावस्कर यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। गावस्कर और बिशन सिंह भारत की ओर से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उन्हें यह सम्मान 2009 में मिला था। गांगुली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए 5वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बल्ले से 421 मुकाबलों की 485 पारियों में 18,433 रन निकले हैं।

बटलर टी-20 में विकेट के पीछे पांच कैच लपकने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मुकाबले में विकेट के पीछे 5 कैच लपके। इसके साथ ही वह एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विकेट के पीछे 5 कैच लपकने वाले पहले इंग्लिश विकेटकीपर बन गए। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के ही पूर्व विकेटकीपर मैट प्रायर (4 बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2007) को पीछे छोड़ दिया।

बटलर ने वैभव-अक्षर सहित इन्हें भेजा पैवेलियन

इस मैच में बटलर ने वैभव सूर्यवंशी, अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह के कैच लपककर उन्हें पवेलियन लौटाने में सहयोग किया। इसकी बदौलत इंग्लैंड ने 202 रन रन का लक्ष्य लेकर उतरी भारतीय टीम को 11.4 ओवर में मात्र 76 रनों पर ऑल आउट कर दिया।

विंबलडन

लिएंडर पेस के बाद अर्नव पापरकर ने रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा टेनिस सनसनी अर्नव पापरकर ने खेल जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दरअसल, वह जूनियर विंबलडन के बॉयज सिंगल्स वर्ग में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कामयाब हुए। वह 36 साल बाद इस टूर्नामेंट के इतिहास में अंतिम-8 में पहुंचने वाले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना अमेरिका के जॉर्डन ली के खिलाफ होगा।

अब तक शानदार प्रदर्शन

विंबलडन में अर्नव पापरकर ने पहले दौर में ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी को सीधे सेटों में 6-2. 6-2 से हराया। दूसरे दौर में अमेरिका के विश्व जूनियर नंबर-3 और ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर फाइनलिस्ट कीटन हैंस को 6-2, 6-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इसके बाद भी उन्होंने अपनी जीत की लय बरकरार रखी और प्री-क्वार्टरफाइनल में जापान के यो तबाता को 6-2, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

लिएंडर पेस भी जूनियर वर्ग का खिताब जीता था

पापरकर से पहले जूनियर विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में लिएंडर पेस पहुंचे थे। बता दें कि पेस ने 1990 में इस खिताब पर कब्जा जमाया था। भारतीय टेनिस के इतिहास में रामनाथन कृष्णन 1954 विंबलडन जूनियर बॉयज सिंगल्स जीतने वाले पहले भारतीय और पहले एशियाई खिलाड़ी बने थे। उन्होंने फाइनल में एश्ले कूपर को हराया था। इसके बाद रमेश कृष्णन ने 1979 में फाइनल में डेविड सीगलर को 6-0, 6-2 से हराकर खिताब जीता था।

भारत व इंग्लैंड के बीच पहला महिला टेस्ट क्रिकेट आज से

142 साल में पहली बार लाड्र्स स्टेडियम में होगा महिला टेस्ट क्रिकेट

एजेंसी ▶▶| लाड्र्स

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम और भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बीच आज 10 जुलाई शुक्रवार से शुरू होने वाला महिला टेस्ट मुकाबला ऐतिहासिक होगा। यह लॉड्र्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाने वाला पहला महिला टेस्ट मैच है।

पुरुषों के पहले टेस्ट के 142 साल बाद इस मैदान पर महिला क्रिकेट को जगह मिलेगी। इंग्लैंड ने 1937 से अब तक 19 मैदानों पर 55 टेस्ट खेले हैं और लॉड्र्स उसका 20वां टेस्ट स्थल होगा। टीम ने आखिरी घरेलू टेस्ट 2023 में खेला था।

हाल के दिनों में टेस्ट में दोनों टीमों का प्रदर्शन

टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम ने इस साल सिर्फ एक मुकाबला खेला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वाका में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट में टीम को 10 विकेट से हार मिली थी। यह साल 2006 के बाद 10 टेस्ट में उसकी पहली हार थी। भारत ने 2025 में कोई टेस्ट नहीं खेला था, जबकि 2024 में सिर्फ एक मुकाबला खेला था। वहीं, इंग्लैंड ने अपना पिछला टेस्ट जनवरी 2025 में खेला था, जिसमें उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिली थी।

पुरुषों के टेस्ट से अलग होता है महिला टेस्ट मैच

महिलाओं का टेस्ट मैच 4 दिन का होता है, जबकि पुरुषों का टेस्ट 5 दिन का होता है। इसमें एक दिन में कम से कम 100 ओवर फेंकना अनिवार्य है। वहीं, फॉलोऑन के लिए 200 की जगह 150 रन की बढ़त जरूरी होती है। अब तक सिर्फ 2 महिला टेस्ट मुकाबले 5 दिन तक चले हैं। 2023 एशेज में ट्रेंट ब्रिज पर खेला गया टेस्ट आखिरी 5 दिवसीय मुकाबला हुआ था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 89 रन से जीता था।

टाइगर रिजर्व में अब तक दो हजार कुत्तों का वैक्सीनेशन, बूस्टर डोज की तैयारी

सरकार ने बताया, हाईकोर्ट बोला- सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अक्षरशः पालन हो, सभी टाइगर रिजर्व में वाइल्ड लाइफ वेटरनरी डाक्टर तैनात किए जाएं

हरिभूमि, जबलपुर ।मप्र हाईकोर्ट ने गुरुवार को कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) की आशंका के बीच बाघों की मौत के मामले में राज्य सरकार से विस्तृत जवाब लिया। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच के समक्ष शासन ने बताया कि कान्हा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में अब तक दो हजार कुत्तों का वैक्सीनेशन किया जा चुका है तथा उन्हें बूस्टर डोज देने की तैयारी भी की जा रही है। इस पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि टाइगर रिजर्व से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट के सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

सभी नौ टाइगर रिजर्व पर मांगी रिपोर्ट :

बेंच ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी नौ टाइगर रिजर्व में रिक्त पड़े वाइल्ड लाइफ वेटरनरी डाक्टरों के पद शीघ्र भरे जाएं। साथ ही डाग्स बर्थ कंट्रोल की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कोर्ट ने केवल कान्हा ही नहीं, बल्कि सभी टाइगर रिजर्व में कुत्तों के वैक्सीनेशन और संक्रमण रोकथाम के उपायों पर भी राज्य सरकार से विस्तृत जवाब मांगा। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। मुंबई निवासी अधिवक्ता सुब्रत

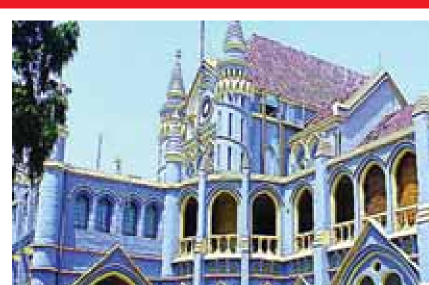

चक्रवर्ती की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि बाघों की सुरक्षा से जुड़े वैधानिक और प्रशासनिक प्रोटोकाल का अक्षरशः पालन होना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह और प्रतीक रूसिया ने पक्ष रखा। जनहित याचिका के अनुसार अप्रैल-मई 2026 के दौरान बाघिन टी-122 (सुनैना), टी-141 (अमाही), उसके चार अर्धवयस्क शावकों, युवा नर बाघ टी-220 (महावीर) सहित कुल आठ बाघों की मौत हुई। याचिका में सीडीवी संक्रमण की आशंका जताते हुए वैज्ञानिक निगरानी, जैव-सुरक्षा और पशु चिकित्सा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई है।

ओबीसी आरक्षण मामलों की सुनवाई अब विशेष बेंच करेगी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में 2019 से लंबित ओबीसी आरक्षण से जुड़े 91 प्रकरणों की सुनवाई के लिए आखिरकार विशेष बेंच का गठन कर दिया गया। एसीजे विवेक रूसिया के अनुमोदन से जारी प्रशासनिक आदेश के अनुसार इन सभी मामलों की सुनवाई अब जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच-दो करेगी। प्रकरण 13 जुलाई से प्रारंभ होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध किए जाएंगे और 15 जुलाई से नियमित सुनवाई शुरू होने की संभावना है। ओबीसी वर्ग की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने 19 फरवरी को विशेष पीठ गठित कर तीन माह के भीतर मामलों के निराकरण का निर्देश दिया था। इसके बाद तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने याचिकाकर्ताओं की सुनवाई पूरी कर राज्य शासन का पक्ष सुनने के लिए 16 जून की तारीख तय की थी। हालांकि, पूर्व सीजे संजीव सचदेवा के सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत होने व जस्टिस विनय सराफ के इंदौर स्थानांतरण के कारण नियमित सुनवाई बाधित हो गई। बाद में 16 और 24 जून को जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस भगवती प्रसाद शर्मा की डिवीजन बेंच ने प्रकरणों की सुनवाई करते हुए 13 जुलाई से शुरू होने वाले सप्ताह में नियमित सुनवाई के निर्देश दिए थे। चूंकि जस्टिस विनय सराफ पहले से इन मामलों की सुनवाई कर चुके हैं, इसलिए न्यायिक निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासनिक आदेश जारी कर उन्हें पुनः जस्टिस आनंद पाठक के साथ विशेष बेंच में नामित किया गया है।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में स्कूटनी पश्चात 91 प्रत्याशियों की सूची जारी

कल नाम बापसी की प्रक्रिया पश्चात तय होंगे प्रत्याशी

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के निर्वाचन सत्र 2026–2028 की निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत गुरुवार को दवा आपत्ति स्कूटनी के पश्चात विभिन्न पदों हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस ठाकुर ने कुल 91 प्रत्याशियों की सूची जारी की । जांच उपरांत पात्र अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस ठाकुर ने बताया कि निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 10 एवं 11 जुलाई 2026 को नाम वापसी की प्रक्रिया संपन्न होगी। नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के पश्चात शेष बचे अभ्यर्थियों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु अभ्यर्थियों को निर्वाचन नियमों के अनुसार क्रमांक (सीरियल नंबर) आवंटित किए जाएंगे। जिला मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं गरिमामय ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी अधिवक्ताओं से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री रजनीश यादव, श्री संजय सोनी, श्री सुभाष शुक्ला, श्री जय सचदेवा, श्री सचिन अग्रवाल, सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

ट्रेन से टकराकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत रेलवे फाटक भेड़ाघाट के पास डाउन ट्रेक में ट्रेन से टकराकर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह लगभग 7 बजे रेलवे फाटक भेड़ाघाट के पास डाउन ट्रेक में ट्रेन से टकराकर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई, जिसकी उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष की होगी। रेल्वे स्टेशन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महेन्द्र बागरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

महिला जज को धमकी के मामले पर डीजीपी ने सुरक्षा इंतजामों का दिया ब्यौरा

14 आरोपितों को उम्रकैद सुनाने के बाद मिली थीं धमकियां

जबलपुर । नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में मांब लिंचिंग व गौहत्या के बहुचर्चित मामले में 14 आरोपितों को उम्रकैद की सजा सुनाने वाली सेशन जज तबस्सुम खान को मिली धमकियों के मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच के समक्ष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से हलफनामा पेश कर महिला न्यायाधीश की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत ब्यौरा दिया गया। महिला न्यायाधीश को धमकियां मिलने की घटना को न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने राज्य सरकार तथा पुलिस विभाग से हलफनामा प्रस्तुत कर यह बताने के निर्देश दिए थे कि न्यायिक अधिकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से बताया गया कि महिला जज को सुरक्षा उपलब्ध करा दी गई है तथा आपत्तिजनक इंटरनेट मीडिया पोस्ट के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई की गई है।पूर्व सुनवाई में हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि फैसले का जवाब अपील है, जज को धमकी नहीं। अदालत ने कहा कि कानून के शासन में असहमति का अधिकार है, लेकिन न्यायाधीश को डराने या दबाव बनाने का अधिकार किसी को नहीं है। न्यायाधीश संविधान, कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निर्णय देते हैं।

तत्काल टिकट आरक्षण हेतु टोकन वितरण की नई व्यवस्था 1 अगस्त से लागू होगी

जबलपुर। यात्रियों को तत्काल टिकट आरक्षण में अधिक सुविधा, पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा तत्काल टिकट हेतु टोकन वितरण की संशोधित व्यवस्था लागू की जा रही है। यह नई व्यवस्था 01 अगस्त 2026 से जबलपुर रेल मंडल सहित पश्चिम मध्य रेलवे के सभी आरक्षण केंद्रों पर प्रभावी होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि नई व्यवस्था के अंतर्गत यात्रियों को दोबारा आरक्षण कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। एसी श्रेणी के लिए टोकन प्रातः 08:30 बजे से 09:00 बजे तक तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 09:00 बजे से 09:30 बजे तक वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक आरक्षण काउंटर पर एसी श्रेणी के लिए 10 तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 15 टोकन जारी किए जाएंगे। आवश्यकता एवं भीड़ की स्थिति को देखते हुए टोकनों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकेगा।

पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी में ठेकेदारों का भुगतान अटका

नए सीएफओ के आते ही वित्तविभाग पर उठे सवाल

हरिभूमि, जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में ठेकेदारों के भुगतान पिछले लगभग एक माह से रुके होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 16 जून से भुगतान प्रक्रिया ठप है, जिससे जबलपुर, रीवा, सीधी, शहडोल, छिंदवाड़ा और सागर संभाग में विद्युत कार्य करने वाले ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ठेकेदारों का कहना है कि वे बारिश, आंधी और आपदा जैसी परिस्थितियों में भी बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम करते हैं, लेकिन उनके ही भुगतान रोक दिए गए हैं। इससे कर्मचारियों के वेतन, सामग्री की खरीद और अन्य संचालन प्रभावित हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार नए मुख्य वित्त अधिकारी (CFO) के कार्यभार संभालने के बाद वित्त विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि भुगतान में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है, जबकि कुछ योजनाओं में भुगतान प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है। इससे भुगतान व्यवस्था में भेदभाव की आशंका भी जताई जा रही है। सूत्रों का दावा है कि लेखा विभाग के कुछ अधिकारियों के विरुद्ध दस्तावेज और जानकारी एकत्रित की जा रही है। यदि आरोप सही पाए गए तो मामले की शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) और ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से किए जाने की तैयारी है।

इनका कहना है –

आपको गलत जानकारी मिली है, मेरे यहां से किसी प्रकार से भुगतान नहीं रोका गया है, और जानकारी मै आपको ऑफिस समय मे दे दूंगा।

गिरीश कुमार गोरांग
मुख्य वित्त अधिकारी जबलपुर

रेलवे अस्पताल में मेडिकल क्लेम घोटाला!

विजिलेंस जांच में खुलेंगे कई राज

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के रेल अस्पताल में मेडिकल क्लेम के नाम पर बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों के इलाज से जुड़े मेडिकल बिलों में कथित गड़बड़ी कर 40 लाख रुपये से अधिक की राशि के हेरफेर का आरोप लगा है। मामले के सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। वहीं प्रकरण की जांच विजिलेंस स्तर पर जारी है। सूत्रों के अनुसार जांच में ऐसे मेडिकल क्लेम सामने आए हैं, जिनमें बिलों और दस्तावेजों की सत्यता पर सवाल उठे हैं। आरोप है कि फर्जी या संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर मेडिकल प्रतिपूर्ति (रीइम्बर्समेंट) की राशि हासिल की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे ने संबंधित रिकॉर्ड और भुगतान प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी है।

मेडिकल क्लेम प्रक्रिया पर उठे सवाल

रेलवे में कर्मचारियों को इलाज के खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत मेडिकल बिल जमा करने होते हैं। इस प्रक्रिया में अस्पताल के बिल, जांच रिपोर्ट, दवाओं के दस्तावेज और अन्य प्रमाणों का सत्यापन किया जाता है। लेकिन यदि इसी व्यवस्था में सेंध लगाकर फर्जी क्लेम पास कराए गए हैं तो यह रेलवे की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

जांच के दायरे में और लोग आ सकते हैं

मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ अब यह पता लगाया जा रहा है कि फर्जी क्लेम का यह खेल कितने समय से चल रहा था और इसमें कितने लोगों की भूमिका रही। जांच एजेंसियां मेडिकल बिलों, भुगतान रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल कर रही हैं।

घटना के बाद रेलवे कर्मचारियों में भी चर्चा तेज हो गई है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि कोई दोषी है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन जांच पूरी निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए ताकि निर्दोष लोगों पर कार्रवाई न हो। फिलहाल रेलवे प्रशासन की जांच जारी है। आने वाले दिनों में इस मामले में और नाम सामने आने या कार्रवाई बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

कटनी स्टेशन में गर्भवती यात्री को रेलवे ने तुरंत दिलाई चिकित्सकीय सहायता

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के कटनी रेलवे स्टेशन पर एक गर्भवती महिला यात्री को समय रहते चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराकर सुरक्षित उपचार सुनिश्चित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संघमित्रा एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12295) में यात्रा कर रही लगभग 20 वर्षीय महिला, जो गर्भावस्था के सातवें से आठवें माह में थीं, को यात्रा के दौरान

अचानक पेट में तीव्र दर्द की शिकायत हुई। घटना की सूचना मिलते ही उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) महेंद्र कुमार ने तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए रेलवे चिकित्सक तथा 108 एम्बुलेंस सेवा को मौके पर बुलाया। रेलवे चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार प्रदान करने के उपरांत महिला की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा हेतु जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहाँ एम्बुलेंस के माध्यम से सुरक्षित पहुँचाया गया। महिला के परिजनों ने इस कठिन परिस्थिति में त्वरित सहायता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देने के लिए रेलवे प्रशासन, रेलवे चिकित्सक तथा उपस्थित रेलवे कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार का दरवाजा अचानक खुलने पर मुंशी घायल

जबलपुर। सिविल लाईन थाना अतंर्गत जीएस कॉलेज के सामने रोड पर खड़ी एक कार के अचानक दरवाजा खुलने पर उससे टकराकर एक मुंशी नीचे गिरकर घायल हो गया। सिविल लाईन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार नवयुग कॉलेज के पास सिविल लाईन निवासी 49 वर्षीय महाधिवक्ता कार्यालय का मुंशी संदीप कुमार ठाकुर गत रात लगभग 8.15 बजे अपनी मोटर सायकल से आफिस से अपने घर जा रहा था जीएस कॉलेज के सामने पहुंचा तभी रोड पर खड़ी सफेद कार क्रमांक एमपी 20 टीए 0935 के चालक ने अचानक कार का गेट खोल दिया जिससे कार के गेट से संदीप की मोटर सायकल टकरा गई और उसके सिर, पैर, सीना व पीठ में चोटें आ गयीं हैं।

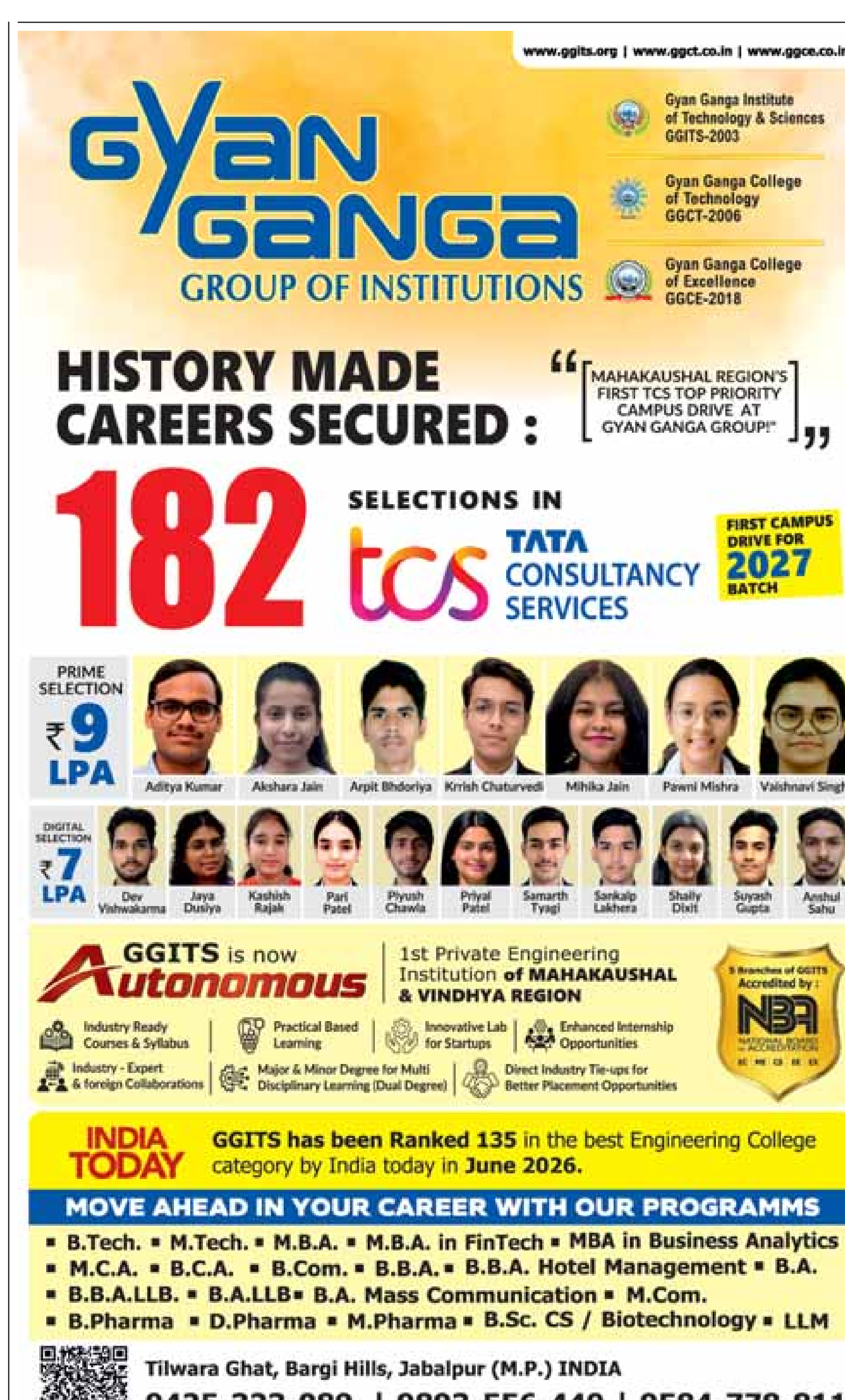

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240